हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

जबलपुर

रविवार, 7 जनवरी 2024

haribhoomi.com

चिकित्सा सेवाओं का विस्तार

स्वस्थ मध्यप्रदेश का आधार

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

एवं

डॉ. मनसुख मांडविया

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा
रसायन व उर्वरक मंत्री, भारत सरकार

की अध्यक्षता में

₹218 करोड़ लागत की
187 स्वास्थ्य संस्थाओं

का

भूमिपूजन एवं लोकार्पण

महाकाल मंदिर एवं उज्जैन के अन्य मंदिरों में
विकास कार्यों का शिलान्यास

उज्जैन फूड स्ट्रीट (प्रसादम्) का उद्घाटन

7 जनवरी, 2024 | प्रात: 10:30 बजे | श्री महाकाल महालोक परिसर, उज्जैन

सबकी पहुंच में चिकित्सा सुविधाएं

जिला चिकित्सालय	51	ऑक्सीजन बेड	15500
सिविल अस्पताल	144	एच.डी.यू. बेड	563
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	353	आई.सी.यू. बेड	1695
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	1450	पी.आई.सी.यू. बेड	626
उप स्वास्थ्य केन्द्र	10258	एस.एन.सी.यू. बेड	1639
स्वास्थ्य संस्थाओं में सामान्य बिस्तर	45011	एन.बी.एस.यू. बेड	780

"प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास की प्रक्रिया लगातार जारी है। मध्यप्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र में 20 हजार करोड़ रुपये के निवेश से हम मध्यप्रदेश को निरामय इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं में देश का अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में आगे कदम बढ़ा चुके हैं।"

– डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

सीधा प्रसारण

@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

मध्यप्रदेश शासन

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2024

D-11165/23

धुआं और धुंध

कड़ाके की ठंड की चपेट में उत्तर भारत, उड़ानें और ट्रेनें लेट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

समूचे उत्तर भारत में इस समय शीतलहर के चलते कड़ाके की ठंड जारी है। घने कोहरे के चलते लोगों के आवागमन भी प्रभावित हो रहें हैं। शनिवार की सुबह देश की राजधानी नई दिल्ली में न्यूनतम तापमान 8.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज की गई। घने कोहरे के कारण दृश्यता (विजबिलटी) भी प्रभावित रही। शनिवार सुबह साढ़े पांच बजे पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार,राजस्थान और दिल्ली के कुछ हिस्सों में दृश्यता 50 मीटर दर्ज की गई।

दृश्यता मात्र 50 मीटर

खराब दृश्यता से रफ्तार पर ब्रेक

ठंड और कोहरे के कारण दिल्ली से उड़ान भरने वाली कई उड़ानों में देरी हुई। स्पाइसजेट एयरलाइन ने खराब दृश्यता विजबिलटी के कारण अमृतसर,जम्मू, वाराणसी, गोरखपुर, पटना, जयपुर, शिरडी और दरभंगा सहित हवाई अड्डों पर संभावित देरी की सूचना जारी की गई।

14 ट्रेनें भी प्रभावित

उत्तर रेलवे ने बताया राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली आने वाली 14 ट्रेनें 2 से 6 घंटे की देरी से चल रही हैं। इन ट्रेनों में पुरी-नई दिल्ली पुरूषोत्तम एक्सप्रेस, आजमगढ़-दिल्ली कैफियत एक्सप्रेस, चेन्नई-नई दिल्ली जीटी, जम्मूतवी-अजमेर एक्सप्रेस, कटिहार-अमृतसर एक्सप्रेस, मुंबई-निजामुद्दीन अगस्त क्रांति राजधानी शामिल हैं।

खबर संक्षेप

रायुडू ने वाईएसआर कांग्रेस से दिया इस्तीफा

भुवनेश्वर। भारत के पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू को राजनीति रास नहीं आई। वे 2 हफ्ते तक भी इस पिच पर नहीं टिक पाए। 28 दिसंबर को वाईएसआर कांग्रेस में शामिल होने वाले अंबाती ने 6 जनवरी को इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कुछ समय राजनीति से दूर रहने की घोषणा की।

संजय को राहत, जाकर फार्म भरने की छूट

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति मामले में गिरफ्तार किए गए आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। दिल्ली की एक कोर्ट ने संजय सिंह को आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए खुद जाकर नॉमिनेशन भरने की छूट दी है। इससे पहले आप ने शुक्रवार के लिए नामित किया था।

दिल्ली के मोदी मिल इलाके में भीषण आग

दिल्ली। यहां के मोदी मिल इलाके के जंगल में भीषण आग लगने की खबर है। दमकल की 7 गाड़ियां आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही हैं। अभी तक किसी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। ये आग मथुरा रोड स्थित मोदी मिल के जंगल में लगी है। आसपास भारी जाम लग गया है।

मॉडल दिव्या मर्डर की जांच करेगी एसआईटी

गुरुग्राम। मॉडल दिव्या पाहुजा मर्डर केस में एसआईटी का गठन किया गया है। एसआईटी में डीसीपी क्राइम, सेक्टर-17 क्राइम ब्रांच के इंचार्ज इंस्पेक्टर अनिल और थाना प्रभारी सेक्टर-14 शामिल हैं। दिव्या की होटल सिटी प्वाइंट में होटल मालिक अभिजीत सिंह ने गोली मार दी थी।

नोएडा में 14 तक बंद रहेंगे 8वीं तक के स्कूल

ग्रेटर नोएडा। भीषण ठंड और कोहरे को देखते हुए जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देश पर जिले के नर्सरी से आठवीं तक के 14 जनवरी तक बंद रहेंगे। बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार ने कहा, घने कोहरे और ठंड के कारण गौतमबुद्धनगर में मान्यता प्राप्त आठवीं तक के स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है।

राशन घोटाले में बंगाल में ईडी की छापामार कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी

हमले के बाद से फरार अब टीएमसी नेता शाहजहां के खिलाफ लुकआउट नोटिस

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

ईडी ने नोटिस को सभी एयरपोर्ट और सीमा सुरक्षा बल, सीमा पुलिस तथा अन्य एजेंसियों को भेज दिया है। जगह-जगह उसकी तलाश की जा रही

शाहजहां के समर्थकों ने किया था ईडी टीम पर हमला

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापामारी के दौरान टीम पर भीड़ के हमले के मामले में ईडी ने टीएमसी नेता शाहजहां शेख के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। पुलिस शुक्रवार को उसके घर पर छापा मारने पहुंची थी, तभी टीम पर हमला हो गया था। इसमें कई अधिकारी घायल भी हो गए थे। घटना के बाद से शेख फरार है। ईडी के मुताबिक शाहजहां शेख के समर्थकों ने ही हमला किया था।

ईडी ने नोटिस को सभी एयरपोर्ट और सीमा सुरक्षा बल, सीमा पुलिस तथा अन्य एजेंसियों को भेज दिया है। उत्तर 24 परगना जिला परिषद सदस्यशेख के संदेशखाली स्थित आवास पर तलाशी ले रही ईडी टीम पर उसके समर्थकों ने हमला कर दिया और सीआरपीएफ कर्मियों के साथ भी मारपीट की। पुलिस ने घटना के संबंध में अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया है, हालांकि तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है।

अधिकारियों पर जानलेवा हमले के बाद एक्शन में ईडी

शंकर समर्थकों ने किया ईडी टीम के वाहनों पर पथराव

हमले में कई अफसर गंभीर घायल

ईडी के अनुसार जब उनका काफिला बोनगांव से निकल रहा था, तभी भीड़ ने उनकी गाड़ियों पर पथराव करना शुरू कर दिया, जिससे एक गाड़ी का शीशा टूट गया. सूत्र ने कहा कि हमारे अधिकारियों और केंद्रीय बलों को 100 से अधिक लोगों की भीड़ का सामना करना पड़ा। हालांकि, केंद्रीय बल स्थिति को नियंत्रित करने में कामयाब रहे।

नगर पालिका का पूर्व अध्यक्ष शंकर गिरफ्तार

ईडी ने बोनगांव नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष शंकर आध्या को शुक्रवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। आध्या पूर्व मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक का करीबी है। ईडी राशन घोटाले को लेकर टीएमसी नेता शाहजहां शेख के ठिकाने पर छापा मारने पहुंची थी।

यह तीसरी गिरफ्तारी

राशन वितरण घोटाल में में ईडी ने तीसरी गिरफ्तारी की है, पहले कोलकाता स्थित व्यवसायी बकीबुर रहमान, फिर राज्य के वन मंत्री और पूर्व राज्य खाद्य आपूर्ति मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक को गिरफ्तार किया गया। अब शंकर को दबोचा गया है।

ईडी का दावा

हथियारों से लैस 800-1000 लोगों ने अटैक किया

ईडी के अधिकारियों पर हमले को लेकर जांच एजेंसी ने बड़ा दावा किया। ईडी ने कहा कि हमारी टीम पर 800 से 1000 लोगों ने हमला किया। हमलावरों ने मोबाइल, लैपटॉप और कैश लूट लिया। ईडी ने कहा कि पीडीएस घोटाले के मामले में उत्तर 24 परगना के टीएमसी के संयोजक शाहजहां शेख के 3 परिसरों की तलाशी ले रही थी। तलाशी के दौरान एक परिसर में ईडी टीम और सीआरपीएफ कर्मियों पर 800-1000 लोगों ने जान लेने के इरादे से हमला किया।

मुसलमानों को बदरुद्दीन की नसीहत

20 से 26 जनवरी तक घर में रहें, कहीं यात्रा न करें

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के अध्यक्ष बदरुद्दीन अजमल ने मुसलमानों से कहा है कि वे 20 से 26 जनवरी के बीच घर पर ही रहें। इतना ही नहीं उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मुस्लिम विरोधी बताया। एआईयूडीएफ प्रमुख ने कहा कि भाजपा हमारे धर्म की दुश्मन है। रैली में अजमल ने कहा कि मुसलमान 20 से 26 जनवरी के बीच घर पर ही रहें और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान ट्रेन से यात्रा करने से बचें।

मदरसा का कर रहे थे शिलान्यास

असम के ग्वालपाड़ा जिले के कदमतल में एक मदरसा के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए अजमल ने कहा कि भाजपा मुसलमानों से नफरत करती है और हमारे खिलाफ कुछ भी करवा सकती है। इस अवसर तक सभी अपने घर में रहें और सुरक्षित रहें, क्योंकि उस दिन अयोध्या में राम मंदिर की मूर्ति का स्थापना होने वाली है। इसलिए आपसे गुजारिश है कि हर मुसलमान आदमी इस तारीख तक कहीं आने जाने से या रेल की यात्रा करने से परहेज करें।

गिरिराज बोले-किसी से नफरत नहीं

'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' ही हमारा लक्ष्य

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि भाजपा मुसलमानों से नफरत नहीं करती। हम 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र के साथ काम करते हैं। सिंह ने कहा कि अयोध्या भूमि विवाद मामले में पूर्व वादी इकबाल अंसारी को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रित किया गया है और वह प्रार्थना में भी भाग लेंगे। सिंह आरोप लगाया कि बदरुद्दीन अजमल और असद्दुद्दीन ओवैसी जैसे लोग समाज में नफरत फैलाते हैं और भाजपा सभी धर्मों का सम्मान करती है।

पीएम ने एक्स पर किया भजन शेयर

स्वस्ति का 'मेरे राम आएंगे' हम सबके दिल को छू गया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रामनगरी अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां लगभग पूरी हैं। 22 जनवरी को राम मंदिर का भी उद्घाटन होगा।

इस बीच सिंगर स्वस्ति मेहुल की एक भजन की खूब चर्चा में है। स्वस्ति ने भगवान राम के लिए एक भजन गाया है, जो खूब सुर्खियां बटोर रही है। ये भजन पीएम नरेंद्र मोदी के दिल को भी छू गया। पीएम मोदी ने स्वस्ति के इस गाने को लेकर एक ट्वीट भी किया है।

यह भाव-विभोर कर रहा

पीएम मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा 'स्वस्ति जी का ये भजन एक बार सुन लें तो लंबे समय तक कानों में गूंजता रहता है। आंखों को आंसुओं से, मन को भावों से भर देता है।

एनसीआरटीसी कम अवधि के लिए देगी

किराए पर 'नमो भारत' में करें फिल्म व डॉक्यूमेंट्री की शूटिंग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने हाल ही में फिल्म शूटिंग सहित अन्य कार्यक्रमों के लिए आरआरटीएस स्टेशन परिसर और प्रतिष्ठित नमो-भारत ट्रेनों को किराए पर उपलब्ध कराएगी। आरआरटीएस स्टेशन और नमो-भारत ट्रेनें अब फिल्म शूटिंग, डॉक्यूमेंट्री और टीवी विज्ञापनों आदि के लिए अल्पकालिक अवधि के लिए किराए पर मिल सकेगी।

विश्वस्तरीय सुविधाएं भी

आरआरटीएस के बुनियादी ढांचे और नमो भारत ट्रेनें विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ वास्तुकला और मॉडर्न डिजाइन से परिपूर्ण हैं, जो मनोरम और बहुमुखी शूटिंग का लक्ष्य रखने वालों के लिए उत्तम विकल्प हो सकती हैं।

राहुल के नेतृत्व में 14 से शुरू होगा इसका सफर

भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का लोगो और टैगलाइन लॉन्च

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बाद अब कांग्रेस फिर से यात्रा मोड में आ गई है। इस बार यात्रा का पूर्व से पश्चिम की ओर जाएगी। इस यात्रा को भारत जोड़ो न्याय यात्रा का नाम दिया गया है।

यह राहुल गांधी के नेतृत्व में निकलेगी। कांग्रेस ने इस यात्रा का लोगो भी लॉन्च कर दिया है। शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का लोगो लॉन्च किया।

मणिपुर क्यों नहीं गए पीएम मोदी?

खरगे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केंद्र और पीएम मोदी पर निशाना साधा। खरगे ने कहा, पीएम कई जगह जाकर फोटोशूट कराते हैं, वे मणिपुर क्यों नहीं गए।

14 जनवरी से शुरू हो रही यात्रा

उन्होंने बताया कि राहुल के नेतृत्व में हम 14 जनवरी से 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' शुरू कर रहे हैं। यात्रा से जुड़ने के लिए इंडिया गठबंधन के नेताओं, कांग्रेस के मित्र दलों और सिविल सोसाइटी को भी आमंत्रित किया गया है। खरगे ने कहा कि 14 से मणिपुर से मुंबई तक यह शुरू की जा रही है।

जिला अदालत ने एएसआई का आवेदन स्वीकार किया

अब 4 सप्ताह तक सार्वजनिक नहीं की जाएगी सर्वे रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

ज्ञानवापी परिसर से संबंधित एएसआई की सीलबंद सर्वे रिपोर्ट के सार्वजनिक करने के मामले में शनिवार को जिला अदालत से आदेश आ गया है। वाराणसी जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने एएसआई का आवेदन स्वीकार कर लिया है जिसमें टीम ने 4 सप्ताह तक रिपोर्ट सार्वजनिक न करने की अपील की थी।

एएसआई ने जिला जज को आवेदन देकर कहा कि 4 सप्ताह तक सर्वे रिपोर्ट सार्वजनिक न की जाए, क्योंकि इलाहबाद हाईकोर्ट ने वर्ष 1991 के लंबित वाद लार्ड विश्वेश्वर मामले में भी सर्वे रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। ऐसे में द्वितीय प्रति तैयार करने में समय लगेगा। इसलिए रिपोर्ट सार्वजनिक न की जाए।

ज्ञानवापी परिसर से संबंधित रिपोर्ट में वाराणसी जिला जज का फैसला

2 सील बंद लिफाफों में रिपोर्ट दाखिल

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में 2 सील बंद लिफाफों में ज्ञानवापी की सर्वे रिपोर्ट दाखिल की है। रिपोर्ट की मांग हिंदू के साथ ही मुस्लिम पक्ष ने भी की है। हिंदू पक्ष ने रिपोर्ट की प्रति तत्काल दिए जाने का अनुरोध किया था। मुस्लिम पक्ष ने पहले आपत्ति जताई थी, फिर ईमेल आईडी देकर रिपोर्ट मांगी है।

सर्वे रिपोर्ट लीक न हो, मीडिया कवरेज पर लगे रोकः मसाजिद कमेटी

अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी ने जिला जज की अदालत में आपत्ति दाखिल की है। कमेटी ने अनुरोध किया कि शपथ पत्र लेने के बाद ही सर्वे की रिपोर्ट दी जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि सर्वे की रिपोर्ट लीक नहीं होगी। मीडिया कवरेज पर रोक लगाने की मांग भी की गई है।

यूपी के डीजी ने दिए आदेश

'प्राण- प्रतिष्ठा' में स्मार्ट फोन इस्तेमाल न करें पुलिसकर्मी

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही है। यूपी पुलिस ने चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के बंदोबस्त के लिए पूरी तरीके से तैयारियों में जुटी है।

डीजी लॉ एंड आर्डर प्रशांत कुमार ने आदेश जारी कर 22 जनवरी और 26 जनवरी की संवेदनशीलता को देखते हुए सुरक्षा में लगे पुलिसकर्मियों को मोबाइल फोन न इस्तेमाल करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा मोबाइल चलाते कई बार लापरवाही की जाती है।

इस कार्यक्रम में कई हस्तियां मौजूद रहेंगी

इस दिन अयोध्या में पीएम नरेंद्र मोदी समेत तमाम दिग्गज हस्तियां मौजूद रहेंगी, ऐसे में सुरक्षा में कोई चूक को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसी को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

जबलपुर

रविवार, 7 जनवरी 2024

- पौष मास कृष्ण पक्ष-11
- वर्ष : 18, अंक : 245
- पृष्ठ : 2+6+6=14 मूल्य : 3.00 रूपये

मौसम

अधि. 21
न्यून. 16

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

10 'राममय' का सांस्कृतिक-राजनीतिक दौर

मैट्रो

6 धान खरीदी घोटाले की जांच में खुल रही परतें

खबर संक्षेप

एआई से कैंसर का पता लगाएगा टाटा हॉस्पिटल

मुंबई। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से कैंसर जैसी बीमारी का पता लगाने के लिए मुंबई के टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल ने एक खास पहल की है। टाटा कैंसर की बीमारी में उपयोग में आने वाले निदान उपकरणों में एआई का उपयोग कर रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि यह पता लगाने वाला उपकरण, उत्तरदाताओं के लिए अनावश्यक कीमोथेरेपी से बचने में भी मदद करेगा।

विधायकों के लिए प्रबोधन 9 व 10 जनवरी को

भोपाल। मप्र विधानसभा में 9 व 10 जनवरी को सुबह 11 बजे से 16वीं विधानसभा में नव निर्वाचित विधायकों के लिए प्रबोधन होगा। इसमें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला प्रमुख रूप से शामिल होंगे। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, सीएम डॉ. मोहन यादव, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार मौजूद रहेंगे। इस संबंध में सभी विधायकों को जानकारी दी जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरिद्वार में पतंजलि गुरुकुलम एवं आचार्यकुलम शिलान्यास समारोह में कहा

नई शिक्षा नीति सर्वांगीण विकास और मानवीय मूल्यों की स्थापना पर केंद्रित

डॉ. यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का मानना था कि 21 वीं शताब्दी भारत के उत्कर्ष की शताब्दी होगी और उत्कर्ष के यह लक्षण दिखाई देने लगे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश का यश संपूर्ण विश्व में स्थापित हुआ है।

पतंजलि योग पीठ का 29वां स्थापना दिवस और स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती को साथ ही गुरुकुल के संस्थापक स्वामी दर्शनानंद की जयंती के अवसर पर हरिद्वार में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने यहां पतंजलि गुरुकुलम की आधारशिला रखी।

हरिभूमि न्यूज ⏭भोपाल/हरिद्वार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सभी युगों में हमारे देश में शिक्षा-दीक्षा को महत्व प्रदान किया गया। आज से 5 हजार साल पहले भगवान श्रीकृष्ण द्वारा बाल रूप में कंस जैसी महाशक्ति का पराभव करने के बाद भी तत्कालीन समाज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा-दीक्षा होना चाहिए। इसके बाद श्रीकृष्ण उज्जैन स्थित आचार्य सांदीपिनी आश्रम पधारे। तत्कालीन शिक्षा व्यवस्था 14 विद्या व 64 कला से परिपूर्ण थी।

रक्षा मंत्री ने कहा

भारतीय संस्कृति जीवित है तो इसमें देश के गुरुओं का सबसे बड़ा योगदान

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने संबोधन में कहा कि हमारे देश में जो सिख धर्म है, वह शिष्य शब्द से ही निर्मित है। भारत में कई सारे ऐसे धर्म और संप्रदाय हैं, जो गुरुवाणी के आधार पर ही कायम है। यदि भारतीय संस्कृति जीवित है और यह सनातन बनी हुई है, तो इसकी जीवंतता को बनाए रखने में इस देश के गुरुओं का सबसे बड़ा योगदान है। संस्कृत के संरक्षण और संवर्धन के लिए देश के गुरुकुल आगे आए। उन्होंने कहा कि संस्कृत वैज्ञानिक भाषा है। दुनिया के कई विद्वानों ने प्रकृति और सृष्टि को समझने के लिए संस्कृत का ही अध्ययन किया। उन्होंने कहा कि संस्कृत का अहम स्थान है। योग दर्शन भी महर्षि पतंजलि ने संस्कृत में ही लिखा था। उन्होंने संस्कृत पढ़ने लिखने और बोलने वालों की कम होती संख्या को लेकर चिंता जताई। योग गुरु बाबा रामदेव वेद और योग को सरलता से जनमानस तक पहुंचा रहे हैं इसके लिए वह बधाई के पात्र हैं।

अब दिन और रात में पड़ेगी कड़ाकेदार सर्दी

हरिभूमि न्यूज ⏭भोपाल

प्रदेश में शनिवार से कोहरे के बीच बादलों ने डेरा जमा लिया है। पश्चिमी मध्य प्रदेश में अब रात के तापमान में भी गिरावट शुरू हो गई है। मंगलवार से रात के तापमान में और गिरावट होने से दिन के अलावा अब रात में भी सर्दी बढ़ेगी। प्रदेश में बारिश की गतिविधियों में कुछ कमी आ रही है। लेकिन, पूर्वी मप्र के कुछ हिस्सों में बादलों का असर बना हुआ है, जो अभी जारी रहेगा।

मौसम केंद्र के अनुसार रविवार को भी कई जिलों में घना कोहरा और बादल के साथ कहीं-कहीं बौछारें पड़ेंगी। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अभी पूर्वी मप्र में बादलों का असर ज्यादा है, शेष प्रदेश में दिनभर कोहरे के बीच बादल छाए हुए हैं, जिससे तापमान में बदलाव हो रहा है। शनिवार को उज्जैन, रतलाम, इंदौर, धार सहित कुछ जिलों में दिन के तापमान में 3 से 4 डिग्री तक की बढ़त रही। वहीं, पूर्वी मप्र के छिंदवाड़ा, दमोह, मंडला, सिवनी, नरसिंहपुर, टीकमगढ़ व मलाजखंड आदि जिलों में अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री तक की गिरावट हुई है।

ग्वालियर की रात (10.2 डिग्री) और सागर (16.5 डिग्री) का दिन सबसे सर्द

जबलपुर सहित कई जिलों में घने कोहरे के बीच विजिबिलिटी रही शून्य

क्यों बढ़ेगी सर्दी?

मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अभी उप्र में एक हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात बना है। साथ ही उप्र से गुजरात तक एक ट्रफ लाइन भी बनी है, जो मप्र से होकर गुजर रही है। इससे मौसम बदला हुआ है। पश्चिमी मप्र से बादल छंटने और सर्द हवाओं से मंगलवार के आसपास से रात के तापमान में और गिरावट होगी, जिससे दिन के साथ रात में भी सर्दी बढ़ेगी।

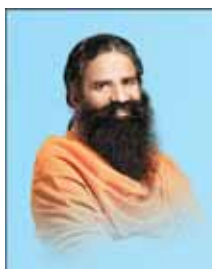

ऐलोपैथी की सिंथेटिक केमिकल बेस्ड दवाओं के साथ पतंजलि ने तुलनात्मक साइंटिफिक रिसर्च कर के ये प्रूव किया है कि पतंजलि की दिव्य आयुर्वेदिक औषधियां अधिक प्रभावशाली हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात है कि पतंजलि की औषधियां, बी. पी., शुगर, थायरॉइड, अस्थमा, आर्थराइटिस, कोलेस्ट्रॉल व फीवर आदि डिजीज को कन्ट्रोल करने के साथ-साथ इन सभी रोगों के कारणों का निवारण भी करती हैं। रोग को ट्रीट करने के साथ पतंजलि की प्रत्येक दिव्य आयुर्वेदिक औषधि इम्यूनिटी बूस्टर, एंटी इंफ्लेमेटरी व एंटी एजिंग भी होती हैं। लीवर व किडनी फंक्शन तथा पाचन को ठीक करने के साथ-साथ बैक्टिरिया, वायरस व फंगस के खिलाफ लड़ने के लिए शरीर को ऊर्जा प्रदान करती हैं। अतः पतंजलि आयुर्वेद की रिसर्च एवं एविडेंस बेस्ड औषधियां अपनाइए रोगों को जड़ से मिटाकर इंटीग्रेटेड हेल्थ पाइए। हेल्थ के बारे में यह सच सभी देशवासियों को पहुंचाकर उपचार के नाम पर हो रहे अत्याचार से देश को बचाकर पुण्य के भागी बनिए। पतंजलि के रिसर्च पेपर सर्च करने के लिए वेबसाइट विज़िट करें https://patanjali.res.in/research-paper.php

हाई बी. पी. को प्राकृतिक रूप से निर्मूल करने के लिए। स्ट्रेस, तनाव, रक्त संचरण एवं पित्त के लिए अचूक औषधि
मुक्ता वटी व बीपीग्रिट

पेनक्रियाज के सेल्स को रीजुविनेट कर के डायबिटीज के पेशेन्ट्स को नॉन-डायबेटिक बनाने के लिए
मधुनाशिनी वटी व मधुग्रिट

श्वसन तन्त्र को मज़बूत बनाकर रेस्पिरेटरी सिस्टम के समस्त रोगों की निवृत्ति व कफ़, कोल्ड, अस्थमा के लिए
श्वासारि गोल्ड, श्वासारि वटी, श्वासारि अवलेह, श्वासारि प्रवाही एवं ब्रोंकोम

डैमेज्ड कार्टिलेज को रिपेयर व सभी पेन मार्कर्स को रेगुलेट कर के आर्थराइटिस और समस्त वात रोगों से मुक्ति दिलाने के लिए
ऑर्थोग्रिट एवं पीड़ानिल

रीनल डिसऑर्डर, क्रॉनिक किडनी डिज़िज को रिवर्स कर के किडनी को पूर्णत: स्वस्थ बनाने के लिए
रीनोग्रिट व ट्रायघन वटी

अनिद्रा, तनाव, डिप्रेशन, माइग्रेन से मुक्ति और स्मरण शक्ति में वृद्धि के लिए
मेमोरीग्रिट, मेधावटी व न्यूरोग्रिट गोल्ड

ज्वर व इम्यूनिटी के लिए अत्यन्त प्रभावशाली है
गिलोय घनवटी व फीवोग्रिट

फैटी लिवर, लिवर सिरोसिस, हेपेटाइटिस व पाचन तन्त्र के समस्त रोगों के लिए सर्वश्रेष्ठ
लिवोग्रिट व लिवामृत

एलोपैथी दवाई के सेवन से ब्लड प्रोफाइल अनियंत्रित हो जाती है। प्राकृतिक रूप से कोलेस्ट्रॉल घटाये लिपिडोम

थायरॉइड के लिए
थायरोग्रिट

एक महीने में 10-15 किलो तक वेट कम करने के लिए गोधन अर्क के साथ मेदोहर वटी तथा लौकी के जूस के साथ वेट गो लें व योग और इंटरमिटेंट फ़ास्टिंग करें।

विश्व का श्रेष्ठतम् व शुद्धतम् पतंजलि हनी व च्यवनप्राश। सर्दियों का यह सुपरफूड खायें, इम्यूनिटी बढ़ायें, रोगों से स्वयं को बचायें।

PATANJALI wellness
Yoga, Ayurveda & Naturopathy

समस्त असाध्य रोगों से स्थायी मुक्ति पाने के लिए एक बार 7 दिन पतंजलि वेलनेस में रेजिडेंशियल योग, आयुर्वेद एवं पंचकर्म आदि की चिकित्सा के लिए अवश्य आयें।
रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें : 8954666111, 8954666222, 8954666333

पतंजलि गुरूकुलम् में एडमिशन हेतु सम्पर्क करें:
8954555999

हमारी सभी औषधियाँ पतंजलि स्टोर्स, प्रमुख मेडिकल, आयुर्वेदिक और बड़े स्टोर्स पर उपलब्ध हैं। यदि किसी स्टोर पर उपलब्ध न हो, तो दुकानदार से इसकी डिमाण्ड कीजिए। वो हमारे डिस्ट्रीब्यूटर से लेकर आपको अवश्य उपलब्ध कराएंगे।

ऊपर वर्णित दवा का उपयोग मात्र सुझाव है। उपर्युक्त रोगों के प्रबंधन हेतु उपचार में इनका मुख्यतः प्रयोग किया जाता है। स्वविवेक से दवाएं न लें। दवाओं का प्रयोग हमेशा चिकित्सकीय निरीक्षण में करें।

एक-दूसरे से सहज संपर्क के लिए ईजाद किया गया मोबाइल फोन, अब हमारी जीवनशैली का जरूरी हिस्सा बन चुका है। इसमें मौजूद तकनीकों ने बहुत सहूलियतें दी हैं तो यह हमारे बारे में दूसरों को बहुत-सी जानकारियां भी दे सकता है। हमारे व्यवहार, मानसिकता और सामाजिक छवि के बारे में भी हमारा मोबाइल फोन बहुत कुछ बताता है।

हमारे बारे में बहुत कुछ बताता है

मोबाइल फोन

आपसे वह बात नहीं करना चाहता। पहले कई तरह के दूसरे बहानों की गुंजाइश थी, लेकिन अब नहीं रह गई है। इसलिए आज की तारीख में किसी का फोन उठाना या ना उठाना, आपके उस व्यक्ति के साथ रिश्ते अच्छे होने या ना होने का आधार माना जाता है।

{ कवर स्टोरी / किरण भास्कर }

इस समय दुनिया में कुल जितनी आबादी है, उससे करीब डेढ़ गुना ज्यादा मोबाइल फोन मौजूद हैं। एक अनुमान के मुताबिक धरती के हर कोने में, हर समय करीब चार अरब से ज्यादा मोबाइल फोन सक्रिय रहते हैं। मोबाइल फोन अब महज एक-दूसरे के साथ संपर्क का जरिया भर नहीं है बल्कि यह हर साल तीन ट्रिलियन से ज्यादा के ऑनलाइन और मोबाइल कारोबार का बुनियादी जरिया भी बन चुका है। दुनिया में हर दिन इसी मोबाइल फोन की बदौलत जहां करोड़ों दिल प्यार की डोर में बंधते हैं, वहीं लाखों लाख दिल हर दिन इसी मोबाइल के जरिए टूट भी जाते हैं। आज शासन-प्रशासन की ज्यादातर गतिविधियां भी मोबाइल फोन से ही संपन्न होती हैं। लब्बोलुआब यह कि आज मोबाइल फोन सिर्फ सूचना पाने या देने का जरिया ना होकर, यह हमारी आधुनिक जीवनशैली का जरूरी हिस्सा बन चुका है।

रिलेशन अप्रोच करता है साबित

जब तक मोबाइल फोन नहीं थे, दुनिया में सिर्फ लैंडलाइन फोन ही थे, तब तक किसी से फोन पर बात करने या ना करने की हमारे पास भरपूर छूट हुआ करती थी। मान लीजिए किसी ऐसे व्यक्ति का फोन हमारे लैंडलाइन पर आया, जिससे हम बात नहीं करना चाहते, तो किसी और से कहला दिया जाता था कि आपको जिनसे बात करनी है, फिलहाल वो यहां मौजूद नहीं हैं। लेकिन अब इस तरह की छूट लेना संभव नहीं रहा, क्योंकि भले आपका मोबाइल फोन उठाकर कोई अन्य सदस्य कॉल करने वाले से यह कह दे कि आपको जिनसे बात करनी है, वो यहां मौजूद नहीं हैं, सिर्फ उनका मोबाइल फोन यहां छूट गया है। लेकिन अब आपकी ऐसी बातों पर कोई आसानी से यकीन नहीं करेगा। भले यह सौ फीसदी सच हो, क्योंकि मोबाइल फोन का मतलब होता है, ऐसा फोन जो सिर्फ आपके पास रहता है और जिसे आप ही उठाने या ना उठाने का निर्णय करते हैं। इसलिए आज के दौर में किसी का फोन अगर कोई नहीं उठाता, तो इसका साफ संदेश होता है कि

कॉलर की पहचान हुई आसान

आज की तारीख में मोबाइल फोन इसलिए एक सेंसिटिव, एटिकेट और रिलेशन का मानक बन गया है, क्योंकि आज तकनीक ने हमसे वो तमाम बहाने छीन लिए हैं, जिनकी बदौलत पहले हम यह भ्रम पाल सकते थे या किसी और से पलवा सकते थे कि वास्तव में हमें आपकी सही-सही पहचान का पता नहीं चलता था। लेकिन आज ऐसा नहीं है। करीब-करीब हर व्यक्ति के फोन में यह सुविधा है कि जब कोई फोन आ रहा हो

तो साफ पता चल सके कि फोन कौन व्यक्ति कर रहा है। जिन्हें अभी यह सुविधा उपलब्ध नहीं है या जो इसका उपयोग नहीं करते, उन्हें भी कम से कम इतना तो पता चल ही जाता है कि फोन कौन कर रहा है? अगर उसका फोन नंबर आपके मोबाइल में मौजूद है या उससे नियमित बात होती है तो।

लोकेशन भी बताता है फोन

अब तो कई ऐसी नई तकनीकें भी आ चुकी हैं, जिनके कारण लोगों का यह बहाना भी छिन गया है, जिसमें वे होते कहीं और थे, जबकि बताते कहीं और थे। इससे उन्हें बात ना करने की छूट मिल जाती थी। आज बहुत मामूली भुगतान पर ऐसे तकनीकी एप मौजूद हैं, जो आपको बताते हैं कि फोन करने वाला व्यक्ति कहां से फोन कर रहा है? यानी कॉलर की प्रेजेंट लोकेशन क्या है? इसलिए आप दिल्ली में बैठे हुए किसी व्यक्ति से यह नहीं कह सकते कि मैं मुंबई में हूं। बेहतर यही है कि मोबाइल से बात करते समय अपनी लोकेशन के बारे में सच ना छुपाएं।

यहां जिक्र की गई क्वालिटीज के अलावा भी फोन की तकनीक ने हमारी जिंदगी के बहुत सारी परतों को सबके सामने खोलकर रख दिया है। कुल मिलाकर कहने की बात यह है कि आज रोजमर्रा की जिंदगी में फोन हमारी जीवनशैली और रोजगार से लेकर भावनाओं के कारोबार तक का जरिया बन चुका है, इसलिए फोन का बहुत सटीक और जितना हो सके ईमानदार उपयोग करें, वरना आपकी सालों की बनी-बनाई इमेज को मोबाइल फोन पलक झपकने की देरी में डैमेज कर सकता है। *

फॉलो करें मोबाइल एटिकेट्स

मोबाइल फोन के पर्सनल यूज में सावधानियों के साथ शिष्टता का बर्ताव करते हुए कुछ प्रैक्टिकल टिप्स को भी याद रखना चाहिए।

- जब भी किसी क्लोज फ्रेंड या रिलेटिव से पब्लिक प्लेस या वर्कप्लेस पर बात करें तो उसके फोन को स्पीकर पर ना डालें। इससे फोन करने वाले को इंसल्ट महसूस होती है। उसे लगता है उसकी बातें दूसरे ऐसे लोग भी सुन रहे हैं, जिनको नहीं सुनना चाहिए, फिर चाहे भले ऐसा ना हो रहा हो।
- फोन से बात करते हुए कभी भी अपनी आवाज बहुत तेज ना करें। कोशिश करें कि किसी सार्वजनिक जगह पर फोन से तभी बात करें, जब आपके आस-पास 4-5 फीट तक कोई ना खड़ा हो।
- वो दिन बीत गए जब लोग धड़ल्ले से दूसरों का लैंडलाइन फोन इस्तेमाल किया करते थे। मोबाइल के दौर में दूसरे के फोन के इस्तेमाल की कोशिश ना करें। यदि मजबूरी में ऐसा करना हो तो बिना परमिशन ऐसा ना करें।
- अगर आप किसी मीटिंग या पब्लिक प्लेस पर हैं और बात नहीं कर सकते तो कॉल करने वाले को मैसेज से सूचना जरूर दे दें कि बाद में आप कॉल करेंगे। *

डिजिटल संवाद का पसंदीदा सिंबल इमोजी

व्हाट्सअप, मैसेंजर, एसएमएस, ई-मेल, फेसबुक या ट्विटर, सोशल मीडिया या डिजिटल कम्युनिकेशन का कोई भी ऐसा प्लेटफॉर्म नहीं है, जहां इन दिनों इमोजी का जमकर इस्तेमाल ना हो रहा हो। सच यही है कि आज की डिजिटल होती लाइफस्टाइल में इमोजी पूरी तरह फिट हो गई है।

{ टेक्नोलाइफ / लोकमित्र गौतम }

आज के दौर में पूरी दुनिया में लोग एक-दूसरे को जो डिजिटल मैसेज भेजते हैं, उनमें शायद ही किसी भी भाषा का कोई शब्द इतना ज्यादा इस्तेमाल होता हो, जितनी ज्यादा इमोजी का इस्तेमाल होता है। जी हां, वही छोटी-छोटी आकृतियां जिन्हें स्माइली भी कहा जाता है। दुनिया भर में हर दिन लोग आपस में डिजिटल संवाद करते हुए 6 बिलियन से ज्यादा बार इमोजियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि इमोजीज, डिजिटल संवाद को नए अर्थ ही नहीं, नए आयाम भी देती है। दरअसल, जब हम मन में उमड़-घुमड़ रहे असीमित भावों को शब्दों में व्यक्त कर पाने में असमर्थता महसूस करते हैं, तो ये छोटी-छोटी डिजिटल सिंबल्स हमारे बहुत काम आती हैं।

कहां से आई इमोजी: इमोजी, जापानी भाषा का शब्द है, जिसका मतलब होता है, चित्राक्षर। इ का मतलब होता है- चित्र और मोजी का मतलब अक्षर या वर्ण। इसे एक छोटी डिजिटल इमेज या आइकन भी कहा जा सकता है। इसका विकास साल 1997 में एक जापानी कलाकार शिगेताका कूरिता ने किया था। शिगेताका पेशे से इंजीनियर नहीं, अर्थशास्त्र से स्नातक थे और टेलीकॉम कंपनी डोकोमो में काम करते थे। उन्होंने ही पहली बार 176 इमोजी बनाए थे, जो दुनिया में इमोजीज का पहला सेट माना जाता है। इसमें 11X12 ग्रिड पर फिक्सेलेटिड रंगीन कार्प, सिलाई जैसे डिजाइन प्रस्तुत किए गए थे। इसके लिए सड़क संकेतों और चीनी अक्षरों से बनने वाले संकेतों का भी सहारा लिया गया था। इसका उद्देश्य उस जमाने में सेलफोन पर एक सीमित टेक्स्ट को असीमित आयाम देना था, क्योंकि उन दिनों 250 अक्षरों (कैरेक्टर्स) में ही अपना संदेश लिखने की बाध्यता होती थी। इस सीमा में रह कर अपने सीमित संदेश को कैसे असीमित आकार दें, इमोजी के संकेताक्षरों की खोज इसी उद्देश्य के लिए हुई थी।

यंगस्टर्स ने बढ़ाई पॉपुलैरिटी: वैसे कम्युनिकेशन में इमोजी का अस्तित्व पिछली सदी में ही अपनी जगह बना चुका था, लेकिन इसकी लोकप्रियता में उफान मौजूदा सदी के साल 2011 में तब आया, जब इसने धीरे-धीरे युवाओं को आपसी संवाद की भाषा में अपने इस्तेमाल के लिए आकर्षित किया। चार साल बाद सन् 2015 में 'ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी' ने इमोजी शब्द को अपने यहां जगह दी, जिस कारण इसे एक विश्वव्यापी परिभाषा मिली। ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी में इमोजी के लिए लिखा गया, 'फेस विद टीयर्स ऑफ जॉय।' इमोजी के बारे में अगर कहा जाए कि यह डिजिटल जनरेशन की सबसे पसंदीदा भाषा है, और पूरी दुनिया में इसकी एक जैसी वर्तनी और एक जैसी अभिव्यक्ति है, तो इसमें जरा भी अतिश्योक्ति नहीं होगी। यही वजह है कि बिना किसी प्रचार या प्रयास के भी आज हर दिन पूरी दुनिया में 6 बिलियन से ज्यादा इमोजीज का लोग आपसी संवाद में इस्तेमाल करते हैं। यह दुनिया की पहली ऐसी डिजिटल भाषा है, जो इस्तेमाल तो इमेज के रूप में होती है, लेकिन दिमाग में उसके भाव शब्दों के रूप में अर्थ पाते हैं। जून 2018 तक यूनिकोड 1,823 इमोजी को पहचानता था, जिनकी संख्या आज की तारीख में (यूनिकोड वर्जन 15.0 में) बढ़कर 3,664 हो चुकी है। यह चित्रमय भाषा दुनिया को, विशेषकर युवाओं को इस कदर आकर्षित कर रही है कि पिछले तीन सालों में इसका 775 प्रतिशत इस्तेमाल बढ़ा है। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया भर में 92 प्रतिशत से ज्यादा मिलेनियल्स यानी, जिनका जन्म 21वीं में हुआ है, इसका प्रयोग करते हैं।

हर एज के लोग करते हैं यूज: 'एप बाय' नामक एक एप ने अपने सर्वे के जरिए यह निष्कर्ष निकाला है कि इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले 78 फीसदी से ज्यादा लोग अपने टेक्स्ट मैसेजों में इमोजी का इस्तेमाल करते हैं। सबसे ज्यादा अपने लिखित संदेशों में इमोजी का इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं की उम्र 44 साल से कम होती है। जबकि 45 साल और उसके अधिक उम्र के लोग इनके इस्तेमाल को लेकर थोड़े उदासीन होते हैं, फिर भी 24 फीसदी इस उम्र के लोग भी इनका इस्तेमाल खूब करते हैं। *

{ गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' }

झूठ के बाजार में

झूठ के बाजार में शाइस्तगी चलती नहीं
चापलूसी होती है पर मुफलिसी चलती नहीं
पेट की खातिर जलाना पड़ता खुद को रात-दिन
इश्क करने से किसी की जिंदगी चलती नहीं
वक्त आ जाए बुरा तो आगे बढ़कर जीस्त में
जूझना पड़ता है हरदम बुजदिली चलती नहीं
लोग मिलते हैं जहां में खुद-परस्ती के लिए
आजकल राहे वफा में दोस्ती चलती नहीं
दूर जाना पड़ता है सबको अकेले एक दिन
आसमां चलता नहीं ये सरजमीं चलती नहीं
शौक से जलता है परवाना शमा के सामने
बेखुदी के हाल में आवारगी चलती नहीं
रंज वो ही पालते हैं, जिनके मन में खोट है
हो खुलूसे दिल अगर तो दुश्मनी चलती नहीं
भाव श्रद्धा का न हो तो बंदगी किस काम की
आस्था के नाम पर दीवानगी चलती नहीं
सहना पड़ता है चमन का दर्द गुल के वास्ते
सिर्फ लफ्फाजी से 'नवरंग' शायरी चलती नहीं

{ पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश }

स्त्री जीवन की कहानियां

बेटी को भले ही पराया धन माना जाता है लेकिन ब्याह के बाद भी एक बेटी अपने बाबुल को कभी पराया नहीं समझती। ताउम्र वह अपने मायके की खुशहाली के जतन में लगी रहती है। किसी कारणवश ब्याही बेटी को अगर मायके लौटना पड़े तो वह अपने ही घर मे बोझ बन जाती है। जलालत और रोज-रोज का क्लेश उसके जीवन का अंग बन जाता है। कुछ ऐसी ही बेटियों की संवेदनाओं और संघर्षों को बयां करती कहानियों का संग्रह है 'बाबुल और अन्य कहानियां।'

इस संग्रह में कुल दस कहानियां हैं। अधिकतर कहानियों में नायिकाएं बेटियां हैं। ये ऐसी बेटियां हैं, जो ससुराल से मायके में लौटते ही अपनों की आंखों की किरकिरी बन जाती हैं, फिर भी अपनी जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटती हैं। 'तारनहार', 'बाबुल', 'सजा' ऐसी ही बेटियों की कहानियां हैं। 'सजा' कहानी में नायिका को मिले कष्टों के साथ रिश्तों की बेमानी होने की पीड़ा को भी महसूस कर सकते हैं।

'छलावा' चालीस पार की एक स्त्री के प्रेम में पड़ने की कहानी है। लेखिका ने बड़ी बारीकी से नायिका के एहसासों को उकेरा है। 'कीमत' एक भुतहे घर की कीमत लगने की रोमांचक कहानी है। कहानियों की भाषा सहज-सरल है। यही वजह है कि पाठक इनसे सहज ही जुड़ जाता है। असल में ये ऐसी कहानियां हैं, जिनके कथानक हम अपने घर, परिवार, पड़ोस या रिश्तेदारी में देख सकते हैं। *

पुस्तक: बाबुल और अन्य कहानियां (कहानी संग्रह), **लेखिका:** शुभदा मिश्र, **मूल्य:** 200 रुपए, **प्रकाशक:** वैभव प्रकाशन, रायपुर

{ लघुकथाएं }

अनमोल अमानत

तन्मय बदहवास-सा भागता हुआ रद्दी का सामान लेने वाले मंगतलाल की दुकान पर आया। वह हांफ रहा था। सांसों को संभालते हुए तन्मय बोला, 'मेरे घर से अभी अभी रद्दी लेकर तुम्हीं आए थे ना चाचा। उसमें एक साड़ी थी, बहुत पुरानी। पत्नी ने गलती से रद्दी के सामान के साथ तुम्हें बेच दी है चाचा। उससे बहुत बड़ी भूल हो गई। मैं घर में होता तो बिना जांचे तुम्हें रद्दी का सामान नहीं बेचता। असल में मैं बाजार चला गया था कुछ सामान लाने।'

तन्मय की आवाज में अपनी अमानत को लेकर गहरी चिंता थी।

मंगतलाल किसी की आई हुई रद्दी तौल रहा था। रद्दी तराजू पर चढ़ाते हुए बोला, 'बहुत कीमती साड़ी थी क्या बेटा? उसमें सोना-चांदी तो नहीं जड़ा था?'

'नहीं सोना-चांदी तो नहीं जड़ा था। तांत की सफेद साड़ी थी। साइड में ब्लू रंग का बॉर्डर था।' तन्मय ने बताया। मंगतलाल कुछ नहीं बोला।

तन्मय ने आतुरता से पूछा, 'हमारे घर से जो रद्दी लाए थे, कहां रखी है आपने चाचा?'

मंगतलाल ने इशारे से बताया, 'वो देखो कोने में रखी हुई है, सफेद वाले बोरे में।' तन्मय तेजी से बोरे के पास गया, उसे खोलकर रद्दी खंगालने लगा। बोरे में नीचे सफेद साड़ी झांक रही थी। तन्मय की खुशी का ठिकाना ना रहा। वह खुशी से बोला, 'मंगत चाचा, मिल गई साड़ी!' मंगतलाल ने साड़ी को हाथ में लेकर देखा। सफेद रंग की साड़ी जगह-जगह से फटी हुई थी। मन ही मन उसने सोचा इसके तो कोई पांच रुपए भी ना देता। मंगतलाल मजाक में बोला, 'बेटा, पांच सौ रुपए लगेंगे इस साड़ी के।'

तन्मय ने झट से बटुए से पांच सौ रुपए का नोट निकाल कर मंगतलाल के हाथ पर रख दिया और बोला, 'चाचा, आपने बहुत कम पैसे इस साड़ी के मांगे हैं। अगर आपने पांच हजार रुपए भी मांगे होते तो मैं खुशी-खुशी दे देता। यह मेरी मां की आखिरी निशानी है।' तन्मय साड़ी लेकर आगे बढ़ने को हुआ तो मंगतलाल ने टोका, 'सुनो बेटा, मैंने अभी बहू को रद्दी के पैसे दिए नहीं हैं। सोचा था दोपहर जाकर दे आऊंगा। यह पांच सौ रुपए का नोट वापस रख लो। बड़ी अजीब बात है, कोई इतनी मामूली चीज के पांच सौ रुपए देने को तैयार है!'

'आपके लिए यह मामूली होगी मंगत चाचा। मेरे लिए तो यह अनमोल अमानत है। मेरी मां की आखिरी निशानी है यह साड़ी।' यह कहते हुए तन्मय की आंखें छलक आई थीं। *

-महेश कुमार केशरी

स्नेह

अमन बहुत दिनों से नोटिस कर रहा था कि उसके घर के पास काम करने वाला एक बुजुर्ग उसे घूरता रहता था। जब भी अमन वहां से गुजरता, वह बुजुर्ग उसे ध्यान से देखता रहता। कभी-कभी तो वह अमन को देखकर मुस्कुरा भी देता। अमन को लगता कि कहीं यह बुजुर्ग कोई चोर-उचक्का तो नहीं है, जो उस पर नजर बनाए हुए है। अवसर पाकर उसको लूट लेगा। लेकिन उसकी उम्र को देखकर नहीं लगता था कि वह ऐसा कुछ करेगा। फिर भी अमन को अजीब-सा डर सताए रहता था।

एक दिन अमन ऑफिस के लिए निकल रहा था। वह बुजुर्ग उसे

फिर दिखाई दे गया। आज भी वह अमन को एकटक देखे जा रहा था। उसने अमन को देखकर हल्की मुस्कान भी छोड़ी। अमन से रहा नहीं गया। वह उस बुजुर्ग के पास गया और कड़े शब्दों में पूछा, 'क्या आप मुझे जानते हैं? मुझे आप यूं घूरते क्यों हैं? आप दिमागी रूप से ठीक हैं ना?'

अमन की बातों को सुनकर बुजुर्ग थोड़ा हड़बड़ा गया। उसे जवाब देते नहीं बन पा रहा था। लेकिन वह बड़ी हिम्मत करके आहिस्ता से बोला, 'बेटा, मैं तो तुम्हें देखकर अपने बेटे को याद कर लेता हूं। वह अब तुम्हारी तरह जवान हो गया होगा। वह बारह साल पहले मुंबई कमाई करने गया था, तब से घर नहीं लौटा। पता नहीं कहां गायब हो गया? मैं यहां अपने गांव से बहुत दूर आकर मजदूरी कर अपना और अपनी पत्नी का किसी तरह पेट पाल रहा हूं। सात साल से घर नहीं गया। तुम्हें देखता हूं तो उसकी याद आ जाती है। तुम्हें देखकर मन को बहला लेता हूं कि वह भी तुम्हारी ही तरह दिखता होगा।' बुजुर्ग की बातें सुनकर अमन की आंखें भीग गईं। उसे अपनी सोच पर पछतावा हुआ। बुजुर्ग की आत्मीयता ने उसे अंदर तक स्नेह से भर दिया। *

-ललित शौर्य

पहचान

यह जनवरी की एक मखमली दोपहर थी। माहौल में शोखियां उरूज पर थीं। प्रदेश की कला अकादमी आज चित्रकार उमा को एक विशेष पुरस्कार से सम्मानित कर रही थी। उमा की सहेलियां तो उससे भी पहले सभा स्थल पर आ गई थीं। आती भी कैसे नहीं, उनकी सहेली उमा के साथ उन्हें भी तो उस समारोह की शोभा बनना था।

जब उमा की वह कलाकृति लगाई गई, जिसके लिए पुरस्कार मिलना था तो उसको देखकर सखियां हतप्रभ रह गईं। सखियों ने एक ही बार में पहचान लिया था कि कलाकृति में जो उदास-हताश बच्चे दिख रहे हैं, वह उमा की पुरानी काम वाली बाई के हैं। उमा ने अपनी कृति में गरीब बच्चों की पीड़ा को उकेरा था, जिसे देखकर किसी का भी हृदय द्रवित हो सकता था।

तभी समूचा हाल ताली की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उमा को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। उसके लिए बधाई और शुभकामनाओं की बरसात होने लगी। लौटते समय एक सहेली ने उमा से कहा, 'लेकिन उमा ये बच्चे तो अब बहुत ही अच्छे एथलीट हैं, स्कॉलरशिप भी पा रहे हैं। इस तरह उनकी अनुमति के बगैर उनका चित्र बनाकर तुमने गलत तो नहीं किया?'

'अरे, जाने दो यार, मेरे टुकड़ों पर पलते थे वे बच्चे। आज वो कौन-सा खुद को पहचान लेंगे।' कहकर उमा ने अपनी अवार्ड ट्रॉफी को गौरव-भाव से चूम लिया। *

-हरीश चंद्र पांडे

लेखक ध्यान दें...
लेखक रविवार भारती में प्रकाशनार्थ अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर भेजें।

हरिभूमि

इसरो ने रचा 'इतिहास'... अब रहस्य नहीं रहेगा कोरोना लेयर और सूरज का तापमान

आदित्य-एल-1 का 'सूर्य नमस्कार'

1 आदित्य-एल1 को 2 सितंबर 2023 को सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया गया था

2 'एल1' प्वॉइंट के आसपास के क्षेत्र को 'हेलो प्वॉइंट' कहा जाता है

एजेंसी ⏭ बेंगलुरु

'आदित्य एल1 यान पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर शनिवार को अपराह्न चार बजे सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के 'लैग्रेंज प्वॉइंट 1टी (एल 1) के आसपास एक प्रभामंडल कक्षा में पहुंचा। 'एल1 प्वॉइंटट पृथ्वी और सूर्य के की कुल दूरी का लगभग एक प्रतिशत है।

पीएम मोदी ने दी बधाई

हम मानवता की भलाई के लिए विज्ञान की नई सीमाओं को पार करते रहेंगे: *प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भारत का पहला सौर अनुसंधान उपग्रह आदित्य-एल1 अपने गंतव्य तक पहुंच गया। यह सबसे जटिल और कठिन अंतरिक्ष मिशनों में से एक को साकार करने में हमारे वैज्ञानिकों के अथक समर्पण का प्रमाण है।*

126 दिन की यात्रा **15** लाख किमी का सफर **05** साल करेगा अध्ययन

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सूर्य का अध्ययन करने के लिए देश के पहले अंतरिक्ष आधारित मिशन 'आदित्य एल1' यान को शनिवार को पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर इसकी अंतिम गंतव्य कक्षा में स्थापित कर दिया

खबर संक्षेप

एक्टिवा पार्क करते वक्त हार्ट अटैक से मौत

इंदौर। सियागंज के व्यापारी को उस वक्त अटैक आया, जब वह एक्टिवा से घर जा रहे थे और हींग

लेने एक दुकान पर रुके। तभी अचानक उन्हें अटैक आया और वे एक्टिवा से गिर पड़े। दूसरे व्यापारियों ने सीपीआर देकर जान बचाने की कोशिश भी। अस्पताल ले गए तो उन्हें मृत घोषित कर दिया। उषा नगर में रहने वाले किराना व्यापारी और ब्रोकर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष 55 वर्षीय पंकज गादिया जैन की सियागंज में दुकान है।

हिजाब पर मौलाना के बयान से मचा हंगामा

तिरुवनंतपुरम। हिजाब पर आपत्तिजनक टिप्पणी करना एक स्कॉलर खिलाफ कई धाराओं में

मामला दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक कोझिकोड सिटी पुलिस को जमीयतुल उलमा के संयुक्त सचिव उमर फैजी मुक्कम के खिलाफ शिकायत मिली । उन्होंने उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा था कि जो भी महिलाएं 'हिजाब' नहीं पहनती हैं, उनकी नैतिकता ढीली होती है। इस पर काफी हंगामा हुआ।

झारखंड सीएम के प्रेस एडवाइजर तलब

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध खनन से जुड़ी धनशोधन से अर्जित एक हजार

करोड़ रुपए की जांच के सिलसिले में पूछताछ के लिए सीएम हेमंत सोरेन के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद और साहिबगंज के उपायुक्त राम निवास यादव को 11 जनवरी को तलब किया है। इसके अलावा एक अन्य बिनोद सिंह को 15 जनवरी एवं को ईडी ने पेश होने को कहा है। बयान धन शोधन अधिनियम के तहत दर्ज होंगे।

मोहन सरकार का कड़ा एक्शन : बालिका गृह को विदेशी फंडिंग की जांच करेगा महिला बाल विकास विभाग

अवैध बाल गृह मिलने पर दो सीडीपीओ एक परियोजना अधिकारी समेत तीन नपे

इस मामले में प्रशासन को धर्मांतरण का शक परवलिया थाने में एफआईआर दर्ज

अपने-अपने घर में परिजनों के पास मिलीं गायब 26 बच्चियां | **डीपीओ को नोटिस,** तीन दिन में मांगा गया जवाब

सभी अलग-अलग धर्मों की बच्चियों को ईसाई धर्म से जुड़ी प्रार्थनाएं करवाई जाती थीं। इन बच्चियों के पास जो अपने धर्म की प्रार्थना सामग्री थी, वह प्रबंधन ने जब्त कर ली थी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

परवलिया क्षेत्र में चलाए जा रहे आंचल मिशनरी संस्था के बालिका गृह के निरीक्षण में 68 में से 26 बच्चियां लापता मिलने और बच्चियों के गायब होने के बाद जिला प्रशासन एक्शन में आ गया है। मामले का खुलासा होने के बाद पुलिस ने सभी बच्चियों को बरामद कर लिया है। देहात एसपी प्रमोद कुमार सिन्हा के मुताबिक यह बच्चियां अपने-अपने घर पर ही मिली हैं। जिसके बाद शनिवार को कलेक्टर कौशलेंद्र सिंह ने बालिका गृह का निरीक्षण किया।

शनिवार को कलेक्टर कौशलेंद्र सिंह ने बालिका गृह का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि आंचल मिशनरी संस्था के भवन अनुमति की भी होगी जांच

बालिका गृह में कहीं भी सीसीटीवी कैमरे नहीं किचन में मांस मिला

शिकायत में कहा गया है कि आंचल बालिका गृह के संचालक अनिल मैथ्यू ने गैरकानूनी तरीके से बच्चों को रखा। किचन में मांस भी मिला था। बालिका गृह में कई धर्म की बच्चियां हैं, लेकिन उन्होंने बताया कि ईसाई धर्म के अनुसार ही प्रार्थना कराई जाती है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक्स पर कहा कि भोपाल के परवलिया थाना क्षेत्र में संचालित बालगृह से लापता बालिकाओं का वेरिफिकेशन हो गया है। सभी बेटियां सुरक्षित हैं और इनकी पहचान भी कर ली गई है। एक भी दोषी और लापरवाही बरतने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

कानूनगो ने मुख्य सचिव वीरा राणा से 7 दिन में मांगी थी जांच रिपोर्ट

यहां मिली ज्यादातर लड़किया अलग-अलग राज्य की थी। बाकी जो 41 लड़कियां मिली हैं वे रायसेन, छिंदवाड़ा, बालाघाट, सीहोर, विदिशा समेत राजस्थान, झारखंड, और गुजरात की हैं। इस संबंध में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने मुख्य सचिव वीरा राणा को पत्र लिखा था साथ ही सात

यौन उत्पीड़न और मारपीट के तथ्य नहीं

कलेक्टर कौशलेंद्र सिंह ने बताया कि संबंधित संस्था के भवन अनुमति और संस्था को फॉरेन फंडिंग तो नहीं हो रही इसकी भी जांच की जा रही है। इसी के साथ ही अन्य विषयों की भी जांच की जा रही है। अब तक की जांच में बच्चियों के साथ किसी प्रकार के यौन उत्पीड़न और मारपीट संबंधी बात सामने नहीं आई है। सभी पहलुओं पर मामले की जांच की जा रही है।

महादेव एप केस में नई 'सनसनी'

ईडी की चार्जशीट में पूर्व सीएम बघेल का नाम भी

- कैश कूरियर असीम दास के दावे को बनाया आधार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली/ रायपुर

महादेव एप सट्टेबाजी मामले में जेल में बंद कैश कूरियर असीम दास ने दावा किया है कि महादेव एप का पैसा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के लिए ही कथित तौर पर भेजा गया था।

वह अपने पूर्व के बयान पर आज भी कायम है। दरअसल, ईडी ने पिछले दिनों कोर्ट में पेश किए गए पूरक चालान में इसका उल्लेख किया है। इससे पहले 12 दिसंबर को दास ने अदालत में कहा था कि उसे एक साजिश के तहत फंसाया गया है और उसने कभी किसी को नकदी नहीं दी थी।

दास ने स्वीकार किया कि तीन नवंबर का बयान किसी ऐसे व्यक्ति के प्रभाव में दिया गया था, जो उनके वकील के साथ आया था। उस व्यक्ति ने उन्हें एक पूर्व टाइप किया हुआ दस्तावेज़ दिया और इसे अपनी लिखावट में दोबारा लिखने के लिए कहा था। वह हस्ताक्षरयुक्त पत्र ही ईडी के डायरेक्टर को भेजा गया था और कोर्ट में भी दिया गया था। ईडी का दावा है कि दास का तीन नवंबर को दिया गया पहला बयान सही था, जिसमें बघेल को करोड़ों रुपए देने की बात कही थी।

भूपेश ने लगाया आरोप

ईडी मारपीट और धमकाकर गवाहों से मेरा नाम लेने को कह रही

भूपेश बघेल ने कहा कि महादेव एप के पूरे मामले को जिस तरह से राजनीतिक रंग दिया गया है उससे साफ है कि इसका उद्देश्य अब असली अपराधियों को बचाने और राजनीतिक दुष्प्रचार कर भाजपा को फायदा पहुंचाने का ही रह गया है। ईडी अपने राजनीतिक आकाओं के इशारे पर कूटरचना कर लोगों को गिरफ्तार कर रही है और उनसे दबावपूर्वक मेरे और मेरे सहयोगियों के खिलाफ बयान दिलवा रही है। इन बयानों में जो पैसों के लेनदेन के आरोप लगाए गए हैं उनका कोई आधार नहीं है। ईडी ने दावा किया है कि चंद्रभूषण वर्मा ने भी अपना पहले का बयान वापस ले लिया है। ईडी के नए दस्तावेज से यह और स्पष्ट हो गया है।

पीसीसी बैठक में उठी भितरघाती नेताओं पर कार्रवाई की मांग

बड़े नेताओं पर फूटा कांग्रेस के हारे प्रत्याशियों का गुस्सा, बोले- पाल रखे हैं आस्तीन के सांप

चेताया...तो लोकसभा चुनाव में भी होगा विधानसभा जैसा हश्र

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

विधानसभा चुनाव लड़े कांग्रेस प्रत्याशी अपनी हार को भुला नहीं पा रहे हैं, जबकि प्रदेश कांग्रेस पराजय से उबर कर लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी है। इसी संदर्भ में शनिवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय (पीसीसी) में विधानसभा चुनाव हारे प्रत्याशियों की बैठक बुलाई गई थी। यहां पार्टी के बड़े नेताओं पर इनका गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने कहा कि इन बड़े नेताओं ने आस्तीन के सांप पाल रखे हैं।

जीतू ने आश्वासन के साथ आगे बढ़ने की दी नसीहत

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सभी की शिकायतें गंभीरता से सुनी और जरूरी कार्रवाई का आश्वासन दिया। विधानसभा चुनाव की हार भूलकर लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि हमें ज्यादा से ज्यादा लोकसभा सीटें जीतने की कोशिश करना है। यह काम इसलिए कठिन नहीं है क्योंकि कांग्रेस लगभग 100 विधानसभा सीटें एक से दो फीसदी के अंतर से ही हारी है। बाजी पलटते देर नहीं लगेगी। बैठक में जीतू ने कांग्रेस की फंडिंग के लिए ब्लॉक से लेकर जिला और प्रदेश के पदाधिकारियों के लिए राशि फिक्स कर दी है।

सचिन से भी कम उम्र में वैभव ने दिखाया कमाल

13 साल में बना दिया रिकॉर्ड

पटना। के मोइनुद्दीन स्टेडियम में बिहार और मुंबई के बीच रणजी ट्रॉफी का मुकाबला चल रहा है। इस मुकाबले में बिहार के बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने डेब्यू किया है। रणजी ट्रॉफी में वैभव सूर्यवंशी सचिन से भी कम उम्र में डेब्यू करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। सचिन तेंदुलकर ने 15 साल की उम्र में अपना पहला रणजी मैच खेला था, जबकि संजीव सूर्यवंशी का दावा है कि उनके बेटे वैभव सूर्यवंशी की उम्र 13 साल से भी कम है।

हमला करने वालों में सरपंच का पति भी शामिल!

अवैध खदानों का रास्ता बंद करने पहुंचे वन अमले पर हमला, डिप्टी रेंजर घायल

करीब तीन दर्जन से अधिक लोगों ने रॉड और डंडे लेकर बोला हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायसेन

अवैध खदानों का रास्ता बंद करवाने पहुंची वन विभाग की टीम पर हमला हो गया। 30 से 40 बदमाश हॉकी और डंडा लेकर टीम पर टूट पड़े। डिप्टी रेंजर लाल सिंह पूर्वी हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए। हमला करने वालों में सरपंच पति भी शामिल है। हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए वहां फोर्स भेजी गई है। घटना हकीम खेड़ी की है। यहां पर शनिवार दोपहर 1 बजे डिप्टी रेंजर लाल सिंह पूर्वी, डिप्टी रेंजर मोती सिंह यादव, वनपाल राधा सोलंकी, वनरक्षक रूप सिंह यादव अवैध खदानों का रास्ता बंद कर रहे थे।

डिप्टी रेंजर की हत्या की कोशिश

रेंजर प्रवेश पाटीदार ने बताया कि अवैध खनन रोकने को लेकर टीम जंगल में काम कर रही थी। पहले बावलिया में खनन वाली जगह को भरा गया, इसके बाद टीम हकीमखेड़ी पहुंची। यहां काम कर रही थी, तभी गांव के सरपंच पति तौफिक 30-40 लोगों के साथ स्टाफ को धमकाने आ गया। उनके पास डंडे और हॉकी स्टिक थी।

6 दिसंबर 1992 को बतौर रिपोर्टर अयोध्या में मौजूद रहे प्रभात झा की 'आंखों-देखी'

4 दिसंबर को अयोध्या के राजमार्ग पर कारसेवकों का 'समंदर' था, सभी भोजनालयों में खाना खत्म था पर कोई भूखा नहीं था

कारसेवकों की चिंता के लिए कारसेवकपुरम में विश्व हिंदू परिषद के नेता (स्व) अशोक सिंहल, (स्व) गिरिराज किशोर, संघ के अखिल भारतीय अधिकारी (स्व) मोरोपंत पिंगले व्यवस्था की दृष्टि से अलग-अलग बैठकें ले रहे थे ।

जैसा दीपेश कौरव को बताया

मैं पत्रकार के नाते 6 दिसंबर 1992 को रामलला जन्मभूमि के उस परिसर में खड़ा था, जहां हमारी आंखों के सामने माथे पर भगवा पट्टी बांधे सैकड़ों कारसेवक देखते-देखते गुंबद पर चढ़ गए। बस, घंटे-दो घंटे में विवादित ढांचे को धूल-धूसरित कर दिया। 1986 से बजरंग दल के तत्कालीन राष्ट्रीय संयोजक जयभान सिंह पवैया के साथ रामनवमी पर रिपोर्टिंग करने और रामलला के दर्शन करने हम लगभग प्रति वर्ष जाते थे ।

प्रभात झा

सबसे ज्यादा भीड़ परमहंस दास के आसपास थी

इस बीच रामलला परिसर में लोग ढोल-ढमाकों के साथ आने लगे थे । विहिप के जन्मभूमि न्यास के माध्यम से मंच भी बनने लगा था । 4 दिसंबर की रात्रि हम लोग सोए नहीं। राजगढ़ का युवा गीतकार व चित्रकार जिसका नाम सत्यनारायण मौर्य जिसे प्यार से लोग बाबा मौर्य कहते हैं, ने पूरी अयोध्या की दीवारों को अपनी तूलिका से राममय कर दिया था।

राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा पर

इंदौर में जगमगाएंगे 1 करोड़ दीप 2 हजार किलो पेड़े वितरित होंगे

इंदौर। 22 जनवरी को देशभर में राम मंदिर शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जहां इसी कड़ी में धर्म और संस्कृति के शहर इंदौर में 22 जनवरी का दिन दीपोत्सव की तरह मानने का निर्णय लिया गया है। इस दिन पूरे शहर में 1 करोड़ 8 लाख

दिये लगाए जाएंगे। शहर में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह की शुरुआत मकर संक्रांति 14 जनवरी से होगी, जो 22 जनवरी तक मनाया जाएगा। 22 जनवरी को 56 दुकान पर तीन दिवसीय उत्सव मनाया जाएगा, जहां 56 दुकान को सजाया जाएगा।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रखी पतंजलि गुरुकुलम की आधारशिला

गुरुकुलों में शिक्षा के साथ-साथ समाज में शुचिता व नैतिकता का पाठ भी पढ़ाया जाता था

हरिद्वार। पतंजलि योगपीठ के 29वें स्थापना दिवस, पतंजलि योगपीठ महर्षि दयानन्द सरस्वतीजी की 200वीं जयन्ती एवं गुरुकुल ज्वालापुर के संस्थापक पूज्य स्वामी दर्शनानन्द जी की जयन्ती के अवसर पर देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विश्व के श्रेष्ठतम गुरुकुल "पतंजलि गुरुकुलम" एवं देश के श्रेष्ठतम शिक्षण संस्थान "आचार्यकुलम" की नवीन शाखा का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि गुरुकूलों में शिक्षा के साथ-साथ समाज में शुचिता व नैतिकता का पाठ भी पढ़ाया जाता था। उन्होंने कहा कि मैकाले ने एक षड्यंत्र के तहत ऐसी शिक्षा प्रणाली विकसित की जिसने हमारी गुरुकुलीय परम्परा को लगभग समाप्त ही कर दिया था किन्तु स्वामी रामदेवजी महाराज जैसे तपस्वी महापुरुष ने गुरुकुल की परम्परा को पुनः गौरव प्रदान करते हुए पतंजलि गुरुकुलम की आधारशिला रखी। मुझे आशा है कि स्वामी रामदेवजी के दिशानिर्देश में संचालित पतंजलि गुरुकुलम भारतीय संस्कृति एवं सनातन का ध्वजवाहक बनेगा।

कार्यक्रम में स्वामी रामदेव जी महाराज ने कहा कि हमने गुरुकुल से शिक्षा प्राप्त कर मानव सेवा के लिए विशाल अर्थ साम्राज्य स्थापित किया। अभी 500 करोड़ की लागत से पतंजलि गुरुकुलम तथा आचार्यकुलम तैयार करने की योजना है तथा साथ ही अगले 5 सालों में 5 से 10 हजार करोड़ रुपए शिक्षा के अनुष्ठान में खर्च करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि जो देश से पाया, उसे इस देश को वापस लौटाना है। पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण जी ने कहा कि पूज्य स्वामी दर्शनानंद जी नेअल्प संसाधनों से यह संस्था प्रारंभ कर एक स्वप्न देखा था जिसे श्रद्धेय स्वामी रामदेव जी महाराज साकार कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि त्रेता युग में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम तथा द्वापर में योगेश्वर कृष्ण ने गुरुकुलों में शिक्षा ग्रहण की। स्वामी रामदेव जी उसी गौरवशाली गुरुकुलीय परम्परा के संवाहक बन कर गुरुकुलीय परम्परा को गौरव प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने नई शिक्षा नीति के माध्यम से भविष्य की पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ने का प्रण लिया है। हमारा लक्ष्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास है।

उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि गुरुकुल एक विशिष्ट शब्द है जहाँ गुरु शिष्य को कुलवाहक मानकर शिक्षित कर उसका मार्ग प्रशस्त करता है। स्वामी रामदेव जी महाराज महर्षि दधिचि के समान अपना सर्वस्व देश व समाज की सेवा में न्यौछावर कर रहे हैं। यह गुरुकुल बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी प्रदान करेगा जिससे वे आदर्श नागरिक बनकर जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपना योगदान देंगे। यह गुरुकुल व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण की परिकल्पना को साकार करेगा। पतंजलि की गंगोत्री से भारतीय संस्कृति की गंगा बहेगी।

कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, राज्यसभा सांसद, सुधांशु त्रिवेदी, एमिटी ग्रुप के चेयरमैन डॉ. अशोक चौहान, बाबा बालकनाथ जी महाराज, लक्ष्मण गुरु जी, अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष स्वामी रविन्द्रपुगी जी महाराज, महामण्डलेश्वर स्वामी हरिचेतनानंद जी महाराज, स्वामी यतीश्वरानंद, सत्यपाल, धनसिंह रावत, रमेश पौखरियाल "निशंक", शोभित गर्ग, मदन कौशिक, प्रणव सिंह 'चैम्पियन', राकेश टिकैत, सुरेश चन्द्र आर्य, आचार्य स्वदेश, विनय आर्य, दयानंद चौहान, स्वामी आर्यवेश, आचार्या सुमेशा, आचार्या सुकामा, सुशील चौहान, स्वामी सम्पूर्णानंद सहित आर्य समाज के लगभग सभी विद्वान, भजनोपदेशक और संन्यासी महापुरुष, हरिद्वार के सभी पूज्य आचार्य महामण्डलेश्वर व संत महात्मा, गुरुकुल ज्वालापुर की महासभा व प्रबंधकारिणी सभा के समस्त अधिकारी व सदस्यगण तथा पतंजलि से सम्बद्ध सभी इकाइयों के इकाई प्रमुख, अधिकारी, कर्मचारी तथा संन्यासी भाई-बहन उपस्थित रहे।

दो मिनट की गूगल मीट पर की पूरे स्टाफ की छंटनी

लंदन। कुछ समय पहले एक कंपनी द्वारा जूम कॉल पर अपने कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की खबर पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बनी थी। अब एक और कंपनी ने ऐसा किया है लेकिन अंतर ये है कि कंपनी ने पूरे स्टाफ की छंटनी कर दी है। दरअसल प्रोपटेक कंपनी फ्रंटडेस्क ने दो मिनट की गूगल मीट पर अपने पूरे स्टाफ को नौकरी से निकाल दिया है। इस फैसले से कंपनी के सभी 200 कर्मचारियों की नौकरी चली गई है। इनमें कंपनी के फुल टाइम कर्मचारी, पार्ट टाइम कर्मचारी और कॉन्ट्रैक्टर्स भी शामिल हैं। नौकरी खोने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि इस फैसले से सभी लोग हैरान रह गए। फ्रंटडेस्क की शुरुआत साल 2017 में हुई थी और यह कंपनी अमेरिका में 1000 से ज्यादा फर्निश्ड अपार्टमेंट को मैनेज करती है।

कंपनी ने निवेशकों से करीब दो करोड़ साठ लाख डॉलर का निवेश लिया था। इस कंपनी के निवेशकों में जेटब्लू वेंचर्स, वेरीटास इनवेस्टमेंट और सैंड हिल एंजेल्स आदि शामिल हैं। कंपनी और निवेश पाने की कोशिश कर रही थी लेकिन सफल नहीं हो पाई। माना जा रहा है कि कैपिटल नहीं मिलने की वजह से ही कंपनी ने अपने स्टाफ की छंटनी का फैसला किया।

दिवालिया होने के कगार पर कंपनी

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फ्रंटडेस्क एक स्टार्टअप बिजनेस मॉडल कंपनी है, जो अपार्टमेंट को किराए पर देने का काम करती है। कंपनी 30 से ज्यादा मार्केट में ऑपरेट करती है, लेकिन बीते कुछ समय से कंपनी को बढ़ती लागत और डिमांड में भारी उतार-चढ़ाव के चलते चुनौती का सामना कर रही है। कंपनी के सीईओ जेसे डेपिंटो ने गूगल मीट कॉल के दौरान बताया कि कंपनी स्टेट रिसीवरशिप के लिए आवेदन कर रही है। दरअसल अमेरिका में यह प्रक्रिया दिवालियापन की वैकल्पिक व्यवस्था है।

अब नहीं बुझेंगे स्कूलों के चूल्हे, मध्यान्ह भोजन के लिए 76 करोड़ रुपए जारी

दुर्ग। राज्य सरकार ने कुकिंग कास्ट और ससोइयों का मानदेय देने के लिए 76 करोड़ रुपए जारी कर दिए हैं। प्रदेशभर के प्राथमिक और मिडिल स्कूल का पिछले तीन माह से कुकिंग कास्ट और रसोइयों का मानदेय जारी नहीं किए जाने के मामले में विगत तीस दिसंबर को हरिभूमि के अंक में खबर प्रकाशित किए जाने के बाद राज्य शासन ने यह निर्णय लिया है।राज्य शासन द्वारा आबंटन जारी किए जाने के बाद अब स्कूलों के चूल्हे नहीं बुझेंगे। उल्लेखनीय हैं कि, प्रदेश के 43 हजार प्राथमिक और मिडिल स्कूल में कार्य करने वाले रसोइया एक जनवरी से हड़ताल पर चले गए थे। जिसके चलते कई स्कूलों में प्रबंधन द्वारा वैकल्पित व्यवस्था की गई थी, लेकिन ज्यादातर गांव के स्कूलों में रसोइयों के नहीं होने के कारण शिक्षकों को भोजन परोसने तक की नौबत आ गई थी। प्रदेश के 31868 प्राथमिक और 13988 मिडिल स्कूल के लाखों बच्चे मध्यान भोजन नहीं मिलने से प्रभावित हो गए थे। राज्य शासन द्वारा पांच जनवरी 2024 को एक पत्र जारी कर प्रदेशभर के सभी जिलों में 76 करोड़ 2 लाख 90 हजार रुपए जारी कर दिए हैं। एक जनवरी नए साल से रसोइया प्रदेशभर में हड़ताल कर रहे थे।

स्वाद

रसगुल्ला चाय, पाइनएप्पल मोमोज खाने के साथ अजीबोगरीब एक्सपेरिमेंट

खाने के शौकीनों के नए प्रयोग सोशल मीडिया पर वायरल

खाना एक ऐसा विषय है जिसे लेकर लोग हमेशा से ही प्रयोग करते रहे हैं। वहीं, खाने के शौकीन लोगों को नई चीजें ट्राई करना और अपने स्वाद के लिए नए-नए प्रयोग करना काफी पसंद होता है। लोगों ने खाने की चीजों के साथ कई अजीबोगरीब प्रयोग किए, जिनके कई वीडियोज भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए थे। चलिए हम आपको उन अजीबोगरीब फूड्स और उनके कॉम्बो के बारे में बताते हैं जो 2023 में ट्रेंड में रहे थे

मैंगो पानी पुरी

भारत का सबसे मशहूर स्ट्रीट फूड गोलगप्पा लगभग हर किसी का पसंदीदा है। अक्सर आपने गोलगप्पे के ठेलों और दुकानों भीड़ देखी होगी और लोगों को अलग-अलग स्वाद और फ्लेवर वाले पानी के साथ गोलगप्पे खाते हुए भी देखा होगा। लेकिन क्या आपने कभी आम के रस के साथ गोलगप्पा खाया है? मुंबई के एक पानी पुरी वाले को इस नए फ्लेवर के साथ गोलगप्पे बेचते देखा गया, जिसका वीडियो काफी वायरल हुआ। डोसा दक्षिण भारत के साथ-साथ उत्तर भारत में भी काफी मशहूर है। लोग डोसा को चटनी और सांबर के साथ खाना पसंद करते हैं।

रसगुल्ला चाय

भारत में सबसे अधिक पीया जाने वाला पेय पदार्थ है और अधिकांश लोगों का पसंदीदा चाय के साथ भी लोगों ने प्रयोग किया है। एक्टर आशीष विद्यार्थी ने अपने इंस्टाग्राम पर कोलकाता में रसगुल्ला चाय बेचने वाले एक स्टोर का वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में मिट्टी के कप में रसगुल्ले को गर्मागरम चाय में भिगो कर देते दिखाया गया है।

चॉकलेट आमलेट

अजीबोगरीब फूड कॉम्बिनेशन में एक नाम चॉकलेट ऑमलेट का भी है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में एक स्ट्रीट वेंडर ने अजीब तरीके से डेयरी मिल्क ऑमलेट परोस कर लोगों को हैरान कर दिया। सामान्य ऑमलेट की तरह दुकानदार ने पहले अंडे के साथ प्याज, टमाटर और मिर्च का मिश्रण तैयार किया और फिर इसमें डेयरी मिल्क डालकर बटर के साथ पकाया। इतना ही नहीं, दुकानदार ने इस ऑमलेट को चॉकलेट सिरप और मेयोनेज के साथ परोसा।

चॉकलेट पकौड़े

बारिश के मौसम में लगभग हर किसी को पकौड़े यानी भजिया खाने का मन करता होगा। अलग-अलग तरह की सब्जियों को बेसन के पेस्ट में लपेटकर डीप फ्राई किए जाने वाले इन पकौड़ों को लोग चटनी और चाय के साथ खाते हैं। लेकिन क्या आपने कभी चॉकलेट पकौड़े खाए हैं?

पाइनएप्पल मोमोज

मोमोज का नाम सुनते ही मुंह में पानी आना आम बात है और सामने अगर तीखी चटनी आ जाए तो मजा दोगुना हो जाता है। भाप पर पकाए जाने वाले मोमोज के अंदर सब्जियां और फिर चिकन-मटन डालकर स्टफिंग की जाती है। लेकिन क्या आपने पाइनएप्पल स्टफ्ड मोमोज खाए हैं? सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें एक दुकानदार अनानास को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर मोमोज में भरकर डीप फ्राई करता नजर आ रहा था।

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए-उम्र 35/5'-2'' बीएससी, PGDCA/ सरकारी बैंक कार्यरत/ मासिक आय 78000 सुशील महिला 35 से 60 तक वर चाहिए जाति बंधन नहीं, रिटायर्ड, तलाकशुदा, विडो, अनमैरिड, बच्चे मान्य सम्पर्क -9179472796 (32457)

वर चाहिए-कान्यकुब्ज ब्राह्मण जन्म 1993 ग्वा. सुंदर आदि नाड़ी 29/6'1" एच.एम. (LPU) पी.जी.डी.एम. फ्रंट ऑफिस मैनेजर एम.एन.सी दिल्ली 8 लाख (पिता क्लास वन शास. म.प्र.) कार्यरत हेतु सुंदर सुशील समकक्ष कार्यरत वधू चाहिए (सभी ब्राह्मण मान्य) मोबाइलः- 94247 67409 (2361)

वर-वधु चाहिए- जीवन साथी चाहिए मिडिल क्लास फैमिली इच्छुक व्यक्ति ही सम्पर्क करें- 9039563783 (32458)

वधु चाहिए

वधु चाहिए-गुजराती 44/ 5'11" स्वयं का व्यवसाय इनकम 40000 मासिक, युवक हेतु कन्या चाहिए उच्च जाति बंधन नहीं संपर्क करें 9827114645, 91311 39179 (2406)

परिचय सम्मेलन

पंजीयन क्र. 1582/69
म. प्र. राजपूत समाज
6वा अ.भा.क्षत्रिय/राजपूत युवक-युवती परिचय सम्मेलन
रविवार, 28 जनवरी 2024
web:- www.mprajputsamaj.org
मोबाईल. 917 909 1582
98260 15148, 9425004866

चालान काट रहे पुलिसकर्मी की गाड़ी पर ही नंबर प्लेट नदारद

एजेंसी ⏭ पटना

बिहार के कैमूर से एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। जहां पुलिसकर्मी चेकिंग के दौरान बिना हेलमेट पहने टू व्हीलर चालकों का चालान काट रहे हैं और नियम पालन करने की हिदायत दे रहे हैं।

इस दौरान पास में ही पुलिस की एक गाड़ी खड़ी थी जिसमें नंबर प्लेट नहीं थी। जब मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी से पूछा कि पुलिस की इस गाड़ी का भी चालान कटेगा तो पहले पुलिसकर्मी इधर-उधर ताकझांक करने लगा। फिर से सवाल पूछने पर उसने कहा कि पुलिस की गाड़ी का भी चलान कटेगा।

पुलिस की गाड़ी पर नहीं थी नंबर प्लेट

बता दें, एसपी के निर्देश पर जांच अभियान चलाया जा रहा है। मोहनिया शहर के अमरपुरा गांव के पास गाड़ी से आए पुलिस पदाधिकारी द्वारा वाहन जांच अभियान चलाकर एक दर्जन से अधिक बाइक चालकों पर जुर्माना लगाया जा रहा था। लेकिन नियमों के पाठ पढ़ाने आए पदाधिकारी की गाड़ी पर ही नंबर प्लेट नहीं थी।

एसपी के निर्देश पर चलाया जा रहा है अभियान

इस मामले पर पीएसआई नवीन कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि मोहनिया शहर के अमरपुरा के पास वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें हेलमेट, सीट बेल्ट न लगाने वालों का चालान काटा जा रहा है। जब उनसे पूछा गया कि आप जिस गाड़ी से आए हैं उस गाड़ी पर नंबर प्लेट नहीं है तो उस पर क्या जुर्माना होगा तो साहब वहां से भागने लगे।

आवश्यकता

!!! बिना किसी बड़े निवेश के प्रारंभ करने का सुनहरा अवसर !!! आयुर्वेदिक कंपनी में शिक्षित/बेरोजगार लड़के-लड़कियों हाउसवाइफ पार्टटाइम/फुलटाइम घर बैठे दवाई पैकिंग करके 28,500/- से 35,500/- महीना कमाएं रोजगार बढ़ाए (जरूरतमंद लोग कॉल/ WHATSAPP करें) NOC -2150/- +91 85830 47417 (भोपाल/12/जनवरी 24)

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाइड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष – मन परेशान रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार का विस्तार हो सकता है। यात्रा पर जा सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। संयत रहें।

वृष – व्यवधान आ सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन सुख में कमी आयेगी। मन परेशान हो सकता है। किसी अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

मिथुन – लाभ के अवसर मिलेंगे। मित्रों से सद्भाव बनाकर रखें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में यात्रा पर जा सकते हैं। वाणी में मधुरता रहेगी।

कर्क – कारोबार में कुछ कठिनाइयां तो आ सकती हैं। फिर भी लाभ में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी।

सिंह – रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ बढ़ेगा। मित्रों के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

कन्या – तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा। परिश्रम अधिक रहेगा। आय में वृद्धि होगी। क्षणे रुष्टा-क्षणे तुष्टा की मन:स्थिति रहेगी।

तुला – नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। आत्मसंयत रहें। मन परेशान रहेगा। अफसरों का सहयोग मिलेगा। वाद-विवाद से बचें।

वृश्चिक – किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। पिता के स्वास्थ्य को लेकर परेशान हो सकते हैं।

धनु – नए अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संयत रहें। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन प्रसन्न रहेगा।

मकर – नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। मन प्रसन्न रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

कुंभ – वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। आत्मविश्वास में कमी आएगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं।

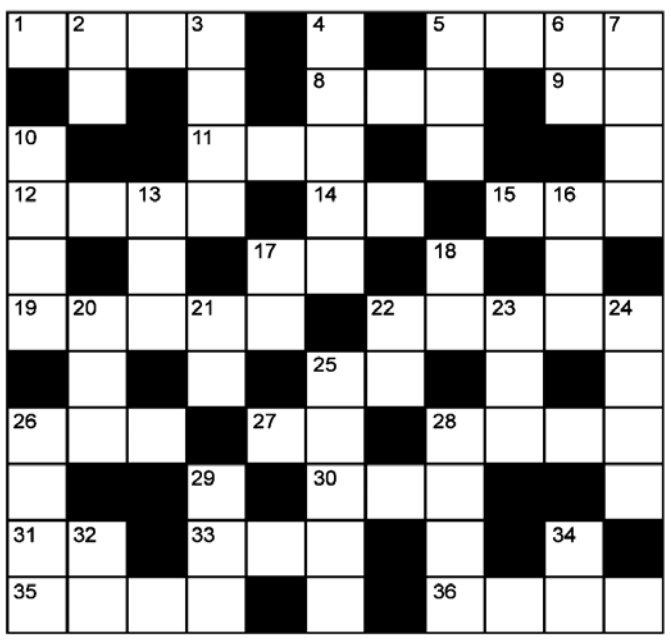

मीन – आय में वृद्धि होगी। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। सेहत का ध्यान रखें। लाभ के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी।

शब्द पहेली - 5387

बाएँ से दाए-
1. फिसलना-4
5. गुनाह, जुर्म-4
8. नाव चलानेवाला-3
9. लड़ी, श्रंखला -2
11. ईर्ष्या, डाह-3
12. उद्देश्य, वजह-4
14. भोजन-2
15. थकावट-3
17. जी, चित-2
19. मंत्र पढ़ना-2,3
22. राजपुत्र, राज कुंवर-2,3
25. यात्रा करनेवाला-2
26. समझौता, संधि-3
27. ईसाई साध्वी-2
28. मनमुटाव-4
30. नौकर-3
31. बदला-2
33. गर्भ, कोख-3
35. रुआफ-4
36. सज्जनता-4

ऊपर से नीचे
2. लम्हा, क्षण-2
3. नामित, मनोनीत-4
4. रनिवास, हरम-5
5. बुद्धि-3
6. गोंद, लाख-2
7. हृदयगति, स्पंदन- 4
10. विम्मी व सुनील दत्त की फिल्म-4
13. शिक्षा, पाठ-3
16. कालिख, कालापन-3
17. इंकार, मनाही-2
18. झंडा, पताका-2
20. चौकसी, रखवाली-3
21. मोटा आटा, सूजी -2
22. निशा, रात-2
23. अच्छे कुल का-3
24. प्रस्थान, विदा-4
25. यान चलाने वाला-2,3
26. सुंदरी, षोडशी, कुमारी-4
28. प्रार्थना, मनोकामना-4
29. गरल, विष-3
32. ताला (अंग्रेजी-2)
34. पात्र, थापा, संचक, डाई -2

शब्द पहेली -5386 का हल

सूडोकू नवताल- 5397

★☆☆☆☆ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल- 5396 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 3-0 से रौंदा वार्नर का अपने आखिरी मैच में अर्धशतक

एजेंसी ▶▶| सिडनी

डेविड वार्नर ने अपने घरेलू मैदान पर 57 रन बनाकर 112 टेस्ट मैच के अपने कॅरियर का अंत किया। आस्ट्रेलिया ने शनिवार को यहां तीसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को आठ विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में क्लीन स्वीप करके इस दिग्गज सलामी बल्लेबाज को शानदार विदाई दी। ऑस्ट्रेलिया जब लक्ष्य से केवल 11 रन दूर था तब वार्नर को साजिद खान ने पगबाधा आउट किया। जब वह सिडनी क्रिकेट ग्राउंड से पवेलियन की तरफ बढ़ रहे थे तब दर्शकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। ऑस्ट्रेलिया की पारी में वह आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज थे। साजिद ने इससे पहले सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को भी पगबाधा आउट किया था। ख्वाजा खाता भी नहीं खोल पाए।

वॉर्नर ने जड़ा 37वां अर्धशतक

डेविड वॉर्नर ने अपने टेस्ट कॅरियर के आखिरी मैच में कॅरियर का 37वां अर्धशतक जमाया। वह 57 रन की पारी खेलकर साजिद खान की गेंद पर एलबीडब्लू आउट हुए। वॉर्नर जब आखिरी टेस्ट पारी खेलने के लिए मैदान पर उतरे तो पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। सभी प्लेयर्स ने उनके सम्मान में खड़े होकर तालियां बजाईं।

वार्नर की उपलब्धि

	टेस्ट	वनडे
मैच	112	161
पारी	205	159
रन	8786	6932
औसत	44.6	4530
उच्च. स्कोर	335*	179
शतक	26	22
अर्धशतक	37	33

पाक की लगातार 17वीं हार

ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तान क्रिकेट टीम का रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। टीम ने यहां लगातार 17वां टेस्ट मैच गंवा दिया। उन्हें आखिरी बार 1995 में ऑस्ट्रेलिया में कोई टेस्ट जीत मिली थी। इस बीच टीम का कोई मुकाबला ड्रॉ भी नहीं रहा।

डब्लूटीसी के टॉप पर पहुंचा ऑस्ट्रेलिया

पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप के बाद ऑस्ट्रेलिया को डब्लूटीसी में भी फायदा हुआ। टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई। टीम के 2 सीरीज में 5 जीत और एक ड्रॉ से 54 पॉइंट्स हैं और 56.25% पॉइंट्स होने के कारण टीम पहले नंबर पर है। दूसरे नंबर पर भारत है। टीम के 2 सीरीज में 2 जीत और एक ड्रॉ से 26 पॉइंट्स हैं, टीम 54.16% पॉइंट्स होने के कारण दूसरे नंबर पर है। साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के 50% पॉइंट्स हैं, वे तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर पर हैं। जबकि 2 सीरीज में 2 जीत और 3 हार के बाद पाकिस्तान के 22 पॉइंट्स हैं।

खबर संक्षेप

अफ्रीका में 'फुल लेंग्थ' की गेंदबाजी कारगर नहीं

केपटाउन। अपनी स्विंग गेंदबाजी से बल्लेबाजों को परेशान करने वाले मुकेश कुमार को दक्षिण अफ्रीका दौरे पर सेंचुरियन में खेले गए पहले टेस्ट मैच में मौका नहीं मिला लेकिन न्यूलैंड्स में दूसरे टेस्ट मैच में उनकी कारगर गेंदबाजी के बाद टीम प्रबंधन को अपनी चूक का एहसास हुआ। मोहम्मद सिराज (सात विकेट) और जसप्रीत बुमराह (आठ विकेट) की अनुभवी जोड़ी ने दूसरे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया। इस बीच टीम के तीसरे तेज गेंदबाज मुकेश ने चार विकेट लिए जिसमें दूसरी पारी में शीर्ष क्रम के दो खिलाड़ियों को आउट करना शामिल था।

केवल तेज गेंदबाजी पर ध्यान देने की सलाह

नवी मुंबई। भारत की युवा तेज गेंदबाज टिटास साधु ने कहा कि दिग्गज गेंदबाज झूलन गोस्वामी उनकी जिंदगी का अहम हिस्सा रही हैं और केवल तेज गेंदबाजी करने पर ध्यान देने की उनकी सलाह का यह 19 वर्षीय खिलाड़ी प्रत्येक दिन पालन करती है। टिटास ने शुक्रवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 17 रन देकर चार विकेट लिए जिससे भारत ने यह मैच आसानी से 9 विकेट से जीता। यह 2012 के बाद पहला अवसर था जबकि भारत की किसी गेंदबाज ने मैच में चार या इससे अधिक विकेट लिए। झूलन ने मार्च 2012 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 11 रन देकर 5 विकेट लिए थे।

भारत-ए की अगुवाई करेंगे अभिमन्यु

मुंबई। बंगाल के अनुभवी खिलाड़ी अभिमन्यु ईश्वरन को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ आगामी चार दिवसीय मैच के लिए शनिवार को 13 सदस्यीय भारत 'ए' टीम का कप्तान चुना गया। इंग्लैंड लायंस की टीम भारत दौरे पर इस मैच से पहले दो दिवसीय अभ्यास मैच भी खेलेगी जो 12-13 जनवरी को अहमदाबाद में होगा। इसके बाद 17 से 20 जनवरी तक नरेंद्र मोदी स्टेडियम में चार दिवसीय मैच खेला जाएगा। टीम : अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, सरफराज खान, प्रदोष रंजन पॉल, केएस भरत, मानव सुथार, पुलकित नारंग, नवदीप सैनी, तुषार देशपांडे, विद्वथ कावेरप्पा, ध्रुव जुरेल और आकाश दीप।

ऑकलैंड क्लासिक टेनिस टूर्नामेंट

कोको गॉफ और स्वितोलिना में आज होगा खिताबी मुकाबला

एजेंसी ▶▶| ऑकलैंड

पिछली बार की चैंपियन कोको गॉफ ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को यहां ऑकलैंड क्लासिक टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाकर अपने खिताब का बचाव करने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। अमेरिका की इस खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में हमवतन एम्मा नवारो को केवल 62 मिनट में 6-3, 6-1से हराया। गॉफ इस तरह से ऑकलैंड में दो वर्षों में लगातार 18 सेट और नौ मैच जीत चुकी है। रविवार को होने वाले फाइनल में कोको का मुकाबला दूसरी वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना से होगा, जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल में तीन सेट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में चीन की वांग जियू पर 2-6, 6-4, 6-3 से जीत दर्ज की। स्वितोलिना को इस मैच के दौरान दो बार 'मेडिकल टाइमआउट' भी लेना पड़ा लेकिन आखिर में वह चीन की अपनी प्रतिद्वंद्वी को हराने में सफल रही।

स्वियाटेक और हर्काज़ ने पोलैंड को फाइनल में पहुंचाया

सिडनी। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियाटेक और ह्यूबर्ट हर्काज़ के शानदार प्रदर्शन से पोलैंड ने शनिवार को यहां फ्रांस को 3-0 से हराकर यूनाइटेड कप मिश्रित टीम टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। स्वियातेक ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके कैरोलिन गार्सिया को 4-6, 6-1, 6-1 से हराया। इसके बाद एटीपी रैंकिंग में नौवें नंबर पर काबिज हर्काज़ ने एड्रियन मन्नारिनो को 6-3, 7-5 से हराकर अपनी टीम को 2-0 की अजेय बढ़त दिला दी। पोलैंड ने इसके बाद मिश्रित युगल का मैच भी जीता। पोलैंड रविवार को होने वाले फाइनल में ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी के बीच खेले जा रहे दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से भिड़ेगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त पोलैंड ने ग्रुप चरण में केवल एक मैच गंवाया था। उसने चीन को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

भारत में 'वॉर' लागू करने सोच रहा एआईएफएफ

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ ने अतिरिक्त वीडियो समीक्षा प्रणाली के ट्रायल में भारत को शामिल करने के लिए खेल के नियमों को निर्धारित करने वाली संस्था अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल एसोसिएशन बोर्ड को पत्र लिखा है।

वीडियो समीक्षा प्रणाली को पहली बार 2016-17 में फीफा की प्रतियोगिताओं में उपयोग किया गया था। इससे रेफरी को सही फैसले करने में मदद मिली। एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा, 'हमारा मुख्य उद्देश्य मैच अधिकारियों को तकनीक के जरिए सशक्त बनाकर गलतियों की संख्या को कम करना है। हम वीएआर को लागू करने के लिए कार्य जारी रखेंगे लेकिन मेरा मानना है कि एवीआरएस की शुरुआत के लिए भारत जैसा देश अच्छा विकल्प हो सकता है। एवीआरएस हमें तकनीक के प्रभाव का अध्ययन करने, हमारे मैच अधिकारियों को नई अवधारणा से प्रशिक्षित करने तथा खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और क्लबों को इसके अनुकूल ढलने में मदद करेगा।'

पुजारा ने रणजी ट्रॉफी में ठोका दमदार शतक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

साउथ अफ्रीका दौरे के लिए जब चेतेश्वर पुजारा को नजरअंदाज किया गया, तो हर किसी को लगा कि दिग्गज बल्लेबाज का टेस्ट कॅरियर अब समाप्ति की ओर बढ़ चला है।

किसी ने कहा कि टीम इंडिया की दीवार अब ढह चुकी है, तो किसी ने पुजारा की काबिलियत पर सवाल खड़े किए। हालांकि, इन सभी बातों और आलोचकों के मुंह पुजारा ने एकबार फिर जोरदार तमाचा जड़ा है। रणजी ट्रॉफी 2024 के पहले ही मैच में

पुजारा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतक ठोक डाला है। सौराष्ट्र की तरफ से खेलते हुए चेतेश्वर पुजारा झारखंड के खिलाफ नंबर चार पर बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 157 रन बना लिए हैं।

फॉर्मूला-ई ने हैदराबाद रेस को रद्द कर दिया

हैदराबाद। फॉर्मूला ई ने तेलंगाना की नई सरकार पर अनुबंध के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए हैदराबाद में होने वाली रेस को रद्द कर दिया है। भारत में होने वाली इस दूसरी फॉर्मूला ई रेस का आयोजन 10 फरवरी को होना था। फॉर्मूला ई ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा, 'तेलंगाना सरकार के अंतर्गत आने वाले नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास विभाग ने 30 अक्टूबर 2023 को मेजबान शहर के साथ किए गए अनुबंध का पालन नहीं किया जिसके कारण यह रेस रद्द कर दी गई।'

ब्रिसबेन फाइनल

आर्यना सबालेंका की आज रिबाकिना से होगी भिड़ंत

एजेंसी ▶▶| ब्रिसबेन

शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका ने शनिवार को यहां दो बार की चैम्पियन विक्टोरिया अजारेंका पर 6-2, 6-4 की जीत से ब्रिसबेन अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया जिसमें उनकी भिड़ंत एलीना रिबाकिना से होगा। पिछले साल आस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में भी सबालेंका और रिबाकिना का सामना हुआ था। इसमें सबालेंका ने रिबाकिना पर 4-6, 6-3, 6-4 से जीत हासिल कर ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था। सबालेंका ने 2022 विम्बलडन चैंपियन रिबाकिना के साथ सात मुकाबलों में पांच में जीत हासिल की है। आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर सबालेंका की जीत की लय 15 मैच की हो गई है जिसमें एडिलेड में 2023 के शुरू में खिताब के बाद मेलबर्न पार्क में

ग्रैंडस्लैम ट्राफी जीतना भी शामिल रहा।

सबालेंका ने अजारेंका के खिलाफ 10 ऐस और 35 विनर लगाये। अजारेंका ने 2012 और 2013 में लगातार आस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीते थे। रिबाकिना ने 19 वर्षीय लिंडा नोसकोवा पर 6-3, 6-2 की जीत से फाइनल में प्रवेश किया।

रणजी ट्रॉफी

बिहार की दो टीमें मैदान पर उतरीं, सुलझा विवाद

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बिहार क्रिकेट के लिए गुटबाजी कोई नई बात नहीं है और दो दशकों से चली आ रही अंदरुनी कलह के कारण उसे भारतीय क्रिकेट बोर्ड की नाराजगी का सामना करना पड़ा और साथ ही कुछ अच्छी प्रतिभाएं भी राज्य से दूर हो गईं। टीम पटना में जन्मे और पले-बढ़े ईशान किशन और गोपालगंज के रहने वाले तेज गेंदबाज मुकेश कुमार की सेवाएं लेने में विफल रही।

ये खिलाड़ी क्रमशः झारखंड और बंगाल के लिए खेलकर राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बन गए हैं। गुटबाजी की घटना का ताजा मामला शुक्रवार को पटना में सामने आया जब दो टीमें मोइन-उल-हक स्टेडियम में मुंबई के खिलाफ रणजी ट्रॉफी एलीट बी ग्रुप मैच

खेलने पहुंची गईं। इसमें से एक टीम का चयन बिहार क्रिकेट संघ के सचिव अमित कुमार ने किया और दूसरी टीम का चयन बीसीए अध्यक्ष राकेश तिवारी ने किया। तिवारी की टीम आखिरकार मैच खेलने में सफल रही। इस टीम की अगुवाई बाएं हाथ के अनुभवी स्पिनर आशुतोष अमन कर रहे हैं।

टी20 श्रृंखला जीतने उतरेगी भारतीय महिला टीम

एजेंसी ▶▶| नवी मुंबई

पहले मैच में बड़ी जीत से उत्साह से ओतप्रोत भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपना ऑलराउंड प्रदर्शन जारी रखकर तीन मैचों की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगी। एक दिवसीय श्रृंखला में तीनों मैच गंवाने के बाद भारतीय महिला टीम ने पहले टी20 मैच में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करके ऑस्ट्रेलिया को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी थी जो इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ उसकी सबसे बड़ी जीत है। भारतीय टीम ने इस मैच में न सिर्फ क्षेत्ररक्षण में चुस्ती दिखाई बल्कि उसके गेंदबाजों ने भी ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को खुलकर नहीं खेलने दिया। भारत के सामने 142 रन का लक्ष्य था जो उसने शेफाली वर्मा (नाबाद 64) और स्मृति मंधाना (54) के बीच पहले विकेट के लिए 137 रन की साझेदारी के दम पर आसानी से हासिल कर दिया।

नाम सुधार सूचना

मैं शिवेन्द्र सिंह चंदेल पिता श्री महेंद्र सिंह चंदेल आयु लग. 27 साल निवासी वार्ड 453 अम्बेडकर वार्ड मुड़वारा कटनी म.प्र. का स्थाई निवासी हूँ। मेरे आधार कार्ड कं 416872152544 में मेरा नाम शिवेन्द्र सिंह चंदेल लिखा हुआ था मेरे पूर्व के पेन कार्ड कं GCEPS4477M मेरा नाम शिवेन्द्र तथा मेरे द्वारा पेन कार्ड अपडेट करवाने में मेरे पेन कार्ड में शिवेन्द्र सिंह चंदेल लिखा हुआ है । शिवेन्द्र सिंह चंदेल तथा शिवेन्द्र दोनो नाम मेरे ही है दोनो नामों से मुझे जाना व पहचाना जाता है उक्त नाम को लेकर बैंक मे भविष्य मे किसी भी प्रकार का वाद-विवाद, परेशानी आदि उत्पन्न होती है, उसकी समस्त जवाबदारी मेरे स्वयं की होगी, दोनो नाम एक ही व्यक्ति के है।

काल्डेरानो और मनिका डब्लूटीटी स्टार कंटेंडर में पेश करेंगे चुनौती

एजेंसी ▶▶| मापुसा

दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी ह्यूगो काल्डेरानो, शीर्ष भारतीय

महिला मनिका बत्रा, युगल विशेषज्ञ जी साथियान और अचंता शरत कमल जैसे कुछ शीर्ष टेबल टेनिस खिलाड़ी डब्लूटीटी स्टार कंटेंडर 2024 में चुनौती पेश करेंगे। यह टूर्नामेंट 23 से 28 जनवरी के बीच यहां पेड्डेम इंडोर स्टेडियम में आयोजित होने वाला है। इस टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि 250,000 डॉलर है। इसमें खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक जीतने और डब्लूटीटी कप फाइनल और डब्लूटीटी चैंपियंस सीरीज के लिए क्वालिफिकेशन हासिल करने का मौका मिलेगा। ब्राजील के पूर्व युवा ओलंपिक कांस्य पदक विजेता काल्डेरानो, भारतीय टेबल टेनिस महासंघ की देखरेख में 'स्तूप स्पोर्ट्स एनालिटिक्स' और 'अल्टीमेट टेबल टेनिस द्वारा सह-आयोजित टूर्नामेंट के एकल मुख्य ड्रॉ में भाग लेने वाले 20 बड़े खिलाड़ियों में से एक होंगे। मनिका वर्तमान में विश्व में 35वें स्थान पर काबिज हैं।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड दमोह (म. प्र.)

क्रमांक 34 / व.ले.लि. /का.यं. / लो.स्वा.यां. / खंड — दमोह दिनांक 03/01/2024

निविदा सूचना क्रमांक - 21,22,23,24,25,26,27/2022-23 — दिनांक 03/01/2024 प्रकाशन वाबत ।

(प्रथम आमंत्रण)

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से दमोह जिले के विभिन्न विकासखण्डों मे पेय जल व्यवस्था कार्य के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र के नलकूपों पर स्थापित हैंड पम्पों के संधारण कार्य हेतु प्रपत्र " 2.10 प्रतिशत दर पर, लोक निर्माण विभाग के केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली में "सी" अथवा उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग पद्धति से ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित है ।

नि क्रं	ई-नि.क्र.	एन.आई.टी .क्रमांक	ग्राम का नाम	मात्रा नग में मेजर	मात्रा नग में माइनर	अनुमानित लागत रू.लाख में	अमानत राशि रू. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य रू. में	कार्य पूर्ण करने की समयावधि
1	2022-23_PHEB_323817	21/22-23	दमोह	2160	540	25.63	55000	5000/-	12 माह
2	2022-23_PHEB_323818	22/22-23	पथरिया	1324	331	15.71	32000	2000/-	12 माह
3	2022-23_PHEB_323819	23/22-23	हटा	1317	329	15.63	31000	2000/-	12 माह
4	2022-23_PHEB_323822	24/22-23	पटेरा	1386	346	16.44	33000	2000/-	12 माह
5	2022-23_PHEB_323823	25/22-23	बटियागढ़	1194	298	14.17	28000	2000/-	12 माह
6	2022-23_PHEB_323824	26/22-23	जबेरा	1064	266	12.63	25000	2000/-	12 माह
7	2022-23_PHEB_323826	27/22-23	तेंदुखेड़ा	1092	273	12.96	26000	2000/-	12 माह

कोरे निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाईन दिनांक 17.01.2024 तक क्रय किये जा सकते है । निविदाएँ दिनांक 19.01.2024 को 17.30 बजे तक प्राप्त की जावेगी । प्राप्त समस्त आनलाइन सील बंद निविदाऐं दिनांक 22.01.2024 को लिफाफा अ पूर्वान्ह 11.00 बजे एवं वित्तीय बिड दिनांक 22.01.2024 अपरान्ह 13.30 बजे खोली जावेगी निविदा की विस्तृत शर्तें एवं विस्तृत जानकारीhttp://www.mptenders.gov.in एवं विभागीय बेवसाईट https://www.mpphed.gov.in/पर भी उपलब्ध है । निविदा की प्रशासकीय स्वीकृति मिलने के उपरांत ही कार्यादेश किये जावेंगे । एवं आवश्यकतानुसार कार्य घटाया बढाया जा सकता है।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खंड दमोह

G-22637/23 — दुर्घटना से दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

पश्चिम मध्य रेल
सामग्री प्रबंधन विभाग
(भंडार आपूर्ति हेतु 'ई'-निविदा सूचना, संख्या EPS/01/2024)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ई–खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते हैं। कोई भी हस्तलिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए website https://ireps.gov.in पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती हैं।

Sr. No.	Tender No.	Short Description	Tendered Qty.
1	8123WCRTP-14	Manufacture and supply of combination Glass Filled	522000 Sets
2	8123WCRTP-27	Manufacture and supply of CMS Crossing 60 Kg	160 Nos.
3	80231317	PAPER COMPUTER INTERLEAVED WITH CARBON	1156 Sets
4	38233354	Kit for C3W2 TYPE DV FOR BLC	283 Sets
5	60231240	PUNCH FOR PNEUMATIC BUSTER	455 Nos.
6	60231241	CHISEL FOR PNEUMATIC BUSTER	337 Nos.
7	61232527A	MANUAL METAL WELDING ELECTRODE	11339 Kg.
8	20234026	Set of Damper for WAG-9 locomotives	5 Sets
9	20234142	SET OF LOCK ASSLY CONSIST	29 Sets
10	8123WCRTP-36	Manufacture and supply of Metal Liner	355195 Nos.
11	8123WCRTP-34	Manufacture and Supply of Elastic Rail Clip	60000 Nos.
12	20234425	Kit for Two way Horn valve to FTRTIPL	539 Sets
13	30231519	Sealing 'O' Ring size code	34712 Nos.
14	30231490	Sealed window glass unit for lavatory	71 Nos.
15	30231676	Mirror Holder (LH)	1681 Nos.
16	30231674	Lavatory out side mirror	644 Nos.
17	30231059	Set of Clamp in Assembled Condition	7125 Sets
18	20231675	PANTO SELECTOR SWITCH (ZPT)	21 Nos.
19	38232331	Modified Roller type safety	5642 Nos.
20	38232315B	Main Pull Rod (Slack adjustor)	400 Nos.
21	40232217	LED light Fitting for lavatory/Mirror	1388 Nos.
22	8123WCRTP-47	Manufacture and supply of Grooved Rubber sole plate	23010 Nos.
23	8123WCRTP-45	Manufacture and supply of GRSP fan shape turnout	242 Sets
24	20234062	Push Pull rod (Traction Bar) for WAP-7/ WAG-9	62 Nos.
25	20234417	SET OF HANGER LEVER PINS	54 Sets
26	8123WCRTP-21	Manufacture and supply of Improved Switch Expansion	32 Sets
27	8123WCRTP-44	Manufacturing and supply of 6.2mm think nylon cord Reinforced GRSP.	1060 Sets
28	8123WCRTP-48	Manufacture and Supply of 1(One) Meter long Fish Plate	5280 Pairs

Due Date:- For Sr. No. 1: 31.01.2024, For Sr. Nos. 2 to 26: 05.02.2024 and For Sr. Nos. 27 & 28: 09.02.2024.

कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर.

स्वच्छ भारत अभियान - एक कदम स्वच्छता की ओर

नेता और स्वसहायता समूह भी कटघरे में

धान खरीदी में घोटाले बाजी की जांच में खुल रही परतें

> धान खरीदी में भ्रष्टाचार और अनियमितता की दर परत खुलती जा रही हैं। दरअसल धान खरीदी में गड़बड़ी के लिए अकेले प्रशासिनक तंत्र को दोषी नहीं माना जा सकता, इसमें नेताओं और स्वसहायता समूहों पर भी उंगुली उठ रही हैं।

जबलपुर। खाद्य विभाग की गोपनीय टीम द्वारा की गई जांच रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आए कि जबलपुर सरप्लस वाला जिला है। ऐसे में फर्जी व्यापारी की गुंजाईश ही नही बचती। सरकार रकबा फिक्स करती है। वेयर हाउस केंद्रों के पास ही है। विभाग की सबसे बड़ी गलती यह है कि वेयर हाउसों की और एक गांव है कि केंद्रों की जानकारी और वेयर हाउसों की जानकारी पहले से कैसे लीक हो गई। जानकारी लीक होने पर ही स्व सहायता समूहों ने धान को वेयरहाउसों में रखवा दिया। कहा जा रहा है कि धान खरीदी में अपनी हिस्सेदारी बनाने के लिए खासकर ग्रामीण क्षेत्र के नेताओं ने जिनमें विधायक भी शामिल है अपने-अपने स्वसहायता समूहों में शामिल कराया। समूहों में सिर्फ महिलाओं का नाम का उपयोग डमी के तौर पर किया गया। लिहाजा वेयर हाउसों में

तमाम नियम कायदों को किनारे रखकर धान डम्प की गई। धान खरीदी में शामिल सभी लोग कही न कही जांच के घेरे में हैं। जानकारों के मुताबिक नेता, अफसरों और वेयर हाउस संचालकों ने पूरी व्यवस्थाओं को अपने हाथों में लेकर दागदार बना दिया। कहा जा रहा है कि अधिकांश वेयर हाउस नेताओं के हैं। आजकल सेटेलाईट, गिरदाबरी के माध्यम से सरकार को पहले से ही पता चल जाता है कि किसान ने कितनी जमीन पर धान बोया और कितनी जमीन पर अन्य फसल। प्राइमरी वेरीफिकेशन के बाद पंजीयन की प्रक्रिया की जाती है। चूंकि स्वसहायता समूहों व सहकारी समितियों के माध्यम से खरीदी की जाती है जिनका उनको कमीशन मिलता है। इसी कमीशन के चक्कर में किसानों का बेड़ागर्ग हो गया। किसान अपने को ठगा महसूस कर रहा है। किसानों को पता है कि यदि वह अपनी फसल खुली मंडी में बेचने जाएगा तो उसके दाम गिर जायेंगे। लिहाजा सोसासटी और स्वसहायता समूहों की मदद से किसान समर्थन मूल्य पर अपनी फसल बेचने जाता है। किसान को इस बार यह लालसा रही कि जिस प्रकार छत्तीसगढ़ सरकार ने 800 रुपए के हिसाब से बोनस दिया है वह भी उसे मिलेगा, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। धान खरीदी केंद्रों के निर्धारण में विलंब होने और खरीदी विलंब से शुरु होने व गुणवत्ता, अवगुणवत्ता फसल के फेर में किसान उलझकर रह गया। भंडारण के लिए खरीदी केंद्रों को वेयर हाउसों के पास बनाया गया। इसलिए समितियों के समूहों ने बिना पंजीयन के किसानों की धान को वेयर हाउसों में डम्प कर दिया। अब जब इस मामलें की जांच हो रही है तो तब परते खुल रही हैं। सरकार की जांच में अब तक यह तथ्य सामने आए है कि सिकमी नामा में भी जमकर अनियमितताएं हुई है। प्रदेश में जहां 4 से 5 प्रतिशत सिकमी नामा हुआ वहीं जबलपुर में 25 प्रतिशत के पार पहुंच गया। अब घोटलों बाजों की कीमत किसानों को चुकानी पड़ रही हैं।

बढ़ रहे सायबर ठगी के मामले

ठग ने फोन-पे से उड़ाए 99 हजार

जबलपुर। सायबर ठगी के मामलों में दिन रात बढ़ोत्तरी हो रही है। अब खाते से पैसा कटने के लिये जब खाता धारक ने फोन किया तो ठगबाज ने दोहरा अज्ञात किया और खाता धारक से एप डाउनलोड कराने के नाम से फोन पे से 99 हजार रुपए हड़प लिए। पीड़ित की शिकायत पर हनुमानताल पुलिस अज्ञात के विरुद्ध 420 का अपराध पंजीबद्ध कर मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। हनुमानताल पुलिस ने बताया कि शाहिद अहमद निवासी अजीजगंज पशियाना ने शिकायत में बताया कि उसके खाते से 236 रुपए से ट्रांसफर हुए जिसकी जानकारी उसके पास नहीं थी। 236 रुपए की सही जानकारी के लिए गूगल के कम्पलेंट नम्बर पर फोन लगाकर पूछा तो, वहां से बताया गया कि मोबाइल पर एनीडेक्स नाम का एप डाउनलोड करें। एप डाउनलोड करते ही बैंक का नाम इंडियन बैंक आया जिसमें अकाउण्ट नम्बर 7262 आखिरी के ये चार अंक थे। नाम मोहम्मद आ रहा था जिसने उससे फोन पर बात करते हुए अपना नाम अविनाश बताया। ठगबाज ने चर्चा करते हुए फोन पे से 997 रुपए फिर 4997 रुपए एवं तीसरी बार में 93001

रुपए इस प्रकार कुल 98 हजार 995 रुपए ट्रांसफर कर लिए। कुछ देर बाद उक्त व्यक्ति ने दूसरे मोबाइल नम्बर से फोन किया और कहा कि तुम अभी किसी और को रुपए ट्रांसफर नहीं करना, नहीं तो आपका पैसा रूक जायेगा। आप अपना एटीएम नम्बर दो हम तुम्हारी पूरी रकम 98 हजार 995 रुपए वापस कर देंगे, लेकिन रुपए वापस नहीं आए। सायबर सेल से जानकारी ली गई जिसमें पाया गया कि जिस खाते में पैसा ट्रांसफर हुआ है वह खाता इंडियन बैंक का खाता है खाता धारक का नाम प्रीतम कुमार सिंह निवासी ग्राम घाट सुरनिया पोस्ट एडी महेशपुर सुरनिया घाट गोड्डा झारखंड है।

दिन में महंगी, रात में सस्ती बिजली पर आपत्ति नियामक आयोग को भेजी

जबलपुर। दिन में कोयले से उत्पन्न महंगी बिजली के जगह सस्ती सौर ऊर्जा का उैर्जा का उपयोग ज्यादा होने से दिन के बिजली रेट्स 20 प्रतिशत से घटाने संबंधी निर्देश देकर पेंद्र सरकार ने 14 जून 2023 को संशोधित बिजली (उपभोक्ता अधिकार) नियम लागू कर दिए, लेकिन बिजली कंपनियों ने इन्हें केवल

औद्योगिक एवं गैर घरेलू उपभोक्ताओं को लागू करने के लिए प्रस्तावित किया है। यह गलत है तथा भेदभाव पूर्ण है। टाइम ऑफ डे टैरिफ सभी श्रेणियों के उपभोक्ताओं को इसी वर्ष से लागू किया जाए। यह आपत्ति आज नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने सचिव, मप्र विद्युत नियामक आयोग को भेजी है। डॉ.पीजी नाजपांडे ने बताया कि टाईम ऑफ डे के संशोधित नियम 7 माह पूर्व में लागू होने के बावजूद भी इन्हें लागू करने की अनुमति नियामक आयोग से नहीं ली, और 12 दिसंबर को बिजली कंपनियों ने टाईम ऑफ डे टैरिफ को प्रस्तावित किया है। अतः अब नियामक आयोग इन्हें अनुमोदित करता है तो बिजली कंपनियों को संशोधित याचिका पुनः दायर करना पड़ेगा। मंच ने सस्ती बिजली हेतु टाईम ऑफ डे टैरिफ लागू करने की मांग की है।

एक महीने पहले शुरू होगी एमएसपी पर खरीदी

इस साल ज्यादा गेहूं खरीदी पर सरकार का जोर

जबलपुर। गेहूं की नई फसल होली के आसपास आना शुरू होगी। नई फसल को लेकर बाजार विश्लेषण में लगा है इसबीच सरकार देश के सरकारी गोदामों में घटे स्टाक को लेकर चिंतित और सजग दिख रही है। गेहूं का स्टाक देश में 16 साल में सबसे कमजोर बताया जा रहा है।बफर स्टाक का पैमाना 1 अप्रैल की अवधि में 7.46 मिलियन टन है। इसके मुकाबले फिलहाल स्टाक 8.35 मिलियन टन रह गया है। जो बफर स्टाक से मामूली ज्यादा है। लिहाजा सरकार की नजरें ज्यादा से ज्यादा खरीदी पर है और नई फसल पर उम्मीदें टिकी है।

इस सीजन में देश में गेहूं का कुल उत्पादन 114 मिलियन टन रहने की उम्मीद है। बीते वर्ष यानी 2022-23 में सरकारी अनुमान के अनुसार गेंहू का उत्पादन 110.55 मिलियन टन था। हालांकि सरकारी एजेंसियां रिकार्ड उत्पादन के बावजूद खरीदी में पीछे रह गई। सिर्फ 26.2 मिलियन टन की सरकारी खरीदी हो सकी।इसी तरह 2021-22 में भी 107.74 मिलियन टन के उत्पादन के मुकाबले खरीदी सिर्फ 18.79 मिलियन टन हो सकी। इस सीजन में यूक्रेन संकट के चलते गेहूं जमकर निर्यात हुआ था। देश में तमाम योजनाओं में वितरण के लिए सालाना करीब 18.4 से 19 मिलियन टन गेहूं की आवश्यकता होती है। इसमें ओपन मार्केट में होने वाली सेल शामिल नहीं है। दरअसल 2023 में खुले बाजार में गेहूं व आटा की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार 6 मिलियन टन ओपन मार्केट में बेच चुकी है।

कोहरे में न उड़े-न उतरे विमान

बिगड़े मौसम में हवाई यातायात ठप्प

जबलपुर। बनते बिगड़ते मोसम का असर हर तरफ दिखाई दे रहा है। धान खेत खलिहान से लेकर विमान तक हर जगह मौसम की मार है। मौसम खराब होने की वजह से डुमना एयरपोर्ट में विमान सेवाएं ठप हो गई है। लगातार फ्लाईट कैंसिल हो रही हैं। जिस तरह से मौसम बिगड़ रहा है उससे जिला का हवाई यातायात आने वाले दिनों में और बिगड़ने की संभावना है।

एयरपोट प्रबंधन से प्राप्त जानकारी के अनुसार कि गत सुबह से ही दिल्ली, मुबंई, इंदौर, बिलासपुर आदि शहरों के लिए जाने वाली विमान सेवाएं रद हो गई हैं। मौसम विभाग से बताया गया है कि लो क्रालाउड होने और विबिबिल्टी कम होने की वजह से ऐसा निर्णय हुआ है। इस संबंध में एयरपोर्ट अथारिंटी की तरफ से भी निर्देश मिल चुके है जिसके बाद यह एडवाजरी जारी की गई है। उन्होंने कहा कि कल की उड़ान के बारे में मौसम देखकर ही निर्णय

लिया जाएगा। वहीं दूसरी तरफ शुक्रवार सुबह से ही दृश्यता नहीं होने की वजह से मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है कि मौसम में दिनभर कोहरा बना रहेगा जिस वजह से विमानों की आवाजाही अगले कुछ दिन प्रभावित रहेगी। उड़ान कैंसल होने से यात्री परेशान हुए कई को जरूरी काम से बाहर जाना था जिन्हें यात्रा निरस्त करनी पड़ी। जबलपुर से दिनभर में आठ उड़ानें अलग-अलग शहरों के लिए जाती हैं जो शनिवार को नहीं चल पाएगी।

ठंड का असर पांच साल तक के बच्चों को बीमार कर रहा

ठंड में 70 बच्चे रोजाना हो रहे निमोनिया का शिकार

जबलपुर। ठंड का असर पांच साल तक के बच्चों को बीमार कर रहा है। खांसी, जुकाम और बुखार के अलावा बड़ी संख्या में बच्चों को निमोनिया हो रहा है। जिला अस्पताल की ओपीडी में रोजाना 70 बच्चे निमोनिया से पीड़ित पहुंच रहे हैं। इनमें अधिकांश बच्चे शून्य से पांच साल उम्र तक के हैं। चिकित्सकों का कहना है कि इस मौसम में अगर बच्चों का ध्यान न रखा जाए तो निमोनिया का खतरा बढ़ जाता है। निमोनिया सांस से जुड़ी बीमारी है। इससे फेफड़े में संक्रमण हो जाता है और सूजन आ जाती है और कई बार पानी भी भर जाता है। यह बुखार या जुकाम होने के बाद होता है। पांच साल से छोटे बच्चों को इससे खतरा अधिक होता है।

बैक्टीरिया वायरस या फंगस से होता है निमोनिया

मौसम बदलने, सर्दी लगने, फेफड़ों में चोट लगने के अलावा खसरा और चिकन पाक्स जैसी बीमारियों से इसकी आशंका बढ़ जाती है। उम्र के हिसाब से बच्चों को भर्ती किया जा रहा है। 28 दिन से कम उम्र के बच्चों को एसएनसीयू व इससे ज्यादा उम्र के बच्चों को पीडियाट्रिक वार्ड में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। सामान्य बीमार बच्चों को दवा के साथ स्वजन को सलाह देकर घर भेज दिया जा रहा है। रोजाना औसतन आठ से दस गंभीर बच्चों को पीडियाट्रिक व एसएनसीयू में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। निजी क्लीनिक पर भी इसी तरह निमोनिया से पीड़ित बच्चे पहुंच रहे हैं।

फसल बर्बादी के लिये आखिर कौन जिम्मेदार...?

बेमौसम बारिश से हजारों क्विंटल धान भीगी, किसान बर्बाद

जबलपुर। धान खरीदी में अनियमितता और विलंब होने के कारण हजारों क्विंटल धान खुले में पड़ी में रही जो शुक्रवार की देर रात और शनिवार की सुबह बारिश में भींग गई। फसल बर्बाद होने से किसान परेशान हो गया। भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी खेत खलिहान पहुंचे और बारिश से बर्बाद धान का जायजा लिया। किसानों की सुध लेने के लिए कोई प्रशासनिक नुमाइंदा नहीं पहुंचा। किसानों में आक्रोश व्याप्त हैं। खरीदी केंद्रों के बाहर पड़ी खुली धान पानी में भीग गई। मोटर पंप लगाकर पानी को निकाला गया। सबसे ज्यादा पाटन, तहसील, मझौली ग्राम बरौदा में बदइंतजामी के चलते बेमौसम बारिश से गोदामों के बाहर रखी किसानों की धान खराब हो गई। किसानों की मेहनत पर प्रशासन ने पानी फेर दिया। किसानों ने प्रशासन के खिलाफ

विरोध प्रदर्शन किया। जिले के पाटन और मंझौली के किसानों ने शनिवार को वेयरहाउस के बाहर पड़ी धान के बारिश में गीले होने और अब तक इसे वेयरहाउस में न शिफ्ट किए जाने का जमकर विरोध हुआ।

शुक्रवार की रात बारिश के बाद धान खरीदी की व्यवस्थाओं की धज्जियां उड़ गईं। हफ्तों से खरीदी केन्द्रों में खुला पड़ा अनाज बारिश के कारण भीग गया और किसान अपने अनाज को बचाने के लिये कुछ भी नहीं कर पाया। सिस्टम की लापरवाही से किसान कराह उठा। जिले के सिहोरा, कटंगी, पाटन, शहपुरा खरीदी केंद्रों के बाहर मण्डियों में पड़ा लाखों क्विंटल अनाज बारिश में भीग गया। हवा पानी से धान को बचाने किसानों को तिरपाल तक नसीब नहीं हुई। किसान केंद्रों में माल लेकर एक पखवाड़े से तुलाई का इंतजार कर रहा है।

हवा में नमी बढ़ने से शीतलहर बढ़ी

मावठे की बारिश के बाद दिन भर छाई रही धुंध

हवा पानी में पेड़ की डिगाल गिरी

शुक्रवार की रात हुई तेज हवा पानी के बीच हुई बारिश के दौरान बंगलामुखी मंदिर के सामने से श्रीनाथ की तलैया में जानेवालें मार्ग में एक पेड़ की डिगाल गिर गई, जिससे यातायात बाधित रहा। शनिवार को अवकाश दिवस होने के कारण नगर निगम का अमला पेड़ उठाने के लिए विलंब से पहुंचा।

जबलपुर। पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रही बर्फबारी के बाद बर्फीली हवाओं के चलने से जहां शीतलहर की चपेट में शहर है, वहीं कल पूरे शहर में घना कोहरा छाया रहा। उत्तर पश्चिमी मध्यप्रदेश के ऊपर बने कम दबाव के कारण जबलपुर सहित महाकौशल अंचल का मौसम भी प्रभावित हुआ। दिन भर बादल छाये रहे और रात से लेकर सुबह तक कोहरे की धुंध छाई रही। बर्फीली हवाओं के कारण लोगों को फुरफुरी का अहसास हुआ, बारिश के बाद दिन का तापमान औसत से 4 डिग्री नीचे आ गया और रात का तापमान 5 पाएदान ऊपर चढ़ गया। हवा के कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है, ऐसे में मावठे की बारिश की संभावना अभी बनी हुई है। शुक्रवार की रात और शनिवार की सुबह हुई बारिश के बाद हवा में नमी बढ़ गई है। दिन में भी ठंड का एहसास हुआ पूरा दिन आसमान बादलों से ढका रहा, सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए। मौसम के बिगड़े मिजाज से जनजीवन प्रभावित रहा। बारिश के बाद मौसम खुलने पर ठंड असर दिखायेगी। फिलहाल हवा की ठंडक का माहौल बना रहेगा। अलसाये हुए मौसम में ठंड और कोहरे के बीच सुबह-सुबह स्कूल जाने वाले मासूम बच्चों और सुरक्षा संस्थानों में काम करने वाले लोगों को खासी परेशानी हुई।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के प्रवक्ता ने बताया कि चक्रवाती हवाओं के कम दबाव वाला क्षेत्र गुजरात और पश्चिमी मध्यप्रदेश के ऊपर बना हुआ है। चक्रवाती हवाओं के कारण आसमान में बादल छाये रहे और हवा के कम दबाव का क्षेत्र निर्मित होने पर हल्की बारिश भी हुई। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 20.5 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 4 डिग्री कम और न्यूनतम तापमान 15.8 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस अधिक रिकार्ड किया गया। प्रदेश में सबसे कम तापमान 10.2 डिग्री ग्वालियर में दर्ज किया गया। जबकि गत वर्ष आज के दिन का अधिकतम तापमान 21.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 07.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। हवा में नमी प्रातकाल 98 प्रतिशत और सायंकाल 87 प्रतिशत आंकी गई। उत्तर हवाओं की रफ्तार 2 से 3 किमी प्रति घंटे की रही। सूर्योदय सुबह 6.53 बजे हुआ, जबकि सूर्यास्त 5.40 बजे हुआ।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No.: MPHIN/2008/24240

व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने किसानों से मांगा सहयोग

धान खरीदी में गड़बड़ी करने वाले बख्शे नहीं जाएंगे : कलेक्टर

जबलपुर। धान खरीदी में गड़बड़ी करने वालें बख्शे नहीं जाएंगे। 36 गोदामों में धान को अवैधानिक रुप से पटका गया। बडी चालाकी से एफएक्यू नान एफएक्यू धान मिला दिए, ताकि जांच न हो सके और पूरी धान खरीद ली जाए। जिले के नवागत कलेक्टर दीपक सक्सेना ने कहा कि किसानों को व्यवस्था बनाने में सहयोग करना पड़ेगा। 10-12 दिनों के अंदर व्यवस्था दुरुस्त कर दी जाएगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि किसानों की नॉन एफएक्यू धान भी खरीदी जाएगी। श्री सक्सेना पदभार संभालने के बाद यहां कलेक्टर के सभागार में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए कलेक्टर दीपक सक्सेना ने एफएक्यू और नॉन एफएक्यू धान की तुलना दूध दही से की। उन्होंने कहा कि यदि दूध के बर्तन में दही डाल दिया जाएगा तो पूरा दूध दही हो जाएगा, ऐसा ही धान में किया गया है। बड़ी चालाकी के साथ नान एफएक्यू धान को एफएक्यू (गुणवत्ता वाली) धान में मिला दिया गया, ताकि नॉन एफएक्यू वाली धान भी बिक जाए। उन्होंने कहा कि धान उपार्जन में गड़बड़ी करने वालों सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं किसानों को कोई दिक्कत नहीं होनी दी जाएगी। यद्यपि प्राथमिकता के सवाल पर श्री सक्सेना ने कहा कि मेरी कोई प्राथमिकता नहीं है। प्राथमिकता तय करने का काम सरकार का है। मुझे सभी काम पूरी ईमानदारी से करना है।

ब्लैक लिस्ट वेयरहाउसों की जांच होगी

उन्होंने जिले के ब्लैक लिस्ट वेयरहाउस द्वारा धान रखने के सवाल पर कहा कि अभी तक राज्य सरकार ने किसी भी वेयरहाउस को ब्लैक लिस्ट नहीं किया है। अभी हम जांच करेंगे कि जितने गोदाम में कितनी मात्रा में धान रखी है और इस धान को किस तरह से व्यवस्थित और सुरक्षित रखा जा सकता है। जिला स्तर पर टीम बनाई जाएंगी, जो जिले के वेयरहाउस में जाकर यह देखेंगे कि वहां कितनी धान रखी है। उसमें कितनी धान गुणवत्ता वाली है। इसे खरीदने की तैयारी और योजना का काम होगा। इसके बाद खरीदी जाने वाली धान को सूखाकर गुणवत्तापूर्ण बनाया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि धान की समस्या पर जांच की जा रही है लेकिन जो वास्तविक किसान हैं और जिनकी उपज नॉन एफएक्यू है वह हम हर हाल में खरीदेंगे। चूंकि मामला कुछ वेयर हाउस वालों ने या खरीदी केंद्रों पर बिना स्लॉट बुक किए धान पहुंच गई है इसलिए मामला कुछ पेचीदा हो जाने के कारण जांच में थोड़ा सा समय लग रहा है। लेकिन, शासन इसका निराकरण किसानों के हित में करेगा।

मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम शुरु

कलेक्टर ने इस अवसर पर मतदाता सूची संक्षिप्त पुनरीक्षण की भी जानकारी देते हुए बताया कि मतदाता सूची के प्रारुप का प्रकाशन कर दियागया है और स्टैंडिग कमेटी की बैठक में राजनीतिक दलों को विस्तार से इसकी जानकारी दी गई। 6 जनवरी से 22 जनवरी तक बूथ लेबल एजेंट अपने-अपने मतदाता केंद्र में उपस्थित रहेंगे। सभी मतदाता अपना नाम जुड़वाएं। जबलपुर के पनागर, बरगी और पाटन में स्त्रार-पुरुष मतदाता अनुपात 950 है। 6 जनवरी से 22 जनवरी तक प्रत्येक कार्य दिवस में बीएलओ अपने-अपने मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहकर मतदाताओं का नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन के लिए आवेदन लेंगे। फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 अंतर्गत विशेष शिविर लगाए जाएंगे। यह शिविर 13 जनवरी एवं 20 जनवरी को लगाए जाएंगे। इस दौरान समस्त बीएलओ अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमण करेंगे और मतदाता सूची का वाचन कर फॉर्म 6, 7 और 8 का आवेदन प्राप्त करेंगे।

धान उत्पादक किसानों के बीच पहुंचे कलेक्टर दीपक सक्सेना

जबलपुर। धान खरीदी से जुड़े हर मामले में जिला प्रशासन का अमला गंभीर है। इसी बीच शनिवार को नवागत कलेक्टर दीपक सक्सेना किसानों की धान खरीदी से जुड़ी समस्याओं को जानने मैदान में उतरे। पाटन तहसील के श्रीराम वेयर हाउस में एकत्रित किसानों के बीच पहुंचकर किसानों की धान खरीदी की समस्या को गंभीरता से सुना और श्री सक्सेना ने किसानों को भरोसा दिलाया कि वास्तविक किसानों की धान का एक एक दाना खरीदेंगे। जो भी धान यदि पानी में भीग गई है उसे भी सुखाकर एफ ए क्यू के अनुसार तैयार कर खरीदेंगे। श्री सक्सेना ने किसानों से सहयोग करने का आग्रह किया जिस पर भारतीय किसान संघ के नेतृत्व में सभी किसानों ने प्रशासन का सहयोग करने का आश्वासन दिया। दो दिन के अंदर खरीदी प्रारंभ हो जाएगी।

ट्रांसफार्मर में लगी आग

जबलपुर। मेंटिनेंस में हुई लापरवाह का खामियाजा लगातार सामने आ रहा है। अब गोहलपुर नर्मदा नगर की गली नम्बर नंबर 2 में शनिवार सुबह एक ट्रांसफार्मर में अचानक लगी आग लग गई। जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। राहत की बात यह रही की किसी तरह की कोई जनहानी नहीं हुई। घटना की जानकारी बिजली विभाग को दी गई। वहां से स्टाफ आया, लेकिन उनके आने के पहले ही आग बुझ गई थी। जब तक आग बुझ नहीं गई, तब तक क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति

रही। क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि जब भी पानी गिरता है तो जिसमें आग लगी, वो ट्रांसफार्मर जलने लगता है। इसकी जानकारी कई बार विद्युत फीडर सेंटर को दी गई, लेकिन स्थाई समाधान नहीं निकल सका। लोगों का कहना था कि इससे पहले कि कोई बड़ी घटना हो इस ट्रांसफार्म की तकनीकी खामियों को दूर किया जाना चाहिए।

गोदाम में धूम्रीकरण करने पर निर्णय लें: हाईकोर्ट

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने जिला प्रशासन जबलपुर के अधिकारियों को निर्देश दिए ि क याचिकाकर्ता के गोदाम में धूम्रीकरण (फ्यूमिगेशन) करने पर निर्णय लें, ताकि उसमें रखा अनाज खराब नहीं हो। जस्टिस विशाल धगट की एकलपीठ ने 19 मई 2023 से फ्यूमिगेशन नहीं करने की याचिकाकर्ता की जिम्मेदारी के मुद्दे पर भी विचार कर निर्णय लेने के निर्देश दिए। शहपुरा स्थित मयंक वेयरहाउस के संचालक नरेन्द्र तोमर की ओर से अधिवक्ता हिमांशु मिश्रा ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि याचिकाकर्ता के वेयरहाउस की तालाबंदी कर दी गई है। पिछले कई माह से धूम्रीकरण नहीं हुआ है, इससे अनाज खराब होने का खतरा है।

लम्हेटा पुल को लेकर विधायक को ज्ञापन आज

जबलपुर। नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा समिति ने तय किया है की प्रति सप्ताह सरस्वती घाट एवं लामेटा घाट पुल के लिए कार्यरत विभिन्न विभागों में ज्ञापन दिया जाएगा। उसी अनुसार क्षेत्रीय विधायक नीरज सिंह को 7 जनवरी को प्रात 10 बजे 25000 हस्ताक्षरों का ज्ञापन उनके निवास राइट टाउन में संकीर्तन की अलख जागते हुए लामेटा घाट सरस्वती घाट पुल को पायलेक्ट प्रोजेक्ट में रखकर शीघ्र तैयार कराया जाए इस मांग को लेकर मुख्यमंत्री व लोकनिर्माण मंत्री के नाम के प्रति सौंपी जाएगी। उपस्थिति की अपील नर्मदा महाआरती संस्थापक डॉक्टर सुधीर अग्रवाल, अध्यक्ष डॉक्टर शिव शंकर पटेल, पंडित मनमोहन दुबे आदि ने की है।

रात 11 बजे सभी बाजार और दुकानें बंद कराने का स्वागत

जबलपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सभी तरह की बाजार और दुकानों को रात 11 बजे तक बंद किए जाने के फरमार का चौतरफा स्वागत हो रहा है। व्यापारी हो या उद्योगपति, समाजसेवी हो या फिर आम आदमी सभी मुख्यमंत्री के इस निर्णय का स्वागत कर रहे हैं। सभी ने कहा कि मुख्यमंत्री के इस आदेश का सख्ती से पालन हो। अगर ऐसा हुआ तो अपराधों पर अंकुश लगेगा और कानून व्यवस्था में होगा सुधार और आमआदमी भय से मुक्त होगा। मगर मुख्यमंत्री के इस निर्णय की सरकारी तंत्र ही माखौल उड़ा रहे हैं। जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस प्रशासन 11 बजे बाजार, सभी तरह की दुकानें बंद कराने में समानता नहीं दिखा रहे हैं।

जबलपुर रेल मंडल में भूख हड़ताल कल से

ओपीएस की मांग को लेकर यूनियन का ऐलान

जबलपुर। पुरानी पेंशन बहाली (ओपीएस) की मांग को लेकर भारतीय रेलवे के हर मंडलों में (डब्ल्यूसीआरईयू) सेंट्रल रेलवे एम्पलाईज यूनियन द्वारा कल 8 जनवरी से 10 जनवरी तक हर मंडलों में धरना प्रदर्शन कर भूख हड़ताल का ऐलान किया गया है। बताया गया है कि आगामी 8, 9 व 10 जनवरी को पूरे भारतीय रेलवे के हर मंडलों में एआईआरएफ के आव्हान पर धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया जायेगा, जिसके तहत वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्पलाइज यूनियन (डबल्यूसीआरईयू) पश्चिम मध्य रेलवे के तत्वावधान में जबलपुर, कोटा व भोपाल मंडलों में भी लगातार दो दिनों तक भूख हड़ताल कर कर्मचारी ओपीएस बहाली की मांग को पुरजोर ढंग से उठायेंगे। इस संबंध में एआईआरएफ के असिस्टेंट जनरल सैक्रेट्री व डब्ल्यूसीआरईयू के महामंत्री काम. मुकेश गालव ने बताया कि ज्वाइंट फोरम फॉर रिस्टोरेशन ऑफ ओल्ड पेंशन स्कीम (जेएफआरओपीएस) व आल इंडिया रेलवे मैंस फेडरेशन के आव्हान पर रेलवे के साथ-साथ अन्य केंद्रीय व राज्य के सरकारी कार्यालयों में एनपीएस हटाने व ओपीएस बहाली की मांग को लेकर संघर्ष को तेज करने के लिए 8, 9 व 10 जनवरी को भूख हड़ताल आयोजित की गई है. जिसके तहत पमरे के कोटा, जबलपुर व भोपाल के मंडल रेल प्रबंधक कार्यालयों में डब्ल्यूसीआरईयू के नेतृत्व में कर्मचारियों द्वारा भूख हड़ताल पर बैठेंगे।

मतदान केंद्रों पर हुआ मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन

राजनैतिक दलों को दी गई पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी

जबलपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2024 के तहत शनिवार को जबलपुर जिले के सभी मतदान केंद्रों पर प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी देने सुबह मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों से गठित स्टैंडिंग कमेटी की बैठक कलेक्टर कार्यालय में आयोजित की गई। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों को प्रारूप मतदाता सूची की प्रतियां प्रदान की गई । राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों को बताया गया कि मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम में 6 जनवरी से 22 जनवरी तक आम नागरिक मतदान केंद्र पर प्रारूप मतदाता सूची का अवलोकन कर सकेंगे तथा नाम जुड़वाने, नाम हटाने संशोधन के लिये बीएलओ को निर्धारित प्रारूप में आवेदन दे सकेंगे ।

बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह एवं जिले के आठों विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मौजूद थे। मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ ही मतदान केंद्रों की सूची का प्रकाशन भी जिला स्तर पर एवं मतदान केंद्रों पर किया गया है। मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची के प्रारूप का आम नागरिक अपने मतदान केंद्र पर अवलोकन कर सकेंगे तथा सूची में नाम जुड़वाने, नाम काटने अथवा संशोधन कराने 6 जनवरी से 22 जनवरी तक मतदान केंद्र पर मौजूद बीएलओ को निर्धारित फार्म में दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकेंगे। इस दौरान 13 जनवरी एवं 20 जनवरी को विशेष शिविर भी आयोजित किये जायेंगे तथा छूटे हुये और युवा मतदाताओं के नाम जोड़ने बीएलओ अपने मतदान केंद्र से सबंधित क्षेत्र का भ्रमण करेंगे।

पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और नाम में संशोधन कराने प्राप्त दावे-आपत्तियों का निराकरण 2 फरवरी तक किया जाएगा तथा को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन फरवरी को होगा।

बैठक में बताया गया कि जो युवा 1 जनवरी 2024 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं वे भी अपना नाम मतदाता सूची में जुडवाने के लिए आवेदन कर सकेंगे। इसके साथ ही 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवा मतदाता सूची में नाम जुडवाने के लिए अग्रिम रूप से आवेदन कर सकते हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची में नाम जुडवाने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन की सुविधा भी प्रदान की गई है। ऑफलाइन आवेदन के लिए बीएलओ से संपर्प किया जा सकेगा। स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में विधानसभावार महिला-पुरुष, युवा, दिव्यांग एवं बुजुर्ग मतदाताओं की संख्यात्मक जानकारी भी दी गई।

गुरुकुल के छात्र-छात्रों का भी हो बौद्धिक विकास : महापौर

जबलपुर। दौड़ में वह नहीं हारते जो गिरने के बाद भी प्रयास करना नहीं छोड़ते। बल्कि वह हारते हैं जो एक बार गिरने के बाद दोबारा प्रयास करना ही छोड़ देते हैं। आप हर काम लगन और पूरी निष्ठा से करिए कामयाबी आपको जरूर मिलेगी। आपका हमारा बौद्धिक स्तर ऊंचा रहे और अच्छा रहे इसके लिए जीवन में मनोरंजन भी जरूरी है। यह बात शहर के महापौर जगत बहादुर सिंह "अन्नू" फिल्म देखने आए छात्र-छात्राओं से कहीं। दरसल महापौर जगत बहादुर सिंह "अन्नू" के द्वारा शहर विकास को लेकर जो संकल्प लिया गया था, उस दिशा में वे दिन-रात मेहनत कर प्रगति की ओर बढ़ रहे हैं। इसी कड़ी में महापौर ने उस संकल्प को पूरा किया जो पिछले साल महापौर गुरूकुल के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ निगम शालाओं में पढ़ने वाले बच्चों के साथ संकल्प लिया था। अपने संकल्प के अनुरूप महापौर ने दूसरी बार निशुल्क रूप से महापौर गुरूकुल एवं निगम शालाओं की 800 छात्र-छात्राओं को प्रेणात्मक फिल्म 12tc फेल मूवी शहर के बड़े मॉल में दिखाया गया, बच्चों को यह फिल्म दिखाई गई।

किसानों की कठिनाईयों का शीघ्र निराकरण करने के दिये निर्देश

कलेक्टर ने उपार्जन से जुड़े अधिकारियों की ली बैठक

जबलपुर। कलेक्टर दीपक सक्सेना ने शनिवार को उपार्जन व्यवस्था से जुड़े सभी अधिकारियों की बैठक लेकर उन 36 वेयर हाउस पर रखी किसानों की धान खरीदने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिये जिन्हें खरीदी केन्द्र नहीं बनाया गया, लेकिन किसानों द्वारा वहां अपनी धान ले जाकर रख दी गई है।

कलेक्टर ने बैठक में कहा कि ऐसे स्थानों पर केवल वास्तविक किसानों की और एफ ए क्यू धान ही खरीदी जाये। इसके लिए उन्होंने किसानों के पंजीयन की जांच करने तथा फर्जी सिकमीनामे के आधार पर व्यापारियों या बिचौलियों द्वारा कराये गये पंजीयन को निरस्त करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि उपार्जन व्यवस्था का अनुचित लाभ उठाने की कोशिश करने वालों पर कठोर कार्यवाही की जाये तथा जरूरत पड़ने पर एफआईआर भी दर्ज हो।

कलेक्टर श्री सक्सेना ने बैठक में मौजूद राजस्व अधिकारियों से कहा कि वे ऐसे किसानों से निरंतर संपर्क में रहें जिन्होंने अनाधिकृत स्थानों पर धान डंप करके रख दी है। उन्होंने कहा कि इन किसानों को समझाईश भी दें कि वे धैर्य रखें, कुछ समय लग सकता है, लेकिन उनकी एफ ए क्यू क्वालिटी की पूरी धान का उपार्जन किया जायेगा।

कलेक्टर ने बैठक में स्पष्ट किया कि उन गोदाम संचालकों को किसानों के धान की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी होगी जिन्होंने खरीदी केन्द्र स्वीकृत नहीं होने के वाबजूद जिनके भरोसे पर किसानों ने अपनी उपज वहां लाकर रखी है। यदि ऐसा नहीं हुआ तो संबंधित वेयर हाउस संचालकों पर कार्यवाही की जायेगी तथा आवश्यकता पड़ने पर एफआईआर भी दर्ज होगी।

कलेक्टर ने बैठक में सभी 36 अनाधिकृत वेयर हाउस में रखे धान के उपार्जन के लिए यहां उप खरीदी केन्द्र बनाने का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों से इस धान की खरीदी के बाद राईस मिलर्स को भेजा जाये अथवा ओपन केप या कव्हर्ड स्टोरेज में रखा जाये। किसी भी हालत में इस धान का अनाधिकृत वेयर हाउस में भंडारण न किया जाये।

कलेक्टर ने बैठक में साफ किया धान उपार्जन जो कमियां इस बार दिखाई दी उसे जल्दी दुरूस्त कर लिया जाये और आगे इस तरह की स्थिति पैदा न हो इसके लिए अधिकारियों को सतर्क रहना होगा। अन्यथा संबंधित कठोर कार्यवाही के लिए तैयार रहें। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह, अपर कलेक्टर श्री नाथूराम गोड एवं उपार्जन से जुड़े सभी अधिकारी तथा भोपाल से आई टीम के सदस्य भी मौजूद थे।

स्वच्छ पेयजल आपूर्ति करने के निर्देश

निगमायुक्त ने किया वॉटर प्लांटों का निरीक्षण

जबलपुर। निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव द्वारा शनिवार अवकाश के दिन भी सुबह 8 बजे से लगातार मैराथन 7 घंटे तक यानी दोपहर 2 बजे तक वॉटर ट्रीटमेंट प्लांटों, कठौंदा स्थित वेस्ट टू एनर्जी प्लांट, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, कंपोस्ट प्लांट और मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एम.आर.एफ.) प्लांट, निर्माणाधीन नर्सरी का निरीक्षण किया गया। उन्होंने सर्वप्रथम सुबह-सुबह रमनगरा एवं ललपुर वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया और शहर के नागरिकों को दोनो समय स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति कराये जाने के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गये। इसके उपरांत निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने कठौंदा स्थित कठौंदा स्थित वेस्ट टू एनर्जी प्लांट, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, कंपोस्ट प्लांट और मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एम.आर.एफ.) प्लांट पहुंचीं और वहाँ की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संचालन कर रहे अधिकरियों को निर्देशित किया कि प्लांटों के संचालन में कोई लापरवाही न हो और सभी प्लांटों को जनोपयोगी बनाने की दिशा में अधिकारी कार्य करें।

इसके उपरांत निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने कठौंदा स्थित उद्यान में वृक्षारोपण भी किया तथा उद्यान की अच्छे से देखरेख करने अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने वहाँ निर्माणाधीन नर्सरी का भी निरीक्षण किया और नर्सरी में वृक्षारोपण कराने के अधिकारियों को निर्देश दिये। निरीक्षण के मौके पर अपर आयुक्त वी एन बाजपेई, स्वास्थ्य अधिकारी भूपेंद्र सिंह, सहायक आयुक्त संभव अयाची, सहायक यंत्री संजय सिंह एवं अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

रीवा में जन आभार यात्रा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के स्वागत के लिए मार्ग को गुब्बारों से सजाया

फूलों की बारिश से मोहन सरकार का 'अभिनंदन'

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को रीवा में जन आभार यात्रा में शामिल हुए। उनके साथ उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, सांसद जनार्दन मिश्रा, भाजपा के वरिष्ठ नेता और जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे। इस दौरान सीएम के स्वागत के लिए सड़कों पर अपार जनसमूह उमड़ा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का शुक्रवार को रीवा के जन आभार यात्रा में भव्य एवं ऐतिहासिक स्वागत हुआ। विवेकानंद पार्क कॉलेज चौराहा से जन आभार यात्रा आरंभ हुई। मुख्यमंत्री का ढोल- ढमाकों तथा पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया।

फूलों से सजे वाहन में मुख्यमंत्री जन आभार यात्रा में लोगों के बीच पहुंचे। वाहन में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, सांसद जनार्दन मिश्र, डॉ. अजय सिंह मुख्यमंत्री के साथ थे।

खास बातें

- यात्रा में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, सांसद जनार्दन मिश्र, डॉ. अजय सिंह भी हुए शामिल
- सीएम के प्रथम रीवा आगमन पर स्वागत में भीड़ उमड़ी

बौद्ध और रविदास समाज ने की पुष्पवर्षा

छात्र संगठन और खिलाड़ियों ने सीएम का किया स्वागत

मुख्यमंत्री का कॉलेज चौराहे पर छात्र संगठन तथा खिलाड़ियों ने आत्मीय स्वागत किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री को तलवार भेंट की गई। विवेकानंद पार्क से लेकर सांई मंदिर तक आभार यात्रा मार्ग को गुब्बारों और फूलों से सजाया गया था। मुख्यमंत्री के प्रथम रीवा आगमन पर उनके स्वागत में जन सैलाब उमड़ा। मुख्यमंत्री का काफिला पहुंचने पर आमजनता ने पुष्प वर्षा कर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया।

जन आभार यात्रा में खूब बजे ढोल-नगाड़े

जन आभार यात्रा में जनसेवा मित्रों तथा पटेल समाज की ओर से मुख्यमंत्री का कॉलेज चौराहे में सम्मान किया गया। सरपंच संघ के प्रतिनिधियों तथा कोल समाज के प्रतिनिधियों ने जान टावर के सामने मुख्यमंत्री का ढोल नगाड़ों तथा पुष्पहार से स्वागत किया। लोग सीएम को देखने के लिए उत्सुक थे।

श्रीराम मंदिर की प्रतिकृति का स्मृति चिन्ह किया भेंट

जन आभार यात्रा के मार्ग के घरों से भी जनता ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव पर पुष्पवर्षा करके उनका अभिनंदन किया। जन आभार यात्रा में प्रधानमंत्री आवास योजना तथा संबल योजना के हितग्राहियों ने भी मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मानस भवन के सामने मुख्यमंत्री का रथ पहुंचने पर भूतपूर्व सैनिकों ने मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया। जन आभार यात्रा में विभिन्न सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं ने प्रतिनिधियों ने जगह-जगह मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पुष्पवर्षा एवं केक कटवाकर तथा श्रीराम मंदिर की प्रतिकृति का स्मृति चिन्ह, महामृत्युंजय भगवान का तैलचित्र एवं मुख्यमंत्री के स्केच चित्र भेंट कर भव्य स्वागत किया। जन आभार यात्रा में हर्षित मन से मुख्यमंत्री ने आमजनता का अभिवादन किया तथा उनके प्रति आभार व्यक्त किया। रिमझिम बारिश के बीच जन आभार यात्रा में मुख्यमंत्री बौद्ध समाज, कबीर संघ तथा रविदास समाज ने पुष्पवर्षा करके स्वागत किया।

खबर संक्षेप

रायपुरः206 एमएलडी के एसटीपी से मिला वाटर प्लस शहर का दर्जा

रायपुर। भारत सरकार की ओर से स्वच्छता सर्वेक्षण की विभिन्न श्रेणियों में रायपुर को वाटर प्लस रखने के पीछे चारों एसटीपी (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) ने बड़ी भूमिका निभाई है। पिछले वर्ष इनका काम अधूरा था, जिसकी वजह से आवेदन देने के बाद भी रायपुर को वाटर प्लस की श्रेणी में शामिल नहीं किया गया था। वहीं इस वर्ष से भाठागांव, निमोरा, कारा और चंदनीडीह एसटीपी से 206 एमएलडी शहर के गंदे पानी को साफ किया जा रहा है। इसी पानी को विभिन्न उद्योगों को देने की व्यवस्था बनाई जा रही है। इसकी वजह से रायपुर को वाटर प्लस श्रेणी में शामिल किया गया है।

छत्तीसगढ़ की 11 सीटों के लिए भाजपा ने तैयार किया रोडमैप

रायपुर। छत्तीसगढ़ भाजपा ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए रोडमैप तैयार किया है। दिल्ली-छत्तीसगढ़ के नेताओं के समन्वय से पार्टी जनता अभिनंदन समारोह आयोजित करेगी। इसके लिए हर संभाग में कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया गया है। इसमें विधानसभा चुनाव के दौरान मतदाताओं का भाजपा के प्रति जो भरोसा दिखा है उसे बरकरार रखने के लिए मोदी की गारंटी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की योजनाओं से भी जनता को अवगत कराया जाएगा। जैनम भवन में भाजपा के शीर्ष नेताओं ने करीब छह घंटे तक लोकसभा चुनाव के लिए मंथन किया। इसके अलावा अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को भाजपा जन-जन पहुंचाएगी। लोकसभा चुनाव कैसे जीतेंगे, इसके लिए सुझाव मांगे गए।

समीर विश्नोई समेत 7 आरोपी कोर्ट में पेश

रायपुर। बहुचर्चित कोयला घोटाला मामले की सुनवाई

शनिवार को रायपुर के स्पेशल कोर्ट में चली। इस मामले में जेल में बंद आरोपी कारोबारी सूर्यकांत तिवारी, निलंबित आईएएस समीर विश्नोई, सुनील अग्रवाल, शिवशंकर नाग, लक्ष्मीकांत तिवारी और दीपक टांक समेत राजेश चौधरी ईडी के विशेष जज अजय सिंह राजपूत की कोर्ट में पेश हुए। वहीं राज्य प्रशासनिक सेवा की निलंबित अधिकारी सौम्या चौरसिया ने मेडिकल लगाकर कोर्ट आने में असमर्थता जताई है। इधर, भिलाई के कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव की अग्रिम जमानत पर बचाव पक्ष अपना पक्ष रखा है। ईडी की रडार पर आए भिलाई के कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव समेत नौ आरोपियों की अग्रिम जमानत पर विशेष न्यायाधीश अजय सिंह राजपूत की बेंच में बहस हुई।

11 को छत्तीसगढ़ आएंगे प्रभारी सचिन पायलट

रायपुर। प्रदेश में विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद अब कांग्रेस लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। इसके लिए कांग्रेस की युवा मोर्चा ने भी अभी

से कमर कस ली है। युवा मोर्चा ने इसके लिए पूरी रूपरेखा तय कर ली है। इधर, नए प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट के 11 जनवरी को दौरे पर आने की संभावना जताई जा रही है।

उज्जैन के महाकाल महालोक परिसर में होगा भव्य आयोजन

1 करोड़ 75 लाख रुपए की लागत से बने देश के पहले प्रसादम का लोकार्पण आज

17 दुकानें बनाकर परिसर में स्वच्छ स्ट्रीट फूड हब बनाया, पार्किंग व अन्य सुविधाएं भी होंगी उपलब्ध

218 करोड़ की 187 स्वास्थ्य केंद्रों का सीएम डॉ. यादव, केंद्रीय मंत्री मंडाविया करेंगे भूमिपूजन व लोकार्पण

1 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के प्रतिदिन आने से खुलेगा मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक

नीलकंठ वन परिसर अवंतिका हाट के बीच बनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विश्व प्रसिद्ध तीर्थ उज्जैन के श्री महाकाल महालोक के नीलकंठ वन परिसर में देश के पहले प्रसादम का शुभारंभ 7 जनवरी को हो रहा है। मप्र के लिए यह बड़ी उपलब्धि है। यह प्रसादम 1 करोड़ 75 लाख रुपए की लागत से फूड एंड सेफ्टी स्टैण्डर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया के 'क्लीन स्ट्रीट फूड हब' कार्यक्रम के तहत उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड की ओर से श्री महाकाल महालोक के नीलकंठ वन परिसर और अवंतिका हाट के बीच विकसित किया गया है। इसमें 17 दुकानों का निर्माण कर एक स्वच्छ स्ट्रीट फूड हब बनाया गया है। श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग एवं अन्य सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया इसका शुभारंभ करेंगे। वे 218 करोड़ 76 लाख रुपए लागत की स्वास्थ्य अधोसंरचनाओं का भूमिपूजन एवं लोकार्पण करेंगे। महाकाल लोक परिसर में श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य को ध्यान मे रखते हुए महाकाल लोक परिसर, नीलकंठ द्वार पर औसतन प्रतिदिन एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य को ध्यान मे रखते हुए मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक का संचालन किया जाएगा, जिसमें आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध रहेंगी। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, राज्य मंत्री लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण नरेन्द्र शिवाजी पटेल इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे।

विदिशा, बैतूल व उज्जैन में इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब की मिलेगी सौगात

प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के अंतर्गत लागत 3 करोड़ 49 लाख रुपए की लागत से तीन इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब (विदिशा, बैतूल एवं उज्जैन) का लोकार्पण किया जाएगा। नागरिकों को जिला अस्पताल में 132 प्रकार की जांच सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकेंगी। इसी मिशन के अंतर्गत 6 बीआरएचयू भी लोकार्पित की जाएगी। 13 जिलों मे (छतरपुर, झाबुआ, सिवनी, गुना, भोपाल, खंडवा, बड़वानी, दमोह, बालाघाट, टीकमगढ़, शिवपुरी एवं सिंगरौली) नवीन इंटग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लेबोरेटरी का भूमिपूजन किया जाएगा।

54 संजीवनी क्लीनिक, 66 आयुष्मान आरोग्य मंदिर

स्वास्थ्य की दृष्टि से 54 मुख्यमंत्री संजीवनी विलनिक का लोकार्पण किया जाएगा। इनमें प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ 67 प्रकार की जांच सुविधाएं और 208 प्रकार की दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। 2 ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट (सीएचसी हातोद एवं सीएचसी सांवेर, इंदौर) का लोकार्पण होगा।

36 स्वास्थ्य संरचनाओं का किया जाएगा भूमिपूजन

श्री महाकाल महालोक परिसर में होने वाले आयोजन में 118 करोड़ लागत की 36 स्वास्थ्य संरचनाओं का भूमिपूजन और 100 करोड़ 69 लाख लागत की 151 स्वास्थ्य संरचनाओं का लोकार्पण किया जाएगा। इसके लिए 189 करोड़ 89 लाख रुपए केंद्र और 28 करोड़ 87 लाख रुपए राज्य सरकार की ओर से उपलब्ध कराए गए हैं।

उज्जैन में 20 बिस्तरीय अतिरिक्त वार्ड का लोकार्पण

इमरजेंसी कोविड रेस्पोंस पैकेज-II के तहत 1 करोड़ 68 लाख रुपए लागत से सिविल अस्पताल बड़नगर, उज्जैन मे 20 बिस्तरीय अतिरिक्त वार्ड लोकार्पित किया जाएगा। राज्य मद से 28 करोड़ 87 लाख की लागत से तीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और आठ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का लोकार्पण किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत राशि 148 करोड़ 45 लाख लागत से 97 कार्यों का भूमिपूजन, लोकार्पण किया जाएगा। इसमें तीन जिला अस्पतालों, तीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, 66 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों एवं रीजनल ट्रेनिंग सेंटर में 40 सीटर हॉस्टल लोकार्पित किए जाएंगे। मिशन के तहत 8 जिला अस्पताल, एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, 1 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 2 उप स्वास्थ्य केंद्र, 4 मैटर्नल एवं चाइल्ड हेल्थ विंग, एवं 5 स्टाफ कॉर्टर कार्यों का भूमिपूजन भी किया जाएगा।

मनहित (मानसिक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग एप) लॉन्च होगा

आमजन को मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित मानसिक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग एप मनहित लॉन्च किया जाएगा। एप को मुख्यतः तीन खंडों में विभाजित किया गया है। मानसिक स्वास्थ्य स्व-मूल्यांकन, जागरूकता सामग्री, वीडियो और मानसिक स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ संपर्क। मनहित का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य साक्षरता की समझ विकसित करना, अल्पकालिक और दीर्घकालिक मानसिक स्वास्थ्य लक्षणों का स्व-मूल्यांकन और मानसिक स्वास्थ्य लक्षणों और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता के बारे में जागरूकता विकसित करना है।

नवाचार और उद्यमिता को मिले बढ़ावाः मंत्री काश्यप

भोपाल। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप ने आज शुक्रवार को मंत्रालय स्थित अपने प्रतिकक्ष में विभागीय अधिकारियों के साथ मप्र स्टार्ट-अप पॉलिसी की व्यापक समीक्षा की। काश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी यानि संकल्प 2023 के तहत प्रदेश में स्टार्ट-अप को लेकर बेहतर क्रियान्वयन हो, प्रदेश का स्टार्ट-अप न्यूजलेटर भी बेहतर और प्रभावी हो। उन्होंने नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए नए स्टार्टअप पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने अटल नवाचार मिशन के भावानुरूप प्रदेश के संदर्भ में स्टार्ट-अप नीति का विश्लेषण करने के निर्देश भी दिए।

आईएएस के तबादलों के बाद वन विभाग में फेरबदल की तैयारी

रायपुर। आईएएस अफसरों के तबादले के बाद अब वन विभाग में तबादले की तैयारी चल रही है। नए वन मंत्री केदार कश्यप ने कामकाज संभालने के बाद अरण्य भवन में अफसरों के साथ समीक्षा बैठक में संकेत दे दिए हैं कि रेंजर से लेकर डीएफओ तक को इधर से उधर किया जाएगा। उन्होंने चार साल से एक ही जगह जमे अफसरों की सूची मांगी है। खासकर चुनाव में जंगल क्षेत्र की विधानसभा सीटों में भाजपा के खिलाफ काम करने वाले वन अफसर राडार पर हैं। सूत्रों ने बताया कि वन विभाग में तबादले की चर्चा शुरू होते ही कई अधिकारी-कर्मचारी भाजपा के मैदानी और संगठन के बड़े नेताओं से संपर्क करने लगे हैं। ये भाजपा सरकार में भी फिट होने की जुगाड़ में लगे हैं।

ईडी की चार्जशीट में पूर्व सीएम का नाम

ईडी अपने राजनीतिक आकाओं के इशारे पर काम कर रही हैः भूपेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

महादेव सट्टा एप केस मामले में ईडी की चार्जशीट को लेकर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की प्रतिक्रिया सामने आई है। मामले में उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपने सप्लीमेंट्री चार्जशीट में जिस तरह से उनका नाम लिखा है, वह पूरी तरह से राजनीतिक षड्यंत्र का हिस्सा है।

उन्होंने कहा है कि ईडी अपने राजनीतिक आकाओं के इशारे पर काम कर रही है। वह कूटरचना कर लोगों को गिरफ्तार कर रही है। उनसे दबावपूर्वक मेरे और मेरे सहयोगियों के खिलाफ बयान दिलवा रही है। उन्होंने कहा है कि इन बयानों में जो पैसों के लेन-देन के आरोप लगाए गए हैं, उनका कोई आधार नहीं है। यह किसके दबाव में हो रहा है, उसे सब जानते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने कहा है कि जिस कुरियर असीम दास के पास से रुपए बरामद हुए थे, उसने जेल से अपने हस्तलिखित बयान में कहा है कि उन्हें भी धोखे में रखकर फंसाया गया है। उन्होंने कभी किसी राजनेता व उनसे जुड़े लोगों को पैसा नहीं पहुंचाया। अब ईडी दावा कर रही है कि उसने यह बयान भी वापस ले लिया है। यह किसके दबाव में हो रहा है, उसे सब जानते हैं।

सीएम साय और डिप्टी सीएम का हुआ जगदलपुर में स्वागत

उमड़ी भीड़, कार्यक्रम में खलल न हो इसलिए प्रशासन ने की सुरक्षा व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

जगदलपुर के मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के बस्तर अंचल में प्रथम आगमन पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने स्वागत किया। मुख्यमंत्री साय के साथ उप-मुख्यमंत्री अरुण साव एवं रामप्रताप सिंह भी जगदलपुर पहुंचे। मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार सीएम विष्णुदेव साय जगदलपुर पहुंचे।

यहां वे संभागस्तरीय कार्यकर्ता सम्मान समारोह में शामिल हुए। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री साय का प्रथम बस्तर प्रवास है। जिसको देखते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जमकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री के आगमन पर एयरपोर्ट से लेकर सभास्थल तक जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने जोश भरे नारों और पुष्प गुच्छ के साथ अपने नये मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस दौरान बाइक रैली भी निकाली गई जो मुख्यमंत्री के गाड़ी सामने चलती रही। इस दौरान एयरपोर्ट पर कई वरिष्ठ नेताओं ने स्वागत किया।

कांग्रेस नेताओं को किया नजरबंद

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपने पहले जगदलपुर प्रवास पर हैं। सीएम की सुरक्षा की व्यवस्था पुलिस और प्रशासन ने की हुई है, उनके कार्यक्रम में किसी प्रकार की खलल उत्पन्न न हो इसलिए पुलिस ने कांग्रेस के कई कार्यकर्ताओं और नेताओं को नजरबंद कर दिया है। इन सभी को एडिशनल एसपी ऑफिस में नजरबंद किया गया है। नजरबंद किए गए नेताओं में जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य, जतिन जायसवाल आदि हैं।

संविदा आधार पर पदस्थ कर्मी मांग रहे घूस

प्रदेश सरकार रिश्वतखोरों पर सख्ती करने के मूड में, बीडीए, नगर निगम समेत अन्य विभागों पर नजर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रिश्वतखोरों पर सख्ती करने के मूड में हैं। अब ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ऐसे कर्मचारी जो संविदा आधार पर पदस्थ हैं और उनके खिलाफ रिश्वत मांगने की शिकायतें हुई है। सबसे पहले उन कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त किया जाएगा। इसकी जानकारी एकत्रित कर ली गई है।

शुरूआत राजधानी भोपाल से करने की तैयारी है। चूंकि भोपाल के नगर निगम, बीडीए से लेकर अन्य विभागों में पदस्थ कर्मचारी नाक के नीचे ही रिश्वत मांगते हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होती। अब ऐसे कर्मियों पर शिकंजा कसा जाएगा। सूत्रों ने बताया कि ऐसे मामलों में जो शासकीय सेवक रिश्वत लेते पकड़े गए हैं और आज तक उन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है या फिर रिश्वत की मांग करते हैं, पर बगैर ठोस प्रूफ के उन पर कार्रवाई नहीं हो पाती। इसकी सूची तैयार की गई है। इन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बताते हैं कि अभी जिस तरह से हर काम के लिए पैसे लेने का चलन बढ़ गया है, ऐसे कर्मचारियों के खिलाफ भी सख्ती होगी। इसकी शुरूआत भी सबसे पहले राजधानी भोपाल से करने की जानकारी है।

संभागीय समीक्षा बैठक से योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग

बरगी बांध से बदलेगी सतना जिले की तस्वीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संभागीय समीक्षा बैठकें शुरू करके विकास योजनाओं की नियमित समीक्षा और निगरानी का अवसर दिया है। संभागीय समीक्षा बैठकों में योजनाओं के क्रियान्वयन से प्रभावी मानीटरिंग होगी। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल शुक्रवार को रीवा में संभागीय समीक्षा बैठक में संबोधित कर रहे थे।

सितम्बर माह तक बरगी बांध का पानी सतना पहुंचाया जाएगा

बैठक में बताया गया कि बरगी टनल परियोजना की कठिनाई को दूर कर इस वर्ष सितम्बर माह तक बरगी बांध का पानी सतना पहुंचाया जाएगा। बरगी बांध के पानी से सतना जिले की तस्वीर बदल जाएगी। बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा संभाग में अपार खनिज संसाधन हैं। सिंगरौली में ऊर्जा उत्पादन का केन्द्र है। सतना में सीमेंट उत्पादन का केन्द्र है। इन्हें जोड़ने वाले ललितपुर-सिंगरौली रेलवे लाइन का काम तेजी से पूरा कराने के लिए सीधी और सिंगरौली के कलेक्टर भूअर्जन की कार्रवाई तत्परता से करें। आगामी 6 माह में सीधी-सिंगरौली हाईवे की टू लेन सड़क तथा गोपद पुल का निर्माण पूरा हो जाएगा। संभागीय समीक्षा बैठक में सांसद, मंत्री, विधायकगण तथा सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

फरवरी महीने में रीवा एयरपोर्ट का लोकार्पण

डिप्टी सीएम शुक्ल ने कहा कि रीवा एयरपोर्ट का फरवरी माह के अंत तक लोकार्पण हो जाएगा। सड़क रेलवे और हवाई सुविधा मिलते ही इस पूरे क्षेत्र का तेजी से विकास होगा। रीवा के सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल में कैंसर रोगियों के उपचार के लिए आधुनिक मशीन तथा 12 करोड़ की लागत से एमआरआई मशीन लगाई जा रही है। जनप्रतिनिधियों ने विकास के संबंध में जो सुझाव दिए हैं उन पर समुचित निर्णय लिया जाएगा। नोडल अधिकारी अतिरिक्त मुख्य सचिव ने जनप्रतिनिधियों के सुझावों व मुद्दों की विस्तृत जानकारी ली।

सीधी में ट्रांसफार्मर डिपो बनाने का मुद्दा गूंजा

बैठक में खराब ट्रांसफार्मर बदलने, सीधी में ट्रांसफार्मर डिपो बनाने, प्रधानमंत्री आवास योजना में छूटे हुए हितग्राहियों का नाम जोड़ने, जलजीवन मिशन के कार्यों की धीमी प्रगति, मनरेगा की तीन माह से लंबित मजदूरी के भुगतान, मऊगंज तथा मैहर जिले में समग्र पोर्टल एवं आधार पोर्टल को एकीकृत करने, गोवर्धन योजना, बगदरा अभ्यारण्य को डिनोटिफाई करने, चित्रकूट क्षेत्र में सिंचाई सुविधा, मंदाकिनी नदी की सफाई, रामपथ गमन मार्ग के निर्माण सहित विभिन्न मुद्दे उठाए। बैठक में रीवा जिले के पर्यटन विकास कैलेंडर का विमोचन किया।

कार्यभार ग्रहण कर बताया उद्देश्य

अच्छा कार्य करने वाले होंगे सम्मानित

गड़बड़ी करने वाले के साथ अब सख्ती से निपटा जाएगा

कार्यभार ग्रहण करने के बाद राजस्व मंत्री वर्मा ने ली बैठक

राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने कहा कि गड़बड़ी करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ सरकार सख्ती से निपटेगी। मंत्री वर्मा शुक्रवार को मंत्रालय में विभागीय कार्य शुरू करने बाद अधिकारियों की परिचयात्मक बैठक को संबोधित कर रहे थे। मंत्री वर्मा ने कार्यभार ग्रहण करने के पहले कक्ष में पूजा-अर्चन की।

मंत्री वर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में हम विकास पथ पर आगे बढ़ रहे हैं। मंत्रालय में कार्यभार ग्रहण करने के अवसर पर प्रमुख सचिव राजस्व निकुंज श्रीवास्तव उपस्थित थे। राजस्व अधिकारियों की परिचयात्मक बैठक में उप सचिव राजस्व सुश्री नेहा मारव्या, उप राहत आयुक्त सुश्री सुमन लता माहोर, संयुक्त राजस्व आयुक्त राजीव नंदन श्रीवास्तव उप राजस्व आयुक्त श्रीमती अलका सिंह बामनकर, श्रीमती नीतू सिंह गुप्ता, श्रीमती ऋषि मौर्य, लेखा श्रोती, ओएसडी राजस्व सुश्री सुनीता लाल, उप संचालक एमपीएलआरएम श्रीमती नमिता खरे उपस्थित थी।

शेयर खरीदने के बाद रहें बेफिक्र
भाव गिरे तब भी फायदे में रहोगे

हर सौदे में नुकसान से बचने के लिए हेजिंग करना जरूरी ● स्टॉक मार्केट में हेजिंग का मतलब रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी ● यह आपको बड़े नुकसान से बचाने में हर हाल में सक्षम ● शेयरों में पैसा लगाना बाजार जोखिमों के अधीन होता है ● फ्यूचर एंड ऑप्शन में कॉल और पुट की एक्सपायरी भी ● इसकी अवधि एक माह तक हो सकती है ● आप हर माह अपनी कैश पॉजिशन को नुकसान से बचा सकते हैं

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में पैसा लगाते वक्त एक डर हमेशा निवेशकों के मन में रहता है कि कहीं स्टॉक गिर तो नहीं जाएगा। यह चिंता बड़े निवेशकों को बहुत रहती है, क्योंकि जो व्यक्ति बाजार में 10 लाख, 1 करोड़ या उससे ज्यादा पैसा लगाता है तो शेयरों में गिरावट होने का डर लाजिमी है, लेकिन, शेयरों में करोड़ों रुपये लगाने वाले इन्वेस्टर्स नुकसान से बचने के लिए बीमा भी करा लेते हैं। आप सोचेंगे कि शेयर खरीदने पर कौन-सा इंश्योरेंस होता है हमने तो आज तक नहीं सुना। आपने नहीं सुना इसका यह मतलब नहीं है कि ऐसा नहीं होता है। चूंकि शेयरों में पैसा लगाना बाजार जोखिमों के अधीन है और जहां रिस्क है वहां खुद को सिक्योर करना बहुत जरूरी है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए शेयर बाजार में फ्यूचर एंड ऑप्शन के कॉन्सेप्ट को लाया गया है, जिन्हें हेजिंग टूल कहा जाता है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएं कि कि एफ एंड ओ यानि फ्यूचर एंड ऑप्शन क्या है। इसके क्या लाभ हैं। यह कैसे शेयर का भाव गिरने पर भी नुकसान नहीं होन देता।

जरा सोचिये, 13 लाख रुपये कितनी बड़ी रकम होती है और वह हम ऐसे बाजार में रखते हैं जहां रिस्क और रिवॉर्ड दोनों मिलते हैं। जिस तरह हम महंगी गाड़ी खरीदने पर इंश्योरेंस कराते हैं और कीमती जेवरों की सुरक्षा के लिए उन्हें लॉकर में रखते हैं, इन दोनों कामों के लिए हमें प्रीमियम या किराया देना होता है। ठीक उसी तरह फ्यूचर एंड ऑप्शन में प्रीमियम अदा करके अपनी 13 लाख रुपये की पॉजिशन को हेज कर सकते हैं।

क्या होती है हेजिंग

बाजार के जानकारों का कहना है कि स्टॉक मार्केट में हेजिंग का मतलब रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी यानी जोखिम प्रबंधन रणनीति है। इसका इस्तेमाल निवेशकों द्वारा शेयरों की कीमत में होने वाले से संभावित नुकसान को कम करने के लिए किया जाता है। हेजिंग की सुविधा शेयर, बॉन्ड, कमोडिटी और करेंसी सभी मार्केट में उपलब्ध है। इसे असानी से लिया जा सकता है। इसके कई प्रकार के लाभ होते हैं।

जोखिम से बचाने वाला बीमा

मान लीजिये आपने बहुत रिसर्च करके कोई शेयर खरीदा और आप आश्वस्त हैं कि आने वाले दिनों में शेयर का भाव बढ़ेगा, लेकिन, बाजार में इसकी कोई गारंटी नहीं होती है। एक बुरी खबर से शेयर औंधे मुंह गिर जाते हैं। ऐसे में अपनी पॉजिशन को हेज करना बहुत जरूरी है। मान लीजिये आप कोई भी स्टॉक खरीदते हैं, जिसका भाव 130 रुपये है। अगर आपने 130 के भाव से 10,000 शेयर खरीदे यानी कुल 13 लाख रुपये का निवेश किया।

आसानी के कर सकते हैं

फ्यूचर एंड ऑप्शन में पुट या कॉल ऑप्शन खरीद या बेचकर कैश मार्केट की पॉजिशन को आसानी से हेज किया जा सकता है। हालांकि, कॉल और पुट खरीदने में सिर्फ प्रीमियम देना होता है जो काफी कम होता है, जबकि सेल करने के लिए मार्जिन लगता है जो काफी ज्यादा होता है। इसलिए निवेशक कम पैसे में अपने निवेश किए गए रुपयों को आसानी से हेज कर सकते हैं और होने वाले नुकसान से बच सकते हैं।

यह भी कर सकते हैं

निवेशकों ने जिस स्टॉक के लिए 130 के भाव पर 10,000 शेयर खरीदे हैं। अगर शेयर गिरा तो नुकसान से बचने के लिए आप इस स्टॉक के 130 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन खरीद सकते हैं, जिसका भाव इस बाजार तक 4 रुपये तक चल रहा है और इसका लॉट साइज 10,000 है। आपको 40,000 रुपये का प्रीमियम देना होगा। यानी 13 लाख की कैश पॉजिशन में होने वाले नुकसान से बचने के लिए आपने 40,000 में पुट ऑप्शन खरीद लिया।

ऐसे होता है प्रॉफिट

अब आप देखिये कैश पॉजिशन में 1 लाख का प्रॉफिट होता है और पुट ऑप्शन में 40,000 का नुकसान भी हो जाए तो भी आप 60,000 के मुनाफे में रहेंगे। वहीं, अगर शेयर का भाव गिरकर 120 रुपये आ जाता है तो पुट ऑप्शन का प्रीमियम बढ़ेगा। ऐसे में कैश पॉजिशन में आपको 1 लाख का नुकसान होगा। वहीं, पुट का प्रीमियम बढ़कर 4 रुपये से बढ़कर 14 रुपये पहुंच जाता है तो यहां आपको 1 लाख रुपये का प्रॉफिट होगा यानी कैश पॉजिशन में 1 लाख का नुकसान और पुट ऑप्शन में 1 लाख का प्रॉफिट होने पर 'नो लॉस नो प्रॉफिट' रहेगा। अगर पुट का प्रीमियम 14 से बढ़कर 16 रुपये हुआ तो उल्टा आप 20,000 के प्रॉफिट में रहेंगे। हालांकि, फ्यूचर एंड ऑप्शन के जरिए हेजिंग करने के लिए शेयरों की चाल पर नजर रखना बहुत जरूरी है, जिस दिशा में शेयर बढ़े उसके हिसाब से पॉजिशन को काटना जरूरी है, ताकि ज्यादा से ज्यादा मुनाफा हासिल किया जा सके। बता दें कि फ्यूचर एंड ऑप्शन में कॉल और पुट की एक्सपायरी होती है, जिसकी अवधि एक माह होती है। आप हर माह अपनी कैश पॉजिशन को हेजिंग के जरिए नुकसान से बचा सकते हैं।

एक दो नहीं, बल्कि 5 तरह की होती हैं एसआईपी

बिजनेस डेस्क

क्षमता के हिसाब से निवेश कर कमा सकते हैं अच्छा पैसा

एसआईपी 10 से 30 फीसदी तक का रिटर्न देने में सक्षम

सालाना आधार पर एसआईपी की रकम को बढ़ाते जाएं

बिजनेस डेस्क। शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए यह जानना बेहद जरूरी है कि एसआईपी कितने प्रकार की होती है, एसआईपी के बार में सुना तो लगभग सभी ने होगा, लेकिन यह बात कम ही लोग जानते हैं कि एसआईपी भी कई तरह की होती है। बाजार के जानकारों का कहना है कि एसआईपी करीब पांच प्रकार की होती है। इसमें निवेश करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह आपको 10 से 30 फीसदी तक का रिटर्न देकर मालामाल करने में सक्षम होती है। जब कभी बात निवेश की आती है तो आपने अक्सर लोगों को ये सुझाव देते सुना होगा कि एसआईपी शुरू कर लो। एसआईपी यानी सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान। इसके तहत आप हर महीने एक तय रकम किसी म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। हालांकि, ये बात कम ही लोग जानते हैं कि एसआईपी भी कई तरह की होती है। आइए जानते हैं कितनी तरह की होती है एसआईपी और कैसे करती है काम।

1. रेगुलर एसआईपी

सबसे पहली है रेगुलर एसआईपी, जिसके तहत आप हर महीने एक तय रकम निवेश करते हैं। यह आप हर महीने, तिमाही या छमाही आधार पर कर सकते हैं। आपके पास ये विकल्प होता है कि आप तारीख खुद से चुन सकते हैं।

2. स्टेप-अप एसआईपी

इस एसआईपी के तहत आपको एक तय अवधि में एसआईपी को बढ़ाने की सुविधा मिलती है। जैसे सालाना आधार पर आप एसआईपी की रकम को बढ़ा सकते हैं। मान लीजिए कि आप हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करते हैं, तो इसके तहत आप उसे

हर साल 10 फीसदी या 5 फीसदी जो भी आप चाहे उस दर से बढ़ा सकते हैं. इसके तहत आपका निवेश ऑटोमेटिक तरीके से बढ़ता चला जाता है।

3. फ्लेक्सिबल एसआईपी

इसके बाद नंबर आता है फ्लेक्सिबल एसआईपी का, जिसके तहत आप अपनी एसआईपी में कुछ बदलाव कर सकते हैं। उदाहरण के लिए आप एसआईपी की रकम बढ़ा सकते हैं या घटा सकते हैं। हालांकि, अगर आप ऐसा कुछ करना चाहते हैं तो इसके लिए आपको अपने फंड हाउस को एसआईपी कटने की तारीख से करीब हफ्ते भर पहले बताना होगा।

4. ट्रिगर एसआईपी

यह सबसे दिलचस्प एसआईपी है। इसमें आप पैसे, समय और वैल्युएशन के आधार पर तय कर सकते हैं कि कब एसआईपी ट्रिगर होगी। आप इसके लिए पहले से ही कंडीशन लगा सकते हैं। जैसे अगर कीमत के आधार पर बात करें तो आप कंडीशन लगा सकते हैं कि जब एनएवी 1000 रुपये से अधिक हो जाए तो ट्रिगर एसआईपी शुरू हो जाए। वहीं, आप ये भी तय कर सकते हैं कि अगर एनएवी 1000 रुपये से कम हो जाए तो आपके कुछ अतिरिक्त पैसे एसआईपी में लगने लगें। इसी तरह से समय और वैल्युएशन के आधार पर भी ट्रिगर एसआईपी को प्लान किया जा सकता है।

5. इंश्योरेंस के साथ एसआईपी

ये वह एसआईपी होती है, जिस पर आपको टर्म इंश्योरेंस कवर भी मिलता है। अलग-अलग फंड हाउस में यह अलग-अलग तरीके से हो सकती है। कुछ इसके तहत पहली एसआईपी के अमाउंट का 10 गुना तक इंश्योरेंस कवर देते हैं, जो बाद में बढ़ता जाता है। यह फीचर सिर्फ इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में मिलता है और इस पर एक कैपिंग होती है, जैसे 50 लाख रुपये।

इन्वेस्टमेंट जल्दी शुरू करें

जल्दी इन्वेस्टमेंट से मतलब है, कम उम्र में निवेश शुरू कर देना। ऐसा करके आप एसआईपी में ज्यादा टाइम तक इन्वेस्ट कर रिटर्न के रूप में बड़ा अमाउंट पा सकते हैं। एसआईपी में जितना दिन आपका इन्वेस्टमेंट रहेगा, आपको उतनी ही ज्यादा कंपाउंडेड रिटर्न मिलेगा। इसलिए 20 से 30 साल की उम्र के बीच इन्वेस्टमेंट शुरू कर दें।

रेगुलर इन्वेस्टमेंट करें

रेगुलर इन्वेस्टमेंट से एक फाइनेंशियल डिसिप्लिन मेंटेन होता है। इसका एक और फायदा है-अगर आप रेगुलर इन्वेस्टमेंट करते हैं, तो कई बार औसत लागत से ज्यादा फायदा मिल जाता है। इसका मतलब यह है कि अगर कीमतें कम होती हैं, तो आप ज्यादा यूनिट खरीदते हैं और जब कीमतें ज्यादा होती हैं तो आप कम यूनिट खरीदते हैं। इस तरह के एसआईपी करने से शेयर बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का जोखिम कम हो जाता है।

सही फंड का चयन करें

म्यूचुअल फंड से बेहतर रिटर्न के लिए सही फंड चुनना काफी जरूरी है। वैसे म्यूचुअल फंड का चयन करें जो आपके फाइनेंशियल गोल के हिसाब से हों। इसके अलावा मार्केट के रिस्क और फंड की ग्रोथ के अनुमान को देख कर ही उसका चयन करें।

पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करें

पोर्टफोलियो को डाइवर्स रखने से आप मार्केट के रिस्क से भी बच जाते हैं और रिटर्न भी बेहतर मिलने की संभावना बढ़ा जाती है। इसलिए इक्विटी, डेट, गोल्ड, रियल एस्टेट और दूसरे फंड में इन्वेस्ट करने की सोचें। इससे एक के प्रॉफिट से दूसरे के नुकसान की भरपाई हो जाती है।

समय के साथ अमाउंट बढ़ाएं

जैसे-जैसे आपकी इनकम बढ़ती जाती है, आप अपने इन्वेस्टमेंट के अमाउंट को भी बढ़ाएं। वेल्थ बढ़ाने का यह एक बेहतर तरीका है। इसलिए आप धीरे-धीरे एसआईपी के अमाउंट को बढ़ाकर बढ़ी हुई इनकम का लाभ ले सकते हैं।

सोना या शेयर 2024 में किस से चमकेगी आपकी किस्मत

अक्सर देखने में आता है कि निवेशकों की निगाह हमेशा ऐसे विकल्पों को खोजती रहती है, जो उन्हें तगड़ा रिटर्न दिला सके। वर्ष 2023 को देखें तो सोना और सेंसेक्स दोनों ने ही जमकर रिटर्न दिया है। ऐसे में निवेशकों के लिए ये दोनो एसेट्स निवेश का बेहतर विकल्प बनकर उभरे हैं। वैसे भी कहा जाता है कि निवेशकों के लिए शेयर और सोना दोनों ही पोर्टफोलियो में रखना फायदेमंद होता है।

बिजनेस डेस्क

साल 2023 निवेशकों के लिए काफी गोल्डन रहा है। शेयर बाजार हो या सोना, दोनों ने ही जमकर रिटर्न दिया। इससे सैकड़ों निवेशक मालामाल हुए हैं। सेंसेक्स ने जहां ऐतिहासिक आंकड़ों को छू लिया तो सोना भी पहली बार 60 हजार के पार पहुंचा। अब बाजार के जानकारों के अनुमान है कि वर्ष 2024 भी निवेशकों को जमकर मुनाफा देकर जाएगर। ऐसे में सवाल उठता है कि इस साल निवेशकों को किस एसेट्स पर ज्यादा दांव लगाना चाहिए, सोने पर या शेयरों में। इस बारे में एक्सपर्ट ने निवेशकों के लिए कई काम की जानकारियां दी हैंए जिससे सारी कंफ्यूजन दूर हो गई। वर्ष 2023 को देखें तो सोना और सेंसेक्स दोनों ने ही जमकर रिटर्न दिया है। ऐसे में निवेशकों के लिए ये दोनो एसेट्स निवेश का बेहतर विकल्प बनकर उभरे हैं। वैसे भी कहा जाता है कि निवेशकों के लिए शेयर और सोना दोनों ही पोर्टफोलियो में रखना फायदेमंद होता है।

- **दोनों ही दे रहे एफडी से दोगुना रिटर्न, फिर बेस्ट क्या**
- **शेयर और सोना दोनों पोर्टफोलियो में रखना फायदेमंद**
- **शेयर बाजार में करीब 10 हजार अंकों का उछाल दिखा**
- **बाजार ने अपने निवेशकों को 16 फीसदी का रिटर्न दिया**
- **गोल्ड में पैसे लगाने वाले को 15 फीसदी का रिटर्न मिला**

बाजार ने पिछले साल 16 फीसदी रिटर्न दिया

अगर हम 2023 पर नजर डालें तो शेयर बाजार में करीब 10,000 अंकों का उछाल दिखा है। इसका मतलब है कि बाजार ने अपने निवेशकों को करीब 16 फीसदी का रिटर्न दिया है। इसी तरह, अगर गोल्ड पर नजर दौड़ाई जाए तो 2023 में इस विकल्प में पैसे लगाने वाले को करीब 15 फीसदी का जबरदस्त रिटर्न मिला है। ऐसे में हम 2024 को लेकर एक्सपर्ट से शेयर बाजार और सोना दोनों का ही ग्रोथ प्रोजेक्शन लेकर आए हैं, जिससे निवेशकों को यह जानने में आसानी होगी कि वे अपना पैस किस विकल्प में लगाएं।

शेयर बाजार फिर देगा तगड़ा रिटर्न

इक्विटी और शेयर बाजार के जानकारों का कहना है कि साल 2024 में भी सेंसेक्स का प्रदर्शन जबरदस्त रहेगा। उन्होंने बताया कि 2024 की समाप्ति तक सेंसेक्स 83,250 और निफ्टी 25,000 के आंकड़े को पार कर सकता है। बता दें कि हाल ही में सेंसेक्स 71,434 पर बंद हुआ है। इस हिसाब से देखा जाए तो 2024 में सेंसेक्स करीब 12 हजार अंकों का उछाल हासिल कर सकता है। यह करीब 14.41 फीसदी का रिटर्न हुआ। इससे पहले 2 जनवरी, 2023 को सेंसेक्स 61,168 के स्तर पर बंद हुआ था। यानी शेयर बाजार से निवेशकों को इस साल 14 फीसदी से ज्यादा रिटर्न मिलने का अनुमान है।

सोने पर क्यों लगाएं दांव

एक जानी मानी कमोडिटी फर्म का कहना है कि ग्लोबल मार्केट में जिस तरह के हालात चल रहे हैं और महंगाई ने पूरी दुनिया पर दबाव बना रखा है तो 2024 में भी गोल्ड की कीमतों में तेज उछाल का अनुमान है। उन्होंने कहा कि गोल्ड ने 2023 को 63,203 रुपये के स्तर पर क्लोज किया और अपने निवेशकों को 14.88 फीसदी का जबरदस्त रिटर्न दिया। 3 जनवरी, 2024 को 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव 63,344 रुपये रहा, जो साल के आखिर तक 72 हजार रुपये तक जा सकता है। इस लिहाज से एक तोला सोना खरीदने वाले को प्रति 10 ग्राम करीब 9 हजार रुपये का फायदा होगा। इसका मतलब है कि गोल्ड पर इस साल 15.2 फीसदी का रिटर्न मिलने का अनुमान है। इसलिए निवेशक गोल्ड में भी पैसा लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। वैसे भी गोल्ड को निवेश का सबसे अच्छा विकल्प माना जाता रहा है। ऐसे में गोल्ड पर पैसा लगाना काफी लाभकारी साबित हो सकता है।

फिर दोनों में बेस्ट कौन

आंकड़ों से स्पष्ट है कि न शेयर बाजार और सोना दोनों ही दहाई अंकों में रिटर्न दे रहे हैं। दोनों का ही अनुमान लगभग एक जैसा है। ऐसे में निवेशकों को दोनों ही विकल्पों को अपने पोर्टफोलियो में रखना चाहिए। जो निवेशक ज्यादा जोखिम उठाने की क्षमता रखते हैं, उन्हें ज्यादातर पैसे शेयर बाजार में लगाने चाहिएं। वहीं, कम जोखिम की क्षमता रखने वालों को सोने पर दांव लगाना चाहिए। सोने पर इसलिए भी ज्यादा भरोसा है, क्योंकि ग्लोबल मार्केट में चल रही उथल-पुथल को देखें तो सोने की मांग आगे और बढ़ने का अनुमान है। इसके अलावा महंगाई व बढ़ती ब्याज दरों की वजह से भी सोना हॉट कमोडिटी बना रहेगा।

ये फंड दे जाते हैं कम रिस्क में स्टेबल रिटर्न, टैक्स के लिहाज से बेहतर हैं आर्बिट्राज फंड

किन लोगों को करना चाहिए इनमें इनवेस्ट, म्यूचुअल, आर्बिट्राज फंड, कम रिस्क में बेहतर रिटर्न की गारंटी

म्यूचुअल फंड्स से अलग हैं आर्बिट्राज फंड

बिजनेस डेस्क

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को आमतौर पर यही सलाह दी जाती है कि किसी फंड में पैसे लगाने के बाद धैर्य के साथ सही समय का इंतजार करें और उसे बेचने का फैसला तभी करें, जब आपके निवेश की वैल्यू पर्याप्त रूप से बढ़ जाए। लेकिन इनवेस्टमेंट का एक तरीका ऐसा भी है, जिसमें फंड मैनेजर इक्विटी में निवेश तभी करता है, जब उसे मुनाफा सामने नजर आ रहा हो। सही मौका मिलते ही वह एक हाथ से निवेश करता है और दूसरे हाथ से बेचकर प्रॉफिट बुक कर लेता है। बाकी तमाम एसेट्स की तुलना में बिलकुल अलग ढंग से काम करने वाले इस फंड का नाम है आर्बिट्राज म्यूचुअल फंड। निवेश की बिलकुल अलग स्ट्रैटजी के कारण इसे इक्विटी में निवेश का सबसे कम जोखिम वाला तरीका भी कहा जा सकता है।

इक्विटी इनवेस्टमेंट के मामले में आर्बिट्राज का मतलब है, किसी एक शेयर की एक समय में दो अलग-अलग बाजारों या एक्सचेंज में दो अलग-अलग कीमतों के बीच मौजूद अंतर का फायदा उठाकर उसकी खरीद-बिक्री करना। मिसाल के तौर पर अगर एक शेयर का दाम एक स्टॉक एक्सचेंज में ज्यादा और दूसरे एक्सचेंज में कम हो, तो उसे एक ही साथ सस्ते बाजार से खरीदकर महंगे बाजार में बेचा जा सकता है और इस तरह फौरन मुनाफा कमाया जा सकता है। इसी तरह स्पॉट मार्केट और फ्यूचर्स मार्केट यानी वायदा बाजार में एक ही शेयर की अलग-अलग कीमत का लाभ भी उठाया जा सकता है।

आर्बिट्राज का फायदा

आर्बिट्राज के जरिए मुनाफा कमाने में दो दिक्कतें हैं- एक तो इसके लिए काफी हुनर और वक्त चाहिए, क्योंकि आपको एक साथ लगातार कई बाजारों और शेयरों पर नजर रखकर आर्बिट्राज के मौके तलाशने पड़ते हैं। दूसरी दिक्कत यह है कि दो बाजारों के बीच शेयरों की कीमतों में अंतर आम तौर पर काफी कम होता है। लिहाजा पर्याप्त मुनाफा कमाने के लिए बार-बार बड़े वॉल्यूम वाली डील करना जरूरी है। किसी आम निवेशक के लिए निजी तौर पर ऐसा करना मुश्किल है। लेकिन आर्बिट्राज फंड में निवेश करके इस स्ट्रैटजी का लाभ लिया जा सकता है।

मौके तलाशते हैं फंड मैनेजर

फंड मैनेजर और उनकी टीम लगातार आर्बिट्राज के मौके तलाशते रहते हैं और बार-बार खरीद-बिक्री करके मुनाफा कमाते हैं। सबसे खास बात यह है कि आर्बिट्राज फंड का मैनेजर किसी इक्विटी में निवेश तभी करता है, जब उसे किसी और मार्केट में मुनाफा दिख रहा हो। लिहाजा, इसमें नुकसान का रिस्क बेहद कम हो जाता है। फंड मैनेजर्स को जब इक्विटी में मुनाफा नहीं दिखता तो वो फंड को शॉर्ट टर्म मनी मार्केट या डेट इंस्ट्रूमेंट्स में पार्क करके रखते हैं, ताकि उस पर कुछ न कुछ रिटर्न मिलता रहे।

टैक्स बेनिफिट

आर्बिट्राज फंड दरअसल हाइब्रिड फंड हैं, जिन्हें टैक्सेशन के लिहाज से इक्विटी फंड की कैटेगरी में रखा जाता है। यानी अगर इसमें किए गए निवेश को 1 साल तक होल्ड करने के बाद निकाला जाए, तो उस पर 1 वित्त वर्ष के दौरान हुए 1 लाख रुपये तक के मुनाफे पर कोई टैक्स नहीं लगता। इससे ज्यादा मुनाफा होने पर 10 फीसदी की दर से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स लगता है। 1 साल से पहले निवेश निकालने पर होने वाले प्रॉफिट पर 15 फीसदी की दर से शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स देना पड़ता है।

पिछले 1 साल में 8% तक रिटर्न

आर्बिट्राज फंड में निवेश पर जोखिम तो बहुत कम होता है, क्योंकि फंड मैनेजर प्रॉफिट दिखने पर एक बाजार से स्टॉक खरीदकर उसे दूसरे बाजार में बेच देता है, लेकिन ऐसे मौके ज्यादा नहीं मिलते और दो बाजारों में कीमतों का अंतर भी बहुत कम होता है। इसलिए इनमें मिलने वाला रिटर्न भी औसत ही रहता है। पिछले 1 साल में देश के कुछ टॉप आर्बिट्राज फंड ने लगभग 8 फीसदी तक सालाना रिटर्न दिया है। टैक्स बेनिफिट को जोड़ दें तो यह रिटर्न और भी बेहतर नजर आएगा। हालांकि इसे भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं माना जा सकता।

किसे करना चाहिए निवेश

आर्बिट्राज फंड में निवेश का रिस्क प्रोफाइल डेट फंड की तरह होता है। यही वजह है कि कई आर्बिट्राज फंड बेंचमार्क के तौर पर लिक्विड फंड इंडेक्स का इस्तेमाल करते हैं। आर्बिट्राज फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प हैं जो इक्विटी में निवेश करना चाहते हैं, लेकिन जोखिम नहीं उठाना चाहते। उतार-चढ़ाव वाले बाजार में, जोखिम से परहेज करने वाले कई निवेशक अपना पैसा आर्बिट्राज फंड में रखकर औसत रिटर्न ले सकते हैं। अगर आप ऊंचे टैक्स ब्रैकेट में आते हैं, तो टैक्स बचत के लिहाज से आर्बिट्राज फंड में निवेश करना आपके लिए अच्छा विकल्प हो सकता है। पिछले बजट में डेट फंड पर टैक्स बेनिफिट खत्म किए जाने के बाद तो यह और भी आकर्षक ऑप्शन हो गया है। कुछ जानकार यह सलाह भी देते हैं अगर आप अपने सेविंग अकाउंट में ज्यादा पैसे रखते हैं, तो उसका कुछ हिस्सा आर्बिट्राज फंड में लगा सकते हैं।

इस समय समूचा देश राममय है। 22 जनवरी को रामलला की प्राणप्रतिष्ठा होने जा रही है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद से राम मंदिर निर्माणाधीन है। इसका एक भाग इस माह की 22 जनवरी तक तैयार हो जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा रामलला की प्राणप्रतिष्ठा की जाएगी। इस समारोह को भव्य बनाया जा रहा है। सभी दलों, अनेक संतों समेत देश विदेश के हजारों गणमाण्य लोगों को भव्य समारोह के लिए आमंत्रित किया गया है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले राम मंदिर में प्राणप्रतिष्ठा पर राजनीति भी शुरू हो गई है। विपक्ष की ओर से सरकार पर तीखे आरोप लगाए जा रहे हैं कि भाजपा राम का राजनीतिक फायदा लेने के लिए यह सब कर रही है। भाजपा के निर्माण के कुछेक वर्ष के बाद से अयोध्या में राम मंदिर निर्माण पार्टी के कोर एजेंडे में रहा है। आज अगर राम मंदिर बन रहा है, तो निश्चित ही इसे भाजपा के संकल्प व अभियान का प्रतिफल माना जाएगा। राम व मंदिर पर राजनीति का आंकलन करता आजकल का यह अंक...

'राममय' का सांस्कृतिक-राजनीतिक दौर

विश्लेषण

सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

श्रीराम के बिना भारत की कल्पना ही नहीं की जा सकती। नववर्ष 2024 की शुरुआत हुई है, तो भारत 'राममय' हो उठा है। यह हिन्दुओं का ही नहीं, राष्ट्र के उत्सव का दौर है। मुसलमान भी राम पर फूलों की बरसात कर रहे हैं। अयोध्या विवाद में जो इकबाल अंसारी बाबरी मस्जिद के पक्षकार थे, वह भी 'राममय' हो चुके हैं। वह प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान के दौरान मौजूद रहेंगे। यह देश के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक गौरव का दौर है। 'राममय' होने की राजनीति का भी प्रबल विरोध किया जा रहा है। विपक्ष के अलग अलग नेता अपने बयानों से विरोध्र के बहाने राम की छवि को धूमिल करने के कुत्सित प्रयास करते नजर आ रहे हैं। विपक्षी भी अयोध्या जाएं व प्रभु राम की भक्ति की तरंगों का लाभ ग्रहण करें।

मुझे 11 जून, 1989 की तारीख बार-बार याद आती है। उस दिन हिमाचल प्रदेश की 'चाय-घाटी' पालमपुर में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक थी। लालकृष्ण आडवाणी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। पार्टी के सभी शीर्षस्थ नेता बैठक में मौजूद थे। तब भाजपा एक नवजात-सी पार्टी थी। मैंने एक जूनियर पत्रकार के तौर पर कार्यकारिणी को कवर किया था। जब मीडिया को ब्रीफ किया गया कि एक प्रस्ताव पारित किया गया है कि अयोध्या में प्रभु राम का भव्य और दिव्य मंदिर बनाया जाएगा। गांव-गांव 'राम' के नाम की शिलाएं पूजी जाएंगी और अंततः उन्हें अयोध्या भेजा जाएगा। आडवाणी सोमनाथ मंदिर से अयोध्या तक की रथ-यात्रा करेंगे और देश भर में राम मंदिर को लेकर एक सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सामाजिक आंदोलन छेड़ा जाएगा। तब मैं भाजपा के प्रस्ताव की राजनीति और उसकी व्यापकता को समझ नहीं पाया था। पालमपुर में भाजपा ने एक ऐतिहासिक रैली भी की और पालमपुर से शिमला तक मार्च भी निकाला गया। कुछ अंतराल के बाद हिमाचल में विधानसभा चुनाव हुए, तो भाजपा को बहुमत मिला और शांता कुमार दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। उसी वर्ष आम चुनाव में भाजपा के 86 सांसद जीत कर लोकसभा में आए, जबकि उससे पहले सदन में भाजपा के मात्र 2 ही सांसद थे। यहां से भाजपा का पुनरोत्थान और विस्तार शुरू हुआ। आज अयोध्या में 'राम मंदिर' ने आकार ले लिया है और त्रेता युग का दौर जीवंत हो उठा है। 22 जनवरी को प्रभु राम की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा का अनुष्ठान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक 'यजमान' के तौर पर करेंगे।

सांस्कृतिक पुनरोत्थान का प्रतीक

दरअसल श्रीराम के बिना भारत और लोकतंत्र की कल्पना ही नहीं की जा सकती। नववर्ष 2024 की शुरुआत हुई है, तो भारत 'राममय' हो उठा है। यह हिन्दुओं का ही नहीं, राष्ट्र के उत्सव का दौर है। मुसलमान भी राम पर फूलों की बरसात कर रहे हैं। अयोध्या विवाद में जो इकबाल अंसारी बाबरी मस्जिद के पक्षकार थे, वह भी 'राममय' हो चुके हैं। वह प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान के दौरान मौजूद रहेंगे। यह देश के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक गौरव का दौर है। ऋग्वेद, सामवेद और यजुर्वेद के मंत्रोच्चार और यज्ञों का दौर है। उन कारसेवकों की आत्मा की शांति के लिए भी पूजन किए गए हैं, जिन्हें 'राममय' मान कर मार दिया गया था। हालांकि अब मैं इस अध्याय को विस्मृत करने के पक्ष में हूं, क्योंकि श्रीराम 'क्षमावादी' थे। अयोध्या त्रेता युग में देवनगरी थी, श्रीराम की जन्मस्थली थी, आज भी उसका स्थान बैकुंठ से कम नहीं है। प्रभु राम के जयघोष हैं, मंत्रोच्चार, शंखनाद, डमरू वादन है, फूलों की बरसात में लोग नृत्यमग्न हैं, क्योंकि राम अयोध्या में अपने महलनुमा मंदिर में प्रतिष्ठित होने जा रहे हैं। अयोध्या को कभी 'अभिशप्त नगरी' भी मान लिया गया था। वह कुछ दुराग्रही नेताओं की दुर्बुद्धि और आसुरी कर्म था। वे अयोध्या में प्रवेश करने से हिचकते

थे, लेकिन आज खुद को 'राममय' साबित करने की होड़ में जुटे हैं। प्रभु राम और भारत, उसके लोकतंत्र के आपसी संबंधों का सच यह है कि संविधान की किताब में राम-सीता का चित्र छपा है। देश के प्रधान न्यायाधीश की सीट पर धर्म की व्याख्या है, लिहाजा धर्म कोई छुआछूत का विषय नहीं है, जिसे राजनीति से अलग रखा जाए। राजनीति लोकतंत्र का ही प्रारूप है। अयोध्या का राम मंदिर सांस्कृतिक पुनरोत्थान का प्रतीक है, तो राजनीति का भी मुद्दा है। भाजपा अपने सभी चुनाव घोषणा-पत्रों में इसे शामिल करती रही है। साफ है कि वह इस मुद्दे पर जनादेश मांगती आई है। इसी मुद्दे ने भाजपा को 303 सांसदों के प्रचंड बहुमत तक पहुंचा दिया है। बेशक अन्य मुद्दे भी महत्वपूर्ण रहे हैं। राम मंदिर के उद्घोष पर जो उन्माद और ध्रुवीकरण भाजपा के पक्ष में पैदा होता रहा है, उससे राजनीतिक लक्ष्य भी साधे गए हैं। भाजपा माने या न माने, राम मंदिर 2024 के आम चुनाव का सबसे अहं मुद्दा साबित होगा।

राम पर विपक्ष की ओछी सियासत

'राममय' होने की राजनीति का भी प्रबल विरोध किया जा रहा है। राजनीति से अलग ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा है कि चुनावी फायदे के लिए भाजपा अयोध्या में राम मंदिर के एक ही हिस्से का उद्घाटन करवा रही है। भगवान राम की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा चुनाव के मद्देनजर कराई जा रही है। सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी ने एक ही धर्म के राजनीतिकरण के कारण राम मंदिर समारोह का बहिष्कार किया है। एनसीपी के अध्यक्ष शरद पवार सरीखे वरिष्ठ नेता ने बयान दिया है कि जो सत्ता में हैं, उन्हें गाय और गौमूत्र ही दिखाई देता है। उन्हीं की पार्टी के एक मराठी नेता ने यहां तक अनर्गल अलाप किया है कि राम 'मांसाहारी' थे। किसी ने आशंका जताई है कि अयोध्या में 'गोधरा जैसे दंगे' कराए जा सकते हैं। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने जनता के सामने सवाल किया है कि आपको मंदिर चाहिए अथवा अस्पताल! वह जरा अपने पिता लालू यादव से पूछ लें कि जेल से छूटने के बाद वह सबसे पहले हनुमान मंदिर क्यों गए थे? कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और वरिष्ठ सांसद सोनिया गांधी को समारोह के निमंत्रण-पत्र भेजे जा चुके हैं, लेकिन वे मुस्लिम वोट की खातिर असमंजस में हैं, लिहाजा अपना कार्यक्रम नहीं बताया है, लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने पार्टीजनों को राम मंदिर जाने की छूट देकर एक सौहार्दपूर्ण निर्णय किया है। सवाल हो सकता है कि जब देश 'राममय' हो चुका है, तो ऐसी नफरत क्यों फैलाई जा रही है? क्या राम-विरोध से विपक्षियों को ज्यादा वोट मिल सकेंगे? यदि भाजपा हिन्दुत्व की राजनीति कर रही है, तो विरोधी भी जातीय गणना की सियासत कर ही रहे हैं। इसके अलावा विपक्ष के राजनीतिक

एजेंडे में मस्जिदवाद, अडाणी भी हैं। विपक्ष की राजनीति बेरोजगार, महंगाई, भ्रष्टाचार के मुद्दे तक ही सीमित नहीं है। यह तो लोकतंत्र है। त्रेता युग में भी श्रीराम का विरोध करने वाले असुर, खलनायक थे, लिहाजा अब कलयुग में क्या अपेक्षा की जा सकती है?

तीर्थस्थल के तौर पर अयोध्या का उदय

अयोध्या विवाद पर सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ ने सर्वसम्मत फैसला सुनाया था कि वहां राम मंदिर का निर्माण कराया जाए। भूखंड तय करने और ट्रस्ट बनाने का दायित्व प्रधानमंत्री को सौंपा गया था, लिहाजा उन्होंने कैबिनेट के जरिए यह काम किया। मस्जिद के लिए भी अयोध्या के पास ही भूखंड तय किया गया है। मेरी जानकारी है कि अब मुस्लिम लॉ बोर्ड और बाबरी मस्जिद समिति उस भूखंड को कबूल करने को तैयार है। यदि अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाया गया है और रेलवे स्टेशन को जंक्शन बनाकर शेष देश के लिए 'अमृत भारत' और 'वंदे भारत' रेलगाड़ियां शुरू की गई हैं, तो उनके उद्घाटन प्रधानमंत्री नहीं करेंगे, तो क्या विपक्ष करेगा? अयोध्या में विश्व स्तरीय 20 होटलों के लिए ज़मीन दी गई है। एक अनुमान है कि प्रभु राम की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा होने के बाद औसतन 3 लाख श्रद्धालु हररोज़ अयोध्या में आ सकते हैं। हिसाब लगाएं कि यदि इतने श्रद्धालु और पर्यटक अयोध्या आएंगे, तो उस नगरी और आसपास के इलाकों की अर्थव्यवस्था कितनी समृद्ध होगी? अयोध्या को भी, अर्थव्यवस्था के लिहाज से, रोम, मक्का-मदीना और भारत के ही तिरुपति मंदिर की जमात में रखा जा सकेगा। अयोध्या का तो परिसंस्कार किया जा रहा है। बेशक नरेन्द्र मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री हैं, जो विवादों के बाद अयोध्या गए और राम नगरी के चैतरफा परिसंस्कार का दायित्व निभाया। अयोध्या का तो चेहरा ही बदलने लगा है।

आस्था से राजनीति तक

आम चुनाव के मद्देनजर अयोध्या के राम मंदिर पर भाजपा ही नहीं, आरएसएस और विहिप ने एक 'मास्टर प्लान' तैयार की है। संघ परिवार के कार्यकर्ता गांव-गांव, घर-घर जाकर आमंत्रण बांट रहे हैं और पावन कार्यक्रम के सीधा प्रसारण को देखने के लिए लोगों को मानसिक तौर पर तैयार कर रहे हैं। भाजपा और संघ परिवार 15 जनवरी तक करीब 12 करोड़ परिवारों के 60 करोड़ लोगों से संपर्क करेंगे। उन्हें भगवान राम का चित्र और पूजित अक्षत (चावल) देंगे। उन्हें 22 जनवरी के समारोह को सामूहिक तौर पर देखने, भजन और भोग का न्योता दिया जा रहा है। विहिप ने 22 जनवरी को देश के 5 लाख गांवों के मंदिरों, धार्मिक या सार्वजनिक स्थलों में भी आयोजनों का लक्ष्य तय किया है। भाजपा और संघ परिवार की यह पूरी कवायद 'राममय' होने के लिए है। भाजपा ने आम चुनाव में 50 फीसदी या उससे अधिक वोट हासिल कर 350-400 सीटें जीतने का लक्ष्य तय किया है। ऐसा लक्ष्य विपक्ष भी तय कर सकता है। राम मंदिर संघ परिवार के लिए आस्था और देश की अस्मिता का प्रतीक है, तो राजनीतिक मकसद भी है। विपक्षी भी अयोध्या जाएं व प्रभु राम की भक्ति की तरंगों का आध्यात्मिक लाभ ग्रहण करें। इसमें गलत क्या है? मात्र विरोध के लिए विरोध से विपक्ष पुनर्जीवित नहीं होगा।

भारतीय अस्मिता के सांस्कृतिक पुरुष श्रीराम

प्राण प्रतिष्ठा

प्रो. निरंजन कुमार
अधिष्ठाता, दिल्ली विश्वविद्यालय

22 जनवरी 2024, यह दिन इतिहास में अमर हो जाएगा। सदियों की सांस्कृतिक गुलामी के बाद इस दिन प्राचीन सांस्कृतिक नगरी अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा और नवनिर्मित मंदिर के उत्सव का कार्यक्रम है। आज पूरे भारत ही नहीं बल्कि भारत से जुड़े हुए संसार के हर हिस्से में रहने वाले लोगों की भावनाएँ हिलोरें ले रही हैं। प्रश्न उठता है क्यों राम को लेकर देश और दुनिया गुंजायमान है? क्या राम सिर्फ हिंदुओं के आराध्य देव हैं? या क्या श्रीराम केवल उत्तर भारत के देव हैं? गाहे-बगाहे कुछ लोग इस तरह का वितंडा खड़ा करते रहते हैं, जबकि अगर आप रामकथा को देखें तो श्रीराम का चरित्र न केवल सार्वदेशिक है, बल्कि सार्वपंथिक, सार्वजनीन और सर्व समावेशी भी। अयोध्या के श्रीराम परम ईश्वर तो हैं ही, इसके अतिरिक्त वे एक विराट सांस्कृतिक पुरुष भी हैं जिनसे पूरा भारतवर्ष ही नहीं संसार के विभिन्न देश युगों-युगों से प्रभावित हुए हैं।

सबके राम

सभी क्षेत्रों, भाषाओं, जातियों और धर्मों के लोगों ने अपने-अपने तरीके से रामायण अथवा रामकथा को रचा है। केवल 'हिंदू' कहलाने वाले समाज ही नहीं बल्कि बौद्ध, जैन, सिख आदि भारतीय पंथों के साथ-साथ मुसलमान और ईसाइयों तक को रामकथा ने गहरे प्रभावित किया है। वाल्मीकि के 'आदि रामायण' के बाद व्यास रचित महाभारत में भी 'रामोपाख्यान' के रूप में यह कथा वर्णित हुई है। फिर बौद्ध परंपरा में श्रीराम से संबंधित 'दशरथ जातक जैसी कथाएँ उपलब्ध हैं। जैन साहित्य में स्वयंभू कृत 'पउमचरिउ' जैसे रामकथा संबंधी कई ग्रंथ हैं। सिख धर्म में भी राम का महत्वपूर्ण स्थान है, जिन्हें राम अवतार या राजा राम कहा जाता है। गुरु गोविंद सिंह द्वारा रचित दशम ग्रंथ के अन्तर्गत 'चौबीस अवतार' में राम का उल्लेख भगवान विष्णु के 24 दिव्य अवतारों में से एक के रूप में किया गया है। मुसलमानों में कवि रहीम ने, जो तुलसी के समकालीन थे, राम के आदर्श को नमन करते हुए लिखते हैं 'रामचरित मानस विमल, संतन जीवन प्राण/हिन्दुआन को वेद सम, यवनहीं प्रकट कुरान', तो ईसाइयों में रामकथा के प्रामाणिक शोधकर्ता फादर कामिल बुल्के के अनुसार "जिन आदर्शों, जीवन-मूल्यों और सामाजिक समरसता की प्रतिष्ठा के लिए श्रीराम संघर्ष करते हैं वे पूरे भारतीय जीवन-संस्कृति में रचे-बसे हैं"। स्पष्ट है कि श्रीराम सभी पंथों से परे एक ऐसे सांस्कृतिक चरित्र हैं जो भारतीय संविधान की प्रस्तावना में प्रयुक्त 'पंथनिरपेक्ष' शब्दावली के सच्चे प्रतीक के रूप में मौजूद हैं।

समस्त भारतीयता के प्रतिनिधि

भौगोलिक दृष्टि से देखें तो उत्तर से लेकर दक्षिण और पूर्व से लेकर पश्चिम सभी दिशाओं में रामकथा विद्यमान है। पूर्व में 'कृतिवास रामायण' और पूर्वोत्तर के रामायणों की चर्चा होती है, तो महाराष्ट्र में 'भावार्थ रामायण' है। उत्तर में वाल्मीकि रामायण और रामचरितमानस हैं, तो दक्षिण में कम्ब रामायण है। विभिन्न भारतीय भाषाओं में हिन्दी में 11, मराठी में 8, बाङ्ला में

25, तमिल में 12, तेलुगु में 12 तथा उड़िया में 6 महत्वपूर्ण रामायण मिलते हैं। इसके अतिरिक्त गुजराती, मलयालम, कन्नड़, असमिया,कश्मीरी, उर्दू, अरबी, फारसी, संथाली व पूर्वोत्तर आदि की अनेक भाषाओं में रामकथा लिखी गयी। इस दृष्टि से राम समस्त भारतीयता के प्रतिनिधि चरित्र हैं।

सार्वभौमिक चरित्र राम

यही नहीं, भारत के बाहर भी संसार के अनेक देशों में अनेक भाषाओं में रामचरित्र आपको दिखाई पड़ेगा। विदेशों में भी 'तिब्बती रामायण'; पूर्वी तुर्किस्तान की 'खोतानी रामायण'; इंडोनेशिया की 'ककबिनरामायण'; जावा का 'सेरतराम', 'सैरीराम', 'रामकेलिंग', 'पातानीरामकथा'; इण्डोचाइना की 'रामकेर्ति','खमैररामायण'; म्यांमार की 'यूतोकी रामयागन'; थाईलैंड की 'रामकियेन' आदि रामचरित्र के सार्वभौमिकता का बखूबी बखान करती हैं।

समावेशी राम

श्रीराम सर्व समावेशी भी हैं, सामाजिक समरसता के सच्चे प्रतीक हैं। यह अनायास नहीं कि तथाकथित सवर्ण जातियों के अतिरिक्त पिछड़े-दलित तथा आदिवासी जातियों के लोगों ने भी राम को अपनी रचना का विषय बनाया। कबीर "मेरा मन रामहि आहि" कहते हैं तो रैदास "जब मन मिलो राम-सागर सों" की धुन लगाते हैं। इक़बाल जैसे शायर ने तो श्रीराम की शान में कविता लिखी। उन्होंने श्रीराम को हिंदू धर्म का प्रतीक न मान कर भारत की सांस्कृतिक धरोहर के प्रतीक के रूप में पहचाना है।

सामाजिक समरसता के प्रतीक

सामाजिक समरसता के प्रतीक श्रीराम सामाजिक दृष्टि से राज पुरुष होते हुए भी सभी समुदायों, सभी जातियों, सभी वर्गों और समुदायों के प्रति समानधर्मा और समभावी हैं। एक तरफ उनका आत्मीय संबंध कोल, किरात, भील, शबर, गुह और निषाद आदि ओबीसी या आदिवासी लोगों के साथ है, तो दूसरी तरफ पशु-पक्षियों और वृक्षों-पादपों से भी उनका वैसा ही प्रगाढ़ संबंध है। केवट, गुह और निषादराज आदि जहाँ राम के मित्र हैं, वहीँ भाव-विभोर होकर भीलनी माता शबरी के झूठे बेर भी श्रीराम खाते हैं। एक ओर पक्षीराज जटायु के प्रति करुणा व्यक्त करते हैं तो वानरश्री हनुमान उनके अंतरंग है, और भल्लूकराज जामवंत और वानरराज सुग्रीव उनके मित्र।

आज भी प्रेरणास्रोत

आज के भौतिकतावादी युग में सामाजिक विघटन और पारिवारिक मूल्यों के क्षरण के दौर में जिस तरह से सारे सामाजिक और पारिवारिक संबंध टूट रहे हैं, भाई अपने भाई से, पिता अपने पुत्र से, और मित्रता के संबंध जब क्षणभंगुर हो रहे हैं, ऐसे में भी राम का उदात्त चरित्र शाश्वत प्रेरणास्पद और मन में एक उत्साह जगाने वाला दिखाई पड़ता है। राम का चरित्र एक तरफ करुणा सम्पन्न है तो दूसरी तरफ वीर और शौर्यवान भी। अपने पराक्रम रूप में वे राक्षसों के आतंक का खत्म कर सज्जनों को दिलासा देते हैं। आज जब संसार आतंकवाद की विभीषिका झेल रहा है, ऐसे में भी श्रीराम का यह रूप संसार को एक वैश्विक संदेश दे सकता है।

सार्वजनीन चरित्र श्रीराम का ऋषि-मुनियों, भक्तों-संतों और कवियों आदि ने महिमा मंडन तो किया ही, आधुनिक काल में भी विभिन्न मनीषियों और चिंतकों जैसे विवेकानंद, महर्षि अरविंदो, तिलक, रवींद्रनाथ ठाकुर, महात्मा गांधी, विनोबा भावे और लोहिया राम चरित्र से बहुत प्रभावित थे, और अपने लेखन का विषय बनाया। भारत के कण-कण में, हर मन में राम विराजमान हैं। श्रीराम वह सांस्कृतिक पुरुषोत्तम हैं जो देश-काल से परे हैं। श्रीराम जिन जीवन मूल्यों, आदर्शों, मर्यादा और सामाजिक समरसता की प्रतिष्ठा के लिए संघर्ष करते हैं, वे भारतीयों के जीवन-संस्कृति में रचे-बसे हैं। यह अकारण नहीं कि जिस निर्माणाधीन राम मंदिर की आज चर्चा हो रही है उसके निर्माण के लिए निधि समर्पण में पूरी दुनिया में बसे हिन्दू भारतीयों लोगों के साथ-साथ कम्युनिस्ट, बौद्ध, पारसी, ईसाई व मुसलमान ने भी सहयोग किया है। यह देश सदा ऋणी रहेगा क्योंकि यह राम मंदिर ही नहीं, राष्ट्र मंदिर भी है।

'धर्मराज्य' के लिए मिलती रहेगी प्रेरणा

राम मंदिर

प्रो. महेश चंद गुप्ता
शिक्षाविद् व डीयू के पूर्व प्रोफेसर

हर सनातनी और राष्ट्रवादी देशवासी उस घड़ी का साक्षी बनने को आतुर है, जब अयोध्या के श्रीराम मंदिर में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। सनातन संस्कृति के आस्थावान इस अवसर को दिव्य, अद्भुत, अलौकिक तथा देश के सम्मान की पुनर्स्थापना का मार्ग प्रशस्त करने वाला मान रहे हैं। आशा की जा रही है कि श्रीराम लला के अयोध्या में विराजमान होने के बाद भारत फिर से राम राज्य के आदर्श बनने की ओर अग्रसर होगा।

22 तारीख के इंतजार में देश में कुछ वैसा ही माहौल है, जिस प्रकार दीपावली और स्वाधीनता दिवस से पहले हुआ करता है। देश का हर नागरिक इस दिन दीप प्रज्वलित करने के लिए तत्पर है। सनातन धर्म और संस्कृति में जिनकी आस्था है, उनके लिए जितना 15 अगस्त के दिन का महत्व है, उतना ही जनवरी की 22 तारीख का भी होगा। यह कोई साधारण दिन नहीं है और न ही आसानी से देखना नसीब हो रहा है। यह कई पीढ़ियों द्वारा सदियों तक किए गए प्रयासों-संघर्षों का परिणाम है। श्रीराम के प्रयोजन के लिए जिन लोगों ने अपना सर्वस्व होम कर दिया, यह उन हुतात्माओं के बलिदान का प्रतिफल है।

अयोध्या में बना यह मंदिर देश के लिए सिर्फ पूजास्थल नहीं है बल्कि यह हमारे लिए तप, त्याग और संकल्प प्रतीक और स्थायी प्रेरणापुंज बनने जा रहा है। इसकी वजह साफ है-श्रीराम का यह भव्य मंदिर जिस आंदोलन की बदौलत आकार ले पाया है, वह अर्पण, तर्पण और संकल्प से ओत-प्रोत आंदोलन था। उसी अर्पण, तर्पण और संकल्प की बदौलत ये मंदिर कोटि-कोटि लोगों की सामूहिक संकल्प शक्ति और हमारे राष्ट्र का प्रतीक बनने जा रहा है। जन मान्यता है कि इसी मंदिर में श्री रामलला के विराजित होने के उपरांत राम राज का शिलान्यास भी हो जाएगा। उस राम राज की आधारशिला रखी जाएगी, जिसकी परिकल्पना न जाने कब से हम भारत के लोग कर रहे हैं। सदियों की प्रतीक्षा समाप्त होने जा रही है।

अभी हम जिस कालखंड में जी रहे हैं, वह भारत के लिए क्रांतिकारी, गौरवशाली और बड़े सकारात्मक बदलावों का कालखंड है। पूरी दुनिया हमारी संस्कृति को मान रही है। भारत की गौरवशाली और प्राचीन संस्कृति की तरफ लोगों का रूझान है। पाश्चात्य संस्कृति की ओर खिंचे रहने वाले युवा भी हमारी संस्कृति को पुनः अंगीकार कर रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद समेत सौ से ज्यादा संस्थाएं समाज को जाग्रत कर रही हैं। निश्चय ही आने वाला समय अच्छा समय है, इसमें श्रीराम मंदिर मील का पत्थर बनने जा रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने तो अगले पच्चीस सालों में मंदिर से राम राज की यात्रा का शुभारंभ करने की तैयारी शुरू की है। इसके लिए संघ की एक महत्ती योजना है, जिसके तहत संघ अगले पच्चीस सालों में ऐसे सशक्त भारत का निर्माण करना चाहता है, जिसकी बदौलत भारत एक बार पुनः विश्व गुरु बने। वर्ष 2047 में देश की आजादी के एक सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर आरएसएस की जो परिकल्पना है, उसे साकार करने के लिए केन्द्र बिंदू राम का मंदिर है और संघ समाज की सभी संस्थाओं को राम

राज्य की परिकल्पना के अनुरूप संवैधानिक दायरे में स्थापित करने का रोडमैप बना रहा है। संघ चाहता है आगामी पच्चीस सालों में प्रत्येक व्यक्ति का हृदय ऐसा हो, जिसमें श्रीराम स्वयं बसें और हर व्यक्ति अपने व्यक्तिगत एवं पारिवारिक जीवन की रचना इसी के अनुरूप करे।

आज यह सब करने की जरूरत इसलिए पड़ रही है क्योंकि अतीत में समय चक्र कुछ ऐसे चला, जिससे आसुरी शक्तियां हावी हो गईं। विदेशी आक्रांताओं की वजह से एक लंबे कालखंड तक देश में प्रतिकूल हालात बने रहे। आक्रांताओं ने हमारे विशाल भवन नष्ट कर दिए। हमारे अस्तित्व के खात्मे की कोशिशें की गईं मगर वह श्रीराम को भला किस प्रकार मिटा पाते। उस राम को कैसे मिटाते, जो कण-कण में हैं, हर जन के हृदय में हैं। वक्ती तौर पर भवनों को ढहा देने वाले आक्रांता खुश हो कर चले गए लेकिन जिस प्रकार काले बादलों का अंधेरा छंटने पर सूर्य की सप्त रश्मियां वातावरण को फिर से जगमग कर देती हैं, उसी प्रकार राम मंदिर की बदौलत देश में सुख, शांति, समृद्धि, वैभव की जगमगाहट होना तय हो गया है। विरोध कर रहे मुट्ठी भर नेताओं को समझना चाहिए कि राम मंदिर किसी एक व्यक्ति अथवा पार्टी का नहीं है, इससे करोड़ों लोगों की आस्था जुड़ी है। राम किसी एक के नहीं, सबके हैं। समूचे संसार के हैं। भारतवर्ष में करोड़ों लोगों की आस्था के केन्द्र राम हैं तो अनेक विदेशों में भी हैं।

आज यह धारणा बलवती हो रही है कि राम मंदिर अनंत काल तक समूची मानवता को प्रेरणा देगा तो यह अकारण नहीं है। शास्त्रों में उल्लेख इस बात का है कि श्रीराम के समान कोई नीतिवान समूची धरा पर कभी नहीं हुआ। कोई गरीब व दुःखी न हो, यह राम राज का उद्देश्य था। श्रीराम का संदेश यह था कि नर-नारी को समान भाव से सुख मिले और बुजुर्गों व बच्चों की सदैव रक्षा हो।

कुछ लोगों के मन में प्रश्न उठ सकता है कि आखिर राम राज क्या है? राम राज एक सामाजिक व्यवस्था का नाम है। यह एक ऐसी व्यवस्था है, जिसकी परिकल्पना महात्मा गांधी ने भी की थी। राम राज रूपी सामाजिक व्यवस्था समर्पण एवं त्याग की भावनाओं से ओत-प्रोत है। राम राज ऐसी व्यवस्था का द्योतक है, जिसमें शांति, सत्य और जन भावना का समावेश लाजिमी है। इसमें 'प्राण जाए पर वचन न जाए' की भावना निहित है। लोक भावनाओं के सम्मान के बिना तो राम राज की कल्पना ही नहीं की जा सकती है। तुलसी दास जी ने राम राज के बारे में रामायण में जो लिखा है, उसे देखिए। वे कहते हैं- ''दैहिक, दैविक, भौतिक तापा, रामराज काहु नहीं व्यापा।'' अर्थात राम जी के राज में न देह से संबंधित रोग थे, न दैवीय प्रकोप और न ही भौतिक आपदाओं का प्रभाव व्याप्त था।

महात्मा गांधी के 20 मार्च, 1930 को हिन्दी पत्रिका 'नवजीवन' में 'स्वराज्य और रामराज्य' शीर्षक से प्रकाशित लेख में राम राज्य का बहुत ही सुंदर शब्दों में वर्णन किया गया है। गांधी जी लिखते हैं कि ''स्वराज्य के कितने ही अर्थ क्यों न किए जाएं, तो भी मेरे नजदीक तो उसका त्रिकाल सत्य एक ही अर्थ है, और वह है रामराज्य, यदि किसी को रामराज्य शब्द बुरा लगे तो मैं उसे धर्मराज्य कहूंगा। रामराज्य शब्द का भावार्थ यह है कि उसमें गरीबों की संपूर्ण रक्षा होगी। सब कार्य धर्म पूर्वक किए जाएंगे और लोकमत का हमेशा आदर किया जाएगा। सच्चा चिंतन तो वही है, जिसमें रामराज्य के लिए योग्य साधन का ही उपयोग किया गया हो। यह याद रहे कि रामराज्य स्थापित करने के लिए हमें पाण्डित्य की कोई आवश्यकता नहीं है। जिस गुण की आवश्यकता है, वह तो सभी वर्गों के लोगों- स्त्री, पुरुष, बालक और बूढ़ों- तथा सभी धर्मों के लोगों में आज भी मौजूद है। दुःख मात्र इतना ही है कि सब उसे जगाते नहीं हैं। सत्य, अहिंसा, मर्यादा-पालन, वीरता, क्षमा, धैर्य आदि गुणों का हममें से हरेक व्यक्ति परिचय दे सकता है। श्रीराम का मार्ग मानवता का मार्ग है। जब-जब हम श्रीराम के मार्ग पर चले हैं तो विकास ने बाहें फैलाई हैं लेकिन यह भी सत्य है कि जब-जब हम राम जी के रास्ते से भटके हैं तो हमारा पतन हुआ है। अब हम राम के मार्ग पर हैं। हमारा मूल रास्ता ही यही है क्योंकि राम हमारी संस्कृति के आधार हैं।

भूकंप के बाद बारिश और बर्फबारी

जापान इशिकावा प्रांत सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र

126 से ज्यादा भूकंप से हुई मौतें

200 लोग लापता तलाश जारी

सैकड़ों घायल उपचारत

- राहत सामग्री नहीं पहुंचने से मडराया खतरा
- सबसे ज्यादा मौतें वाजिमा में 69, सुजु में 38, घायल 27
- मकान ढहकर सड़कों पर मलबे के रूप में तब्दील

खबर संक्षेप

श्रीनगरः बडगाम में ओजीडब्ल्यू नेटवर्क ध्वस्त

जम्मू। बडगाम पुलिस ने बीरवाह क्षेत्र में ओजीडब्ल्यू नेटवर्क को ध्वस्त करते हुए लश्कर-ए ताइबा से जुड़े 7 आतंकी मददगारों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी बीरवाह और उसके आसपास इलाके में पोस्टर चस्पा कर राष्ट्र विरोधी और आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे थे। पुलिस ने आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की है। आरोपियों की पहचान रोमेन रसूल शेख, इरफान, रिजवान नजीर शेख, साहिल जाविद शेख सभी निवासी बोनेट समेत अन्य के रूप में हई।

ट्रुडो के प्लेन में फिर आई खराबी

ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो को एक बार फिर से शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो अपने परिवार के साथ छुट्टी पर थे और इसी दौरान विदेश में उनका प्लेन खराब हो गया। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो अपने परिवार के साथ छुट्टी मनाने के लिए कैरेबियाई देश जमैका गए हुए थे। 26 दिसंबर से ही जस्टिन ट्रूडो अपने परिवार के साथ जमैका में थे और गुरुवार को उन्हें कनाडा वापस लौटना था।

हाईजैक शिप के अंदर घुसी मार्कोज कमांडो की टीम, 24 घंटे में 21 क्रू सदस्यों को बचाया

लुटेरों के चंगुल से मुक्त भारतीयों के खिले चेहरे, 'भारत माता की जय' से गूंजा समुद्र

◆ नौसेना की मार्कोज टीम ने जहाज में सैनिटाइजेशन ऑपरेशन चलाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय नौसेना ने बहादूरी की एक ओर मिशाल पेश की है। उसने अपनी सूझबूझ से शुक्रवार को उत्तरी अरब सागर में हाईजैक हुए मालवाहक जहाज 'एमवी लीला नॉरफॉक' में समुद्री लुटेरों के चंगुल में फंसे सभी 21 लोगों को बचा लिया, जिनमें 15 भारतीय भी शामिल हैं। इस घटना के बाद हर कोई भारतीय नौसेना की तारीफ कर रहा है। इन सबके बीच एक नौसेना ने एक वीडियो साझा किया है, जिसमें बचाए गए लोगों की खुशी साफ देखी जा सकती है। लोग भारत माता की जय के नारे लगाते और भारतीय नौसेना के जवानों को धन्यवाद देते नजर आए।

- भारतीय नौसेना की चेतावनी के बाद हाईजैकर्स जान बचाकर भागे
- नौसेना ने पूरे शिप को कब्जे से छुड़ाने के लिए अपनी एलीट मार्कोज टीम को भी उतारा
- भारतीय नौसेना में 1987 में एलीट कमांडो फोर्स मार्कोज का गठन

भारतीय नौसेना द्वारा साझा किए वीडियो में एक भारतीय कहता दिख रहा है कि उसे बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। वहीं, एक अन्य ने कहा कि 24 घंटे से डर में थे। अब हमें राहत मिली है। इसी बीच, एक शख्स ने कहा कि हम सब भारत की नौसेना पर गर्व महसूस करते हैं। फिर क्या था सब लोग एक सुर में 'भारत माता की जय' के नारे लगाने लगे।

हर भारतीय की जान बचाने को तत्पर है भारतः अनुराग ठाकुर

एमवी लीला नोरफोक हाईजैक घटना पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि भारत की पहचान है कि वो हर एक भारतीय की जान बचाने के लिए कुछ भी करता है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक नहीं, अनेक उदाहरण दिए हैं कि कैसे हर भारतीय की जान को बचाया जाए।

डर से भाग निकले लुटेरे

जवानों ने जहाज को चारों ओर से घेर लुटेरों को चेतावनी दी। मार्कोस कमांडो अगवा पोत पर उतरे और उसकी तलाशी ली तो कोई लुटेरा वहां मौजूद नहीं था। वे जवानों को देखकर वहां से भाग गए। आईएनएस चेन्नई कार्गो शिप एमवी लीला नॉरफॉक के पास मौजूद है। जहाज में बिजली उत्पादन और नेविगेशन सिस्टम को बहाल करके उसे अगले बंदरगाह तक यात्रा शुरू करने में मदद की जा रही है।

वीडियो में दिखी खुशी

वीडियो में एक भारतीय कहता दिख रहा है कि उसे बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। वहीं, एक अन्य ने कहा कि 24 घंटे से डर में थे। अब हमें राहत मिली है। इसी बीच, एक शख्स ने कहा कि हम सब भारत की नौसेना पर गर्व महसूस करते हैं। फिर क्या था सब लोग एक सुर में 'भारत माता की जय' के नारे लगाने लगे।

नौसेना ने जहाज को घेरा

नौसेना के मार्कोस कमांडो ने बताया था कि सूचना मिली थी कि जहाज पर हथियार से लैस पांच से छह लोग सवार हैं, जिनके बारे में कुछ जानकारी नहीं है। इस पर जहाज का पता लगाने के लिए तुरंत एक युद्धपोत, समुद्री गश्ती विमान पी-8 आई और लंबी दूरी के 'प्रीडेटर एमक्यू9बी ड्रोन' को तैनात किया गया।

लॉरेंस गैंग के सदस्यों की 4 संपत्तियां कीं अटैच

आतंक-अपराध और नशे पर एनआईए का... बड़ा एक्शन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय जांच एजेंसी देश में आतंकी-गैंगस्टर और ड्रग तस्करी के मकड़जाल को खत्म करने की दिशा में कदम उठा रही है। ऐसे ही एक और बड़े कदम में एआईए ने 6 दिसंबर को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की संगठित टेरर-क्राइम सिंडिकेट के सदस्यों की चार चार संपत्तियों को अटैच किया।

एनआईए ने हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश में समन्वित छापेमारी में संपत्तियां कुर्क की गईं। एनआईए ने हथियार जब्ती मामले में जम्मू-कश्मीर में एक आवासीय घर को कुर्क किया। ये सभी संपत्तियां आतंकवाद की आय हैं, जिनका इस्तेमाल आतंकी साजिश रचने में किया जाता है।

यह संपत्तियां अटैच

संपत्तियों में लखनऊ के गोमती नगर एक्टेंशन में सुलभ आवास योजना के आश्रय-1 का फ्लैट-77/4 शामिल है, जो लखनऊ में आतंकी गिरोह के आश्रयदाता विकास सिंह से संबंधित है। कुर्क की गई दो अन्य संपत्तियां पंजाब के फाजिल्का के गांव बिशनपुरा की हैं जो आरोपी दलीप कुमार उर्फ भोला उर्फ दलीप बिश्नोई के स्वामित्व में थीं। हरियाणा के यमुनानगर निवासी जोगिंदर सिंह के नाम पर पंजीकृत एक फॉर्च्यूनर कार भी जब्त की गई। विकास सिंह लॉरेंस बिश्नोई का सहयोगी है, जिसने पंजाब पुलिस मुख्यालय पर रॉकेट-प्रोपेल्ड ग्रेनेड हमले में शामिल आरोपियों समेत आतंकियों को शरण दी।

फॉर्च्यूनर कार का इस्तेमाल

जोगिंदर सिंह लॉरेंस के करीबी गैंगस्टर काला राणा का पिता है। जोगिंदर सिंह पर आरोप है कि वह आतंकी कृत्यों के लिए हथियार और गोला-बारूद के ले जाने के लिए अपनी फॉर्च्यूनर कार का इस्तेमाल करने दे रहा था। आरोपी दलीप कुमार की संपत्ति का इस्तेमाल हथियारों को रखने और आतंकी गिरोह के सदस्यों को शरण देने के लिए किया जा रहा था।

यूएसः टेक ऑफ के बाद विमान की खिड़की उड़ी

घटना के बाद जांच में जुटी टीम

1. अमेरिका के ओरेगॉन में अलास्का एयरलाइंस के विमान की इमरजेंसी लैंडिंग की
2. यात्री बोला-खिड़की उड़ने के बाद सामने मौत दिखने लगी
3. अलास्का एयरलाइंस में सवार 177 यात्रियों की जान बाल-बाल बची

फल-फूल रहा है होटल उद्योग

जम्मू में 77 साल का रिकॉर्ड टूटा, 2 करोड़ पर्यटक पहुंचे

एजेंसी ▶▶ जम्मू

जम्मू-कश्मीर में पिछले साल रिकॉर्ड 2 करोड़ पर्यटक आए। यह पिछले 77 साल में सबसे अधिक है। यह अनुच्छेद-370 हटाए जाने के बाद परिवर्तन का संकेत है। इससे रोजगार बढ़े हैं। होटल उद्योग फल-फूल रहा है। पिछले वर्ष यहां 100 से अधिक फिल्मों की शूटिंग हुई।

फ्रांस ने कश्मीर के उभरते आकर्षण पर एक रिपोर्ट पेश की है। दशकों के संघर्ष के बाद विदेशी यात्रियों के लिए खुलने वाला एक भूला हुआ स्वर्ग बताया गया है।

आकर्षण का नया युग

प्रवक्ता ने कहा कि ल फिगारो की रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि यह जम्मू-कश्मीर के संघर्षग्रस्त अतीत से एक समृद्ध वर्तमान तक की यात्रा को खूबसूरती से दर्शाती है। भूले हुए स्वर्ग को विश्व मंच पर अपनी स्थिति फिर से हासिल करने के रूप में चित्रित किया गया है, जो जादू और आकर्षण के एक नए युग का प्रतीक है।

झूम उठे सीमा पर रहने वाले लोग

आजादी के 75 साल बाद जम्मू-कश्मीर के कुंडियां और पतरू गांव में पहुंची बिजली

एजेंसी ▶▶ कुपवाड़ा

देश को आजादी मिले हुए 75 साल हो गए हैं, लेकिन अभी भी दूर-दराज के कई ऐसे गांव हैं, जहां अबतक बिजली नहीं पहुंची है। जम्मू-कश्मीर के केरन सेक्टर में एलओसी के पास ऐसे ही दो गांवों में पहली बार बिजली पहुंचाई गई है।

एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि कुपवाड़ा जिला के केरन इलाके में कुंडियां और पतरू गांव में 75 साल में पहली बार बिजली पहुंची है। यहां रहने वाले लोगों ने पहली बार बिजली का अनुभव महसूस किया है। उन्होंने बताया कि समृद्ध सीमा योजना के तहत स्थापित किए गए 250-केवी के दो सब स्टेशनों का उद्घाटन कश्मीर मंडलायुक्त वीके भिदुरी ने किया है।

■ यहां रहने वाले लोगों ने पहली बार बिजली का अनुभव महसूस किया

लोगों ने जताया आभार

प्रवक्ता ने कहा कि इन गांवों में रहने वाले लोगों ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के सुशासन के प्रति आभार व्यक्त किया, जिसने देश से अलग-थलग पड़े समुदायों में ग्रिड कनेक्टिविटी पहुंचाई। उन्होंने बताया, जैसी ही उनके घर बिजली की रोशनी से जगमगाए, वातावरण खुशी और उल्लास से भर गया, जो कई दशकों का लंबा इंतजार खत्म होने का प्रतीक था। उन्होंने दावा किया कि इन गावों में लाइट पहुंचाने का प्रोजेक्ट रिकॉर्ड दो महीनों में पूरा किया गया है। कश्मीर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड इलेक्ट्रक डिवीजन, कुपवाड़ा द्वारा इस विद्युतीकरण परियोजना को धरातल पर पहुंचाया गया है।

सीमा पर भारतीय सुरक्षाबल मुस्तैद

पीओके के जंगलों में लगी भीषण आग भारतीय सीमा तक फैली

एजेंसी ▶▶ पुंछ

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के एक जंगल में लगी आग भारतीय सीमा तक फैल गई है। आग के लगातार बढ़ने की वजह से भारत में सुरक्षाबलों के जवान सतर्क हो गए हैं, ताकि आग की आड़ में किसी तरह की घुसपैठ न हो सके।

यह आग जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास वन क्षेत्र तक फैल गई है। आग शुक्रवार देर रात पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भड़की और मेंढर उपमंडल के बालाकोट सेक्टर तक फैल गई।

अलर्ट जारी

भीषण आग को देखते हुए नियंत्रण रेखा पर अलर्ट जारी कर दिया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आग की आड़ में आतंकवादी घुसपैठ की कोशिश न कर सकें। अधिकारियों ने बताया कि नियंत्रण रेखा की रक्षा कर रहे सेना के जवान आग बुझाने का प्रयास कर रहे हैं।

विपक्षी दल बीएनपी ने चुनाव का बहिष्कार किया, आरोप- चल रही है 'अवैध सरकार'

बांग्लादेश में आज मतदान और दूसरी तरफ हड़ताल, कई नेता गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश में रविवार को होने वाले मतदान की तैयारी पूरी हो चुकी है। इस चुनाव पर भारत और पाकिस्तान की पैनी निगाह है। इस चुनाव में मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) चुनाव नहीं लड़ रही है।

विपक्षी दल बीएनपी ने चुनाव का बहिष्कार किया है और ''अवैध सरकार'' के खिलाफ 48 घंटे की राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। वहीं दूसरी तरफ पुलिस ने विपक्ष के कई नेताओं के इससे पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। बता दें, हसीना 2009 से सत्ता में हैं। उन्होंने चुनाव दिसंबर 2019 में जीता था, जिसमें जानलेवा हिंसा हुई थी और चुनाव में धांधली के आरोप लगे थे। बीएनपी ने 2014 में भी चुनाव का बहिष्कार किया था।

बांग्लादेश में आज होने वाले चुनाव की तैयारियां पूर्ण

- हसीना के चौथी बार जीतने पर लोगों को आर्थिक स्थिति और खराब होने का डर
- चुनाव पर भारत और पाकिस्तान की पैनी निगाह
- चुनाव में उतरे 27 राजनीतिक दल

42,000 से अधिक मतदान केंद्रों पर वोटिंग होगी

देश के निर्वाचन आयोग के अनुसार, 42,000 से अधिक मतदान केंद्रों पर मतदान में कुल 11.96 करोड़ पंजीकृत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। चुनाव में 27 राजनीतिक दलों के 1,500 से अधिक उम्मीदवार मैदान में हैं और उनके अलावा 436 निर्दलीय उम्मीदवार भी हैं। भारत के 3 पर्यवेक्षकों समेत 100 विदेशी पर्यवेक्षक निगरानी रखेंगे।

चुनाव निष्पक्ष और विश्वसनीय नहीं...

बीएनपी ने शनिवार से 48 घंटे की देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। जो 27 राजनीतिक दल चुनाव लड़ रहे हैं उनमें विपक्षी जातीय पार्टी भी शामिल है। बाकी सत्तारूढ़ आवामी लीग की अगुवाई वाले गठबंधन के सदस्य हैं जिसे विशेषज्ञों ने ''चुनावी गुट'' का घटक सदस्य बताया है। बीएनपी ने चुनाव का बहिष्कार करते हुए 6 जनवरी को सुबह 6 बजे से 8 जनवरी को सुबह 6 बजे तक 48 घंटे की देशव्यापी आम हड़ताल का आह्वान किया है। मौजूदा सरकार के रहते कोई भी चुनाव निष्पक्ष और विश्वसनीय नहीं होगा।

श्रीमद् भागवत कथा में सुरेंद्र शास्त्री के उदगार

जीव पर अकारण कृपा करते हैं भगवान

जबलपुर। श्रमजीवी पत्रकार परिषद युवा प्रकोष्ठ जबलपुर संभाग के तत्वावधान में आयोजित मानकुंवर मैरिज गार्डन दीनदयाल चौक में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के दौरान भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं का मनमोहक मंचन किया गया। माखन चोरी की लीला करते हुए भगवान ने जैसे ही गोवर्धन पर्वत उठाया, पूरे पंडाल में भगवान श्री कृष्ण के जयकारे गूंजने लगे। व्यास पीठ से कथावाचक सुरेंद्र कृष्ण शास्त्री महाराज ने कहा कि भगवान जीवों पर अकारण कृपा करते हैं। वह अत्यंत करुणामई एवं दीनों के नाथ हैं। हमको सिर्फ भक्ति करके अपने मन को निर्मल बनाना है। जैसे ही मन निर्मल होगा जीव को भगवत प्राप्ति हो जाएगी। इसके साथ ही व्यास पीठ से सुरेंद्र शास्त्री महाराज ने भगवान श्री कृष्ण की विभिन्न लीलाओं का व्याख्यान किया। भागवत कथा के मुख्य यजमान लीलावती विश्वकर्मा, टीएन कृष्णा

विश्वकर्मा, रवींद्र दयावंती कागदीगर एवं प्रदीप विश्वकर्मा ने व्यास पीठ का पूजन किया। पूजन कार्य आचार्य अमित उपाध्याय एवं संजय उपाध्याय ने संपन्न कराया।

भागवत कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का झांकी के रूप में मनमोहक मंचन हुआ। कन्हैया ने ग्वाल बालों के साथ माखन चोरी तथा मटकी फोड़ने की लीला की और भक्तों को प्रसाद वितरित किया। श्री कृष्ण भगवान ने अपने हाथ की उंगली से गोवर्धन पर्वत उठाने की लीला का मंचन किया। भक्तों ने पुष्प वर्षा करके श्रीकृष्ण एवं गोवर्धन भगवान का पूजन कर परिक्रमा लगाई। इस दौरान भगवान को छप्पन भोग अर्पित किए गए।

आज धूमधाम से होगा श्री कृष्ण रुक्मणी विवाह-

श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन आज रविवार को शाम 6:00 बजे कथा स्थल पर भगवान श्री कृष्ण एवं रुक्मणी जी का विवाह धूमधाम से संपन्न होगा। इसके लिए विवाह मंडप सहित अन्य तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं। इस अवसर पर परिषद के राष्ट्रीय संयोजक नलिनकांत बाजपेयी, राष्ट्रीय अध्यक्ष परमानंद तिवारी, राष्ट्रीय महासचिव गंगाचरण मिश्रा, प्रदेश अध्यक्ष देवशंकर अवस्थी, प्रदेश महासचिव राजेश दुबे, सुनील साहू, विलोक पाठक, राजीव उपाध्याय, चंद्रशेखर शर्मा, विवेक यादव, जिला अध्यक्ष रविंद्र शर्मा, युवा प्रकोष्ठ के संभागीय अध्यक्ष शुभम शुक्ला, महासचिव सुधीर खरे, प्रवक्ता सत्यजीत यादव, संजय साहू, सृजन शुक्ला, श्याम विश्वकर्मा उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट कंट्रोल रूम कर्मियों ने किया नवागत कलेक्टर का स्वागत

जबलपुर। ये सिर्फ एक कलम नहीं बल्कि संस्कारधानी की आम जनता की आशाओं का प्रतिबिंब है इसी कलम से हमारे शहर में आपके हाथों विकास की एक नई इबारत लिखी जाएगी तो आपको भेंट की जा रही इस कलम का जीवन भी सार्थक हो जायेगा। ये बात जबलपुर कलेक्टर बनाये गये भारतीय प्रशासनिक सेवा के वर्ष 2010 बैच के अधिकारी दीपक कुमार सक्सेना से कलेक्ट्रेट कंट्रोल रूम के उमाशंकर अवस्थी, विकास गुप्ता हर्षमनोज दुबे गडविन चार्लस अनूप सिंह बघेल हिमांक कोष्टा ने कलेक्टर दीपक कुमार सक्सेना को कलम भेंट करते हुए कही। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को दीपक कुमार सक्सेना ने जबलपुर कलेक्टर पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर जिले के सभी प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। सभी ने अपना अपना परिचय दिया और नवीन दायित्व के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी।

ऊर्जा मीटर तकनीशियन प्रोग्राम के प्रमाणपत्रों का हुआ वितरण

जबलपुर। बजरंगबली श्रमिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान, जबलपुर में पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (पीएफसी) के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के तहत सेक्टर स्किल कौंसिल के मार्गदर्शन में, ऊर्जा मीटर तकनीशियन प्रोग्राम के प्रमाणपत्र वितरण समारोह का आयोजन सफलता से किया गया। इस अवसर का मुख्य उद्देश्य था की समाज के उपभोक्ताओं को ऊर्जा मीटर सेवाओं के क्षेत्र से सुपरिचित करने के लिए तकनीशियनों को प्रशिक्षित करना था, जो संबंधित सेक्टर में विशेषज्ञता एवं कौशल प्रदान करने में सक्षम हों। इस महत्वपूर्ण समारोह में कार्यक्रम में संबन्धित विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को और भी महत्वपूर्ण बना दिया। समारोह में उपस्थित अधिकारीगण ने अपने प्रेरणादायक भाषणों द्वारा इस पहल को सराहा और उसके महत्वपूर्णीयता को बताया। इसके पश्चात, संस्थान द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को पिछली प्लेसमेंट की बधाई दी गई। यह प्रोग्राम समाज के उत्साही और कुशल युवाओं को एक नई रोजगारी के अवसर प्रदान करके उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाने का संदेश देता है। इससे न केवल समाज को नौकरी के नये अवसर मिलेंगे, बल्कि साथ ही ऊर्जा सेवाओं के क्षेत्र में नए और पेशेवर तकनीशियनों की एक नई पीढ़ी की तैयारी भी हो रही है।

यह प्रमाणपत्र वितरण समारोह समृद्धि और सफलता की एक नई कहानी का आरंभ है, जो समाज को विकास की दिशा में एक कदम और बढ़ाता है। हम सभी उपस्थित व्यक्तियों, संगठनों, और समर्थन देने वालों को आभारी हैं जो इस समारोह को सफलता बनाने में सहायक रहे हैं।

जिला कोर्ट में लगा निःशुल्क हृदय रोग जांच शिविर

जबलपुर। गैलेक्सी सुपर स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल के सौजन्य से जिला न्यायालय में निःशुल्क हृदय रोग जाँच शिविर का आयोजन शुक्रवार को हुआ। जहाँ अधिवक्ताओं की स्वास्थ्य की जाँच करते हुए उन्होंने निशुल्क परामर्श भी दिया गया। इस दौरान वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अखिलेश दुबे व डॉ. इसरार अंसारी, डॉ. दुर्गेश पटेल व रिशी मिश्रा ने सेवाएँ दीं। शिविर में बीपी, शुगर, ईसीजी जैसी जाँचें निःशुल्क की गई। करीब 300 अधिवक्ताओं ने इस शिविर का लाभ उठाया। उल्लेखनीय है कि आज की भागदौड़ जिंदगी में लोग अपने स्वास्थ्य के लिए समय नहीं निकाल पाते, ऐसे में अधिवक्ताओं को गैलेक्सी हॉस्पिटल के चिकित्सा विशेषज्ञों ने तनाव से दूर रहने के लिए नियमित दिनचर्या अपनाने प्रेरित किया, साथ ही कहा कि हृदय को सेहतमंद रखने के लिए संबंधित जाँचें नियमित रूप से कराएँ। इस मौके पर जिला अधिवक्ता संघ जबलपुर के अध्यक्ष आरके सिंह सैनी, सचिव राजेश तिवारी, ज्योति राय, अजय दुबे, गुड्डा अवस्थी, प्रवेश खेड़ा, राजेश पंजवानी आदि का विशेष सहयोग रहा।

होम साइंस कॉलेज में हुआ अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

जबलपुर। शास. मो. ह. गृह विज्ञान एवं विज्ञान महिला महाविद्यालय में दिनांक आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस की महत्ता को ध्यान में रखते हुए "Capturing Artificial Intellegence In Present Scenario" विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन प्राचार्य डॉ नंदिता सरकार के संरक्षण में आहार एवं पोषण विभाग तथा गणित विभाग द्वारा किया गया। जिसमे विशिष्ट अतिथि के रूप में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति प्रो. राजेश कुमार वर्मा, उच्च शिक्षा विभाग, जबलपुर संभाग की अतिरिक्त संचालक डॉ संतोष जाटव तथा अतिथि के रूप में महाविद्यालय की जन भागीदारी अध्यक्ष सीमा सिंह उपस्थित थे। सेमिनार में 300 प्रतिभागी सम्मिलित हुए तथा 15 द्वारा शोधपत्र प्रदर्शित किये गये।

विश्व ब्रेल लिपि दिवस पर हुआ एक दिवसीय सेमिनार

जबलपुर। शासकीय प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान जबलपुर के सेमिनार हॉल नं. 1 में विश्व ब्रेल लिपि दिवस का आयोजन संभाग स्तरीय समावेशी शिक्षा प्रकोष्ठ द्वारा किया गया। इस अवसर पर आमंत्रित अतिथि मुख्य वक्ताओं ने शिक्षा के लिए उपयोग में आने वाली ब्रेल लिपि के इन विषयों (1) ब्रेल लिपि शिक्षा में उपयोगिता, (2) ब्रेल लिपि डिजिटल प्रासंगिकता, (3) ब्रेल लिपि में लिपिबद्ध पुस्तक का पाठ्यक्रम में स्थान पर व्याख्यान उद्बोधन दिया गया, जिसमें कहा गया कि ब्रेल लिपि से विषय वस्तु लिपिबद्ध कर विद्यालयों में अध्ययन करने वाले दृष्टिबाधित छात्र छात्राओं को ब्रेल से संबंधित शैक्षिक सामग्री उनको सिखाते हुए उपलब्ध कराया जाए ताकि ये बच्चे शिक्षा के लिए समर्थवान हो सकें। वक्ताओं ने कहा कि जबलपुर में संभाग स्तरीय ब्रेल लिपि अनुसंधान केंद्र, ब्रेल प्रेस, स्थापित किए जाएं और यह भी सुझाव आया कि ब्रेल लिपि में सभी प्रकार के चलन करेंसियों में ब्रेल

लिपि से जानकारी अंकित की जाए और इसके लिए भारत सरकार को लिखित में सुझाव दिए जाएं सेमिनार के उद्बोधन में आया कि समावेशी शिक्षा के अंतर्गत अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के लिए ब्रेल लिपि में प्रशिक्षित शिक्षक विद्यालयों में नहीं हैं। बहुत कम संख्या में हैं। इससे ब्रेल लिपि से दृष्टबाधित छात्र अछूते रहते हैं जिससे शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाई होती है। दृष्टि में समर्थ बनाने के लिए नेत्रदान करने हेतु संदेश दिया गया। सेमिनार में संभाग से आए हुए शिक्षकों को ब्रेल लिपि से प्रशिक्षित किया गया और नवीन जानकारी दी गई। लुई ब्रेल के परिचय और योगदान पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया।

हॉकी प्लेयर अरुण यादव का स्वागत

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक खेल संघ के जिला अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि खेलधानी जबलपुर में हॉकी जगत के महारथियों में शुमार अरुण यादव (लड्डू भैया) आज किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं । लगातार १६ वर्षों तक सीनियर नेशनल हॉकी प्रतियोगिता में भाग लेकर अविस्मरणीय कीर्तिमान स्थापित किया है । आपने भारतीय शालेय हॉकी टीम , जूनियर इंडिया सहित भारतीय रेलवे हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक अर्जित कर खेलधानी का गौरव बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई । आज जागरूक खेल संघ जबलपुर ने आपका स्वागत करते हुए आपकी उपलब्धियों को जागरूक खेल संघ जबलपुर के जिलाध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने पुष्टाहार पहनाकर स्वागत किया ।

छात्र विरोधी नीतियों के विरोध में लॉ स्टूडेंट एसोसिशन ने रादुविवि में किया प्रदर्शन

जबलपुर। महाकौशल लॉ स्टूडेंट एसोसिशन द्वारा रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में एलएलबी पाठय़क्रम में कॉपी पुनर्मूल्यांकन, सुपर एटीकेटी, एवं सेमेस्टर की परीक्षा होने के पूर्व एटीकेटी की परीक्षा कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया और कुलपति को ज्ञापन सौंपकर प्रदर्शन किया। अध्यक्ष अंकुश चौधरी ने बताया किया एलएलबी में पाटय़क्रर्म में जो विश्वविद्यालय द्वारा अधिनियम बनाए गए है वो पूरे तरीके से छात्र विरोधी है। 2013 के बाद से एलएलबी में पुनर्मूल्यांकन एवं सुपर एटीकेटी को बंद कर दिया गया।जिससे आज हजारों छात्र छात्रों को नुकसान हो रहा ह। परीक्षा परिणाम से असंतुष्ट छात्रों को ये अधिकार से वंचित कर दिया गया है कि वह अपनी कॉपी को पुनर्मूल्यांकन करवा सके, सिर्फ रिटोटेलिंग का प्रावधान है। छात्रों द्वारा चेतावनी दी गई कि यदि मांगे पूरी नहीं होती है तो आगे हम उग्र आंदोलन करेंगे। इस दौरान एड मोहित प्यासी, राहुल अगरिया, रोहित कुरील, देवेंद्र खरे, हर्ष प्रताप सिंह, शुभांशु सिंह, रोहित गुप्ता, सौरभ दुबे साथ सैकड़ों सदस्य उपस्थित रहे।

शोध क्षेत्र में उपयोगी है टूल्स पर आधारित राष्ट्रीय कार्यशाला संपन्न

जबलपुर। संत अलायसियस महाविद्यालय में रसायन विभाग एवं मध्यप्रदेश विज्ञान परिषद एवं प्रौद्योगिकी के सहयोग से राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, प्राचार्य डॉ. फा. जी वलन अरासु के निर्देशन में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला के मुख्य अतिथि डॉ. आशीष गुप्ता विशिष्ट अतिथि डॉ. एके वाजपेयी रीजनल डायरेक्टर भोज उपस्थित थे। कार्यक्रम का डॉ. आशीष गुप्ता सीनियर कैंसर विशेषज्ञ मेडीकल विश्वविद्यालय ने अपने वक्तव्य में कहा कि रिसर्च के क्षेत्र में बड़े ही सहायक हैं ये साफ्टवेयर जिनके माध्यम से न केवल विद्यार्थियों, बल्कि शिक्षिकों के लिए भी इनका प्रयोग उपयोगी सिद्ध होगा। विशिष्ट अतिथि डॉ. एके वाजपेयी ने राष्ट्रीय कार्यशाला के विषय "वैज्ञानिक संगणना के लिए डाकिंग और एसपीएसएस साफ्टवेयर" पर विस्तार से अपनी बात रखी। प्राचार्य डॉ. फा. जी वलन अरासु द्वारा सभी को राष्ट्रीय

कार्यशाला के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की।

ग्राम पंचायत कुम्ही का मामला

राशन दुकान में निकला सड़ा एवं काला गेहूं

सिहोरा। सिहोरा विकासखंड अंतर्गत सेवा सहकारी समिति की उचित मूल्य राशन दुकान से सुरक्षा योजना के तहत पात्र लोगों को वितरण करने के लिए सप्लाई किया गया गेहूं काला एवं सड़ा निकला। राशन विक्रेता की ओर से शुक्रवार को वितरण करने के लिए जैसे ही गेहूं की बोरी खोली गए तो खराब गेहूं निकला और उपभोक्ताओं ने लेने से इनकार कर दिया। आक्रोशित उपभोक्ताओं ने घटिया स्तर के गेहूं वितरण किये जाने की शिकायत तत्काल ग्राम सरपंच से की। ग्रामीणों का कहना है कि राशन दुकान में वितरित किया जा रहा गेहूं सड़ांध मार रहा है। ग्राम

पंचायत कुम्ही के सरपंच मोहन मिश्रा ने तत्काल मौके पर पहुंचते हुए अमानक गेहूं के वितरण पर रोक लगाते हुए मामले की शिकायत आला अधिकारियों से करते हुए ने मौके पर पहुंच गेहूं के सैम्पल लिए। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत कुम्ही की राशन दुकान में 791 हितग्राहियों को राशन वितरण मैं गेहूं का वितरण किया जाना था बताया जाता है कि कट्टों में गेहूं गुणवत्तायुक्त होना नहीं पाया गया। गेहूं पूरी तरह काला एवं गट्ठल बंधा हुए दिखाई दिया। इस पर लोगों ने गेहूं लेने से मान कर दिया। लोगों ने ग्राम सरपंच को वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए मामले की जांच की मांग की।

निधन

श्रीमती राजेश्वरी तिवारी- जवाहर नगर अधारताल निवासी श्री जग नारायण तिवारी की धर्मपत्नी श्रीमती राजेश्वरी तिवारी (95) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती निशा आनंद- जेडीए कॉलोनी कटंगा निवासी श्री सतीश कुमार आनंद की धर्मपत्नी श्रीमती निशा आनंद (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती माधुरी श्रीवास्तव- कृष्णम ईको सिटी श्रीराम इंजीनियरिंग कॉलेज रोड निवासी श्री केजीसी श्रीवास्तव की धर्मपत्नी श्रीमती माधुरी श्रीवास्तव (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजू डुमार- न्यू कछियाना द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री राज डुमार (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री अमित कुमार खरे- सरस्वती कॉलोनी चेरीताल निवासी श्री अमित कुमार खरे (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कृष्ण कुमार कोरी- शीतलामाई रवि डेयरी के पास निवासी श्री कृष्ण कुमार कोरी (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री संजू उपाध्याय- चुंगी चौकी द्वारकानगर लालमाटी निवासी श्री शंकर लाल उपाध्याय के पुत्र श्री संजू उपाध्याय (36) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती भूरी बाई लोधी- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री महेंद्र कुमार लोधी की धर्मपत्नी श्रीमती भूरी बाई लोधी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री नंद किशोर यादव- भट्टा मोहल्ला न्यू कंचनपुर अधारताल निवासी श्री नंद किशोर यादव (96) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री देवेंद्र कुमार दुबे- झिरिया कुआं के पास करियापाथर निवासी श्री देवेंद्र कुमार दुबे (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती गौरा बाई साहू- लाल कुआं पोलीपाथर निवासी श्री सरजू लाल साहू की धर्मपत्नी श्रीमती गौरा बाई साहू (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

शिव विश्वकर्मा- दक्षिण मिलौनीगंज निवासी श्री आनंद विश्वकर्मा के अल्पायु पुत्र शिव का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सावित्री यादव- गोहलपुर थाने के बाजू में निवासी श्री राजेंद्र सिंह यादव की धर्मपत्नी श्रीमती सावित्री यादव (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री एस. मूर्ति- ज्योति नगर मकरोनिया सागर निवासी श्री एस. मूर्ति का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती लक्ष्मी बाई श्रीवास- जीसीएफ इस्टेट निवासी श्री राम प्रसाद श्रीवास की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी बाई श्रीवास (80) का निधन हो गया।

श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल- भदौरा नं. 2 बसाड़ी कटनी निवासी श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज ५०/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 8X4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8X4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10X8 से.मी. रंगीन 1000/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

आम सूचना

मैं अपने पक्षकारगण (1) धारा सिंह जाट पिता श्री रघुवीर सिंह जाट, निवासी- 98, धनोखरा कालवाड़ी, तहसील कटुमर, जिला अलवर, राजस्थान (2) मुदित शर्मा पिता श्री मुकेश शर्मा, निवासी- सरस्वती कॉलोनी, चेरीताल वार्ड नम्बर 27, जिला जबलपुर, मध्यप्रदेश से प्राप्त निर्देशानुसार यह आम सूचना प्रकाशित करता हूँ कि मेरे पक्षकारगण द्वारा विक्रेतागण श्रीमती अनीता बाई पति प्रदीप यादव, निवासी- 404, कालिका टावर, अपोजिट प्रताप टाकीज खोपर, ठाढे, महाराष्ट्र एवं प्रमोद पिता श्री प्रकाश यादव, निवासी– श्री गोकुल सी.एच.एस., प्लाट नम्बर 44, मुम्बई, महाराष्ट्र हाल मुकाम चौथी बिल्डिंग वृन्दावन सोसायटी बेरट, मुम्बई, महाराष्ट्र से एक व्यावसायिक भू-खण्ड मकान मौजा बंधा, पटवारी हल्का नम्बर 14, राजस्व निरीक्षक मण्डल खितोला, ब्लाक एवं तहसील सिहोरा, जिला जबलपुर, मध्यप्रदेश मे स्थित खसरा नम्बर 22/7 रकवा 0.02 हेक्टेयर याने 2150 वर्गफुट है, जो कि लम्बा पूर्व से पश्चिम 43 फुट एव चौड़ा, उत्तर से दक्षिण 50 फुट, जिसका कुल क्षेत्रफल 2150 वर्गफुट है, जिस पर निर्मित मकान है। उक्त सम्पति के संबंध मे मेरे पक्षकारगण द्वारा विक्रेतागणों से सौदा कर विक्रय अनुबंध-पत्र निष्पादित किया गया है। यदि किसी व्यक्ति, संस्था को उक्त सम्पति के संबंध मे कोई आपति हो, तो 7 दिवस के अन्दर आपति प्रस्तुत करे, अन्यथा मेरा पक्षकार उक्त सम्पति का पंजीकृत विक्रय-पत्र विधि अनुसार निष्पादित करा लेगें। उक्त अवधि के पश्चात की गयी आपति अमान्य होगी।

जबलपुर
दिनॉक 06/01/2024

पंकज त्रिपाठी
एडवोकेट
म.प्र. हाई कोर्ट, जबलपुर
मो.नं.- 9399471552

न्यायालय अनुराग सिंह, पंजीयक लोक न्यास एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)
अधारताल जिला जबलपुर
राजस्व प्रकरण क्रमांक 0017/बी-113(4) /2023-2024
प्रारूप-4
(सूचना पत्र नियम-5(1) देखिये)
म.प्र. लोकन्यास अधिनियम 1951

आवेदक न्यास महेश सेवा न्यास द्वारा श्री शरद काबरा पिता स्व.प्रहलाद दास जी काबरा निवासी चंदन मेन्सन 51 गोलबाजार जिला जबलपुर पंजीयन क्रमांक 6/बी-113/97-98 के द्वारा आवेदन पत्र वास्ते म.प्र. न्यास अधिनियम के अंतर्गत पंजीबद्ध न्यास दिनांक 27/01/2001 दर्ज होने संबधित दस्तावेज हेतु प्रस्तुत किये है। दिनांक 14/07/2023 का बैठक साधारण सभा के आधार न्यास के विधान मे संशोधन किया। अतःएतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि उक्त आवेदन पर संधारित प्रकरण मेरे न्यायालय में दिनांक 16/01/2023 को विचार के लिये नियत है। कोई भी व्यक्ति/ संस्था उक्त न्यास या संपत्ति में हित रखता हो और उक्त नियुक्ति के बारे में कोई आपत्ति प्रस्तुत करने या सुझाव देने का विचार रखता हो उसे इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से एक माह के भीतर दो प्रतियों में लिखित कथन/दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है, अथवा उक्त नियम दिनांक को न्यायालय में मेरे समक्ष स्वयं या अपने अभिभाषक या अधिकर्ता के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। उपरोक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात् प्राप्त आपत्ति/दावों/सुझावों पर कोई विचार के लिये ग्राहय नहीं किया जावेगा। पेशी दिनांक- 16/01/2024

पंजीयक लोक न्यास
एवं अनुविभागीय अधिकारी
अनुभाग आधारताल, जबलपुर